



निर्देश पत्र मिरा - भाईदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय : स्व. इंदिरा गांधी भवन, छत्रपती शिवाजी महाराज मार्ग, भाईदर (प).
ता.जि.ठाणे ४०१ १०१. दुरध्वनी क्र. : २८१९२८२८ / २८१९३०८७

(**अभिव** विभाग)

क्रमांक :

तारीख :

विषय

मि. महात्मना

दि. २९/०९/२०१६ स. ११:०० वा

प्रकरण-क्र. ६४ ते ६२

प्रकरण सुरु झाल्याची तारीख :

प्रकरण बंद केल्याची तारीख :

दिनांक

कार्यवाही

२९/०९/२०१६

४

२०१६-१७

अभिलेखाचे वर्गीकरण

बाब क्रमांक

वर्ग

परिक्षणाचे वर्ष

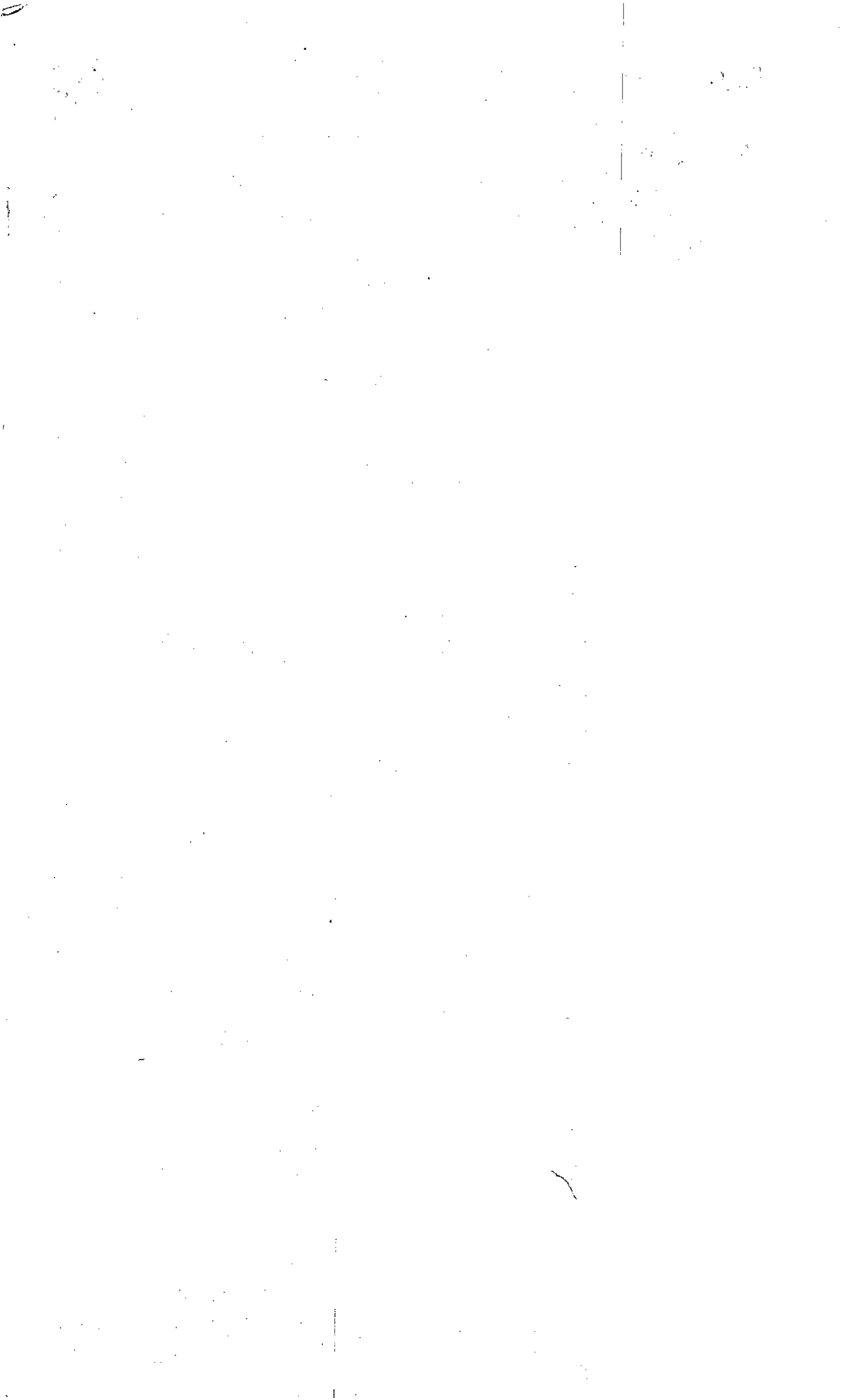
पृष्ठ क्रमांक

(अ/ब/क/त-१/ड)

१ ते

आयुक्त

मिरा भाईदर महानगरपालिका



मिरा भाईदर महानगरपालिका
मुख्य कार्यालय, भाईदर (प.)

महापालिका सचिव कार्यालय,
दिनांक :- १९/०९/२०१६.

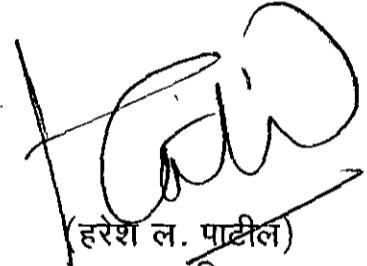
मा. महासभा

मा. महासभा सूचना क्र. :- ०४, दिनांक १९/०९/२०१६

प्रति,
सन्मा. श्री./श्रीमती.

नगरसेवक/नगरसेविका,
मिरा भाईदर महानगरपालिका

या सूचनेद्वारे आपणांस कळविण्यांत येते की, मिरा भाईदर महानगरपालिकेची मा. महासभा गुरुवार दि. २९/०९/२०१६ रोजी सकाळी ११.०० वाजता मिरा भाईदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृहात महासभा सूचना क्र. ०४, दि. १९/०९/२०१६ रोजी सोबतच्या विषयपत्रिकेवरील प्रकरणांवर विचार विनिमय करण्यासाठी आयोजित करण्यांत येत आहे. तरी सदर सभेस उपस्थित रहावे, हि विनंती.


(हरेश ल. पाटील)
नगरसचिव

मिरा भाईदर महानगरपालिका

मा. महापौर सो. यांच्या मान्यतेने.

मिरा भाईदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय, भाईदर (प.)

मा. महासभा सुचना क्रमांक ०४, दि. १९/०९/२०१६ सोबतची विषय पत्रिका

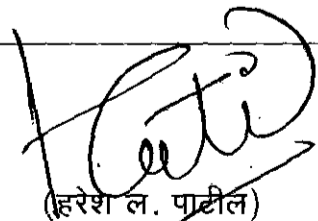
सभा गुरुवार दि. २९/०९/२०१६

| प्र.क्र. | विषय |
|----------|--|
| --- | प्रश्नोत्तरे - ॥ |
| --- | मागील सभांचे इतिवृत्तांत - |
| ६४ | दि. १९/०३/२०१६ रोजीच्या मा. विशेष महासभेचे इतिवृत्तांत कायम करणे. |
| --- | सर्व निवडणुका - निरंक |
| --- | सर्व नियुक्त्या - निरंक |
| --- | मध्यप्रश्न (इंटरप्रिलेशन्स) - निरंक |
| --- | विनंती अर्ज - निरंक |
| --- | स्थायी, परिवहन व विशेष समित्यांचे ठराव - |
| ६५ | विधवा / घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींना विवाहाकरीता व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक सहाय्य करणेबाबत विचार विनिमय करणे. (दि. ३०/०८/२०१६ रोजीच्या मा. महिला व बालकल्याण समितीने शिफारस केलेला ठराव क्र. १) |
| ६६ | महिला व बालकल्याण समितीच्या योजना राबविण्यासाठी महिला व बालकल्याण समितीच्या कामकाजाबाबत अधिकार व कर्तव्य समितीला देणेबाबत. (दि. ३०/०८/२०१६ रोजीच्या मा. महिला व बालकल्याण समितीने शिफारस केलेला ठराव क्र. ४) |
| --- | शिक्षण मंडळाची पत्रे - निरंक |
| --- | आयुक्तांकडील पत्रे व कामकाज - |
| ६७ | मतदार नोंदणी करणेबाबत मतदार जन जागृती अभियान राबविणेबाबत. |
| ६८ | बारची धरणाची ऊंची वाढविल्यामुळे बाधित होणाऱ्या क्षेत्रातील विस्थापीत लोकांना महानगरपालिकेत नोकरी उपलब्ध करून देणेबाबत. |
| ६९ | क्रिडा संकुलचे धोरण निश्चित करणेबाबत. |
| ७० | मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात उत्तन भागात मत्स व्यवसायास चालना देण्यासाठी मासे बाजार (Fishery Hub) तयार करणेबाबत विचार विनिमय करून निर्णय घेणे. |
| ७१ | मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या मालमत्ता सवलतीच्या दरात भाड्याने देण्याबाबत विचार विनिमय करून निर्णय घेणे. |
| ७२ | मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील मैदानाच्या (आरक्षणे / आर. जी. क्षेत्राच्या) भाड्याबाबत. |
| ७३ | मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईदर (पूर्व) जेसलपार्क खाडी किनारी खाद्य विक्रीसाठी किऑस्क (स्टॉल) बसविणेच्या प्रस्तावाबाबत फेरविचार करून निर्णय घेणेबाबत. |
| ७४ | ठाणे किनारे व लगतच्या शहरामध्ये अंतर्गत जलवाहतुक सुविधा सुरु करणे कामाच्या प्रस्तावास मान्यता देणेबाबत. |
| ७५ | मिरा भाईदर महानगरपालिकेमार्फत आयोजित करावयाचे भूमीपूजन, उद्घाटन कार्यक्रमासाठी धोरण निश्चित करणेबाबत. |
| ७६ | पुर्नविनियोजन पत्रकास मान्यता देणे. |
| ७७ | पावसाळी पाण्याचा निचरा होण्याच्या दृष्टीने जाफरी खाडीच्या लगत मिरारोड व दहिसर स्टेशन दरम्यान नविन कल्वर्ट बांधणे कामाबाबत विचार विनिमय करून निर्णय घेणे. |
| ७८ | तत्कालीन बडतर्फ करण्यात आलेले जनसंपर्क अधिकारी श्री. सचिन चवाथे यांचे प्रकरणाबाबत. |
| ७९ | भाईदर (प.) येथील मॅक्सेस मॉल जवळील पोलीस स्टेशन समोरील चौकाचे वंदन चौक म्हणून नामकरण करणेबाबत. |
| ८० | Suburban Railway Consultative Committee Member वर मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील प्रतिनिधी पाठविणेबाबत निर्णय घेणे. |
| ८१ | महानगरपालिका क्षेत्रातील शैक्षणिक संस्थांच्या मालमत्तांना मालमत्ता करामध्ये सवलत देणेकरीता फेरविचार करून निर्णय घेणे. |
| ८२ | संत शिरोमणी सावता माळी शेतकरी आठवडे बाजार अभियान राबविणेसाठी जागा उपलब्ध करून देणेबाबत. |
| --- | शासनाकडील किंवा शासकीय अधिकाऱ्यांकडील पत्रे - |
| --- | समित्यांचे किंवा उप समित्यांचे अहवाल - निरंक |

महानगरपालिका सचिव कार्यालय,

मिरा भाईदर महानगरपालिका

दिनांक :- १९ सप्टेंबर २०१६



(हरेश ल. पाटील)

नगरसचिव

मिरा भाईदर महानगरपालिका



मा. विशेष महासभा

दि. १९/०३/२०१६

रोजीचे इतिवृत्तांत

मिरा भाईदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह

मा. विशेष महासभा दि. १९/०३/२०१६

आज शनिवार दि. १९/०३/२०१६ रोजी मिरा भाईदर महानगरपालिकेची (मा. विशेष महासभा सकाळी ११.३० वाजता सभा सुचना क्र. ११ दि. ०९/०३/२०१६ रोजीच्या विषयपत्रिकेवर विचार विनिमय करणेकरिता महापालिका सभागृह, ३ रा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह येथे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली भरली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

उपस्थित सदस्य

| | | |
|-----|-----------------------------|-------------------------------------|
| १) | जैन गिता भरत | महापौर |
| २) | प्रविण मोरेश्वर पाटील | उपमहापौर |
| ३) | आमगावकर हरिश्चंद्र रामचंद्र | सभापती, स्थायी समिती |
| ४) | मुन्ना सिंग | सभागृह नेता |
| ५) | सॅन्ड्रा जेफ्री रॉड्रीक्स | सदस्या |
| ६) | अशोक सुर्यदेव तिवारी | सदस्य |
| ७) | ॲड. रवि व्यास | सदस्य |
| ८) | कोठारी सुमन रमेश | सदस्या |
| ९) | कांगणे यशवंत ठकाजी | सदस्य |
| १०) | मयेकर सरस्वती रजनीकांत | सदस्या |
| ११) | सिंग मदन उदितनारायण | सदस्य |
| १२) | पाटील रोहिदास शंकर | सदस्य |
| १३) | म्हात्रे कल्पना महेश | सदस्या |
| १४) | पिसाळ मनिषा नामदेव | सदस्या |
| १५) | निलम हरिश्चंद्र ढवण | गटनेता, शिवसेना |
| १६) | जाधव मोहन महादेव | सदस्य |
| १७) | पाटील सुनिता कैलास | सदस्या |
| १८) | वेतोसकर राजेश शंकर | सदस्य |
| १९) | अरविंद दत्ताराम ठाकुर | गटनेता, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना |
| २०) | प्रभात प्रकाश पाटील | सदस्या |
| २१) | प्रेमनाथ गजानन पाटील | सदस्य |
| २२) | मेहता डिंपल विनोद | सदस्या |
| २३) | जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील | सदस्य |
| २४) | पाटील वंदना विकास | सदस्या |
| २५) | घरत तारा विनायक | सदस्या |
| २६) | केळुसकर प्रशांत नारायण | सदस्य |
| २७) | भानुशाली वर्षा गिरीधर | सदस्या |
| २८) | पाटील वंदना मंगेश | सदस्या |
| २९) | रावल भगवती जयशंकर | सदस्या |
| ३०) | शाह राकेश रतिशचंद्र | सदस्य |
| ३१) | शरद केशव पाटील | सदस्य |
| ३२) | मेघना दिपक रावल | सदस्या |
| ३३) | पाटील ध्रुवकिशोर मन्साराम | सदस्य |
| ३४) | डॉ. जैन रमेश धरमचंद्र | सदस्य |
| ३५) | शुभांगी महिन कोटियन | सदस्या |
| ३६) | डॉ. राजेंद्र जैन | सदस्य |
| ३७) | बाबरा डॉनल्ड रॉड्रीक्स | सदस्या |
| ३८) | मॅन्डॉसा स्टिवन जॉन | सदस्य |
| ३९) | प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील | सदस्या |
| ४०) | डॉ. आसिफ गुलाब शेख | सदस्य |
| ४१) | संदिप मोहन पाटील | सदस्य |
| ४२) | गोविंद हेलन जॉर्जी | सदस्या |
| ४३) | डिमेलो बर्नड अल्बर्ट | गटनेता, राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी |
| ४४) | बगाजी शर्मिला विन्सन | सदस्या |
| ४५) | लियाकत ग. शेख | सदस्य |

| | | |
|-----|-----------------------------|------------------------------------|
| ४६) | परमार अनिता भरत | उप-सभापती, महिला व बालकल्याण समिती |
| ४७) | रकवी सुहास माधवराव | सदस्य |
| ४८) | झिनत रऊफ कुरेशी | सदस्या |
| ४९) | कॅटलीन ऍन्थोनी परेरा | सदस्या |
| ५०) | खण्डेलवाल सुरेश | सदस्य |
| ५१) | पाटील नरेश तुकाराम | सदस्य |
| ५२) | शेख शबनम लियाकत | सदस्या |
| ५३) | सुजाता रविकांत शिंदे | सभापती, महिला व बालकल्याण समिती |
| ५४) | मेहता नरेंद्र लालचंद | सदस्य |
| ५५) | पुजारी कांचना शेखर | सदस्या |
| ५६) | इनामदार जुबेर | गटनेता, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस |
| ५७) | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम | सदस्य |
| ५८) | सय्यद नुरजहाँ नझर हुसेन | सदस्या |
| ५९) | डिसा मर्लिन मर्विन | सदस्या |
| ६०) | शाह सिमा कमलेश | सदस्या |
| ६१) | कासोदरिया अश्विन श्यामजी | सदस्य |
| ६२) | डॉ. नयना मनोज वसानी | सदस्या |
| ६३) | जैन दिनेश तेजराज | सदस्य |
| ६४) | भट दिप्ती शेखर | सदस्या |
| ६५) | दळवी प्रशांत ज्ञानदेव | सदस्य |
| ६६) | विराणी रेखा अनिल | सदस्या |
| ६७) | सामंत प्रमोद जयराम | सदस्य |
| ६८) | अनिता जयवंत पाटील | सदस्या |
| ६९) | म्हात्रे परशुराम पद्माकर | सदस्य |
| ७०) | भोईर भावना राजू | सदस्या |
| ७१) | भोईर राजू यशवंत | सदस्य |
| ७२) | अरोरा दिपिका पंकज | सदस्या |
| ७३) | भावसार शिल्पा कमलेश | सदस्या |
| ७४) | वंदना रामदास चक्रे | सदस्या |
| ७५) | कमलेश यशवंत भोईर | सदस्य |
| ७६) | सुमबंड महरुत्रीसा हारूनरशीद | सदस्या |
| ७७) | गावंड मंदाकिनी आत्माराम | सदस्या |
| ७८) | प्रभाकर पद्माकर म्हात्रे | सदस्य |
| ७९) | मीरादेवी रामलाल यादव | सदस्या |
| ८०) | अनिल बाबुराव भोसले | सदस्य |
| ८१) | रविंद्र भिमदेव माळी | सदस्य |
| ८२) | दक्षता राजेंद्र ठाकूर | सदस्या |
| ८३) | भगवती शर्मा | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८४) | दिनेश दगाडू नलावडे | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८५) | धनेश परशुराम पाटील | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८६) | डॉ. सुशिल अग्रवाल | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८७) | हेमंत म्हात्रे | नामनिर्देशित सदस्य |
| | गैरहजर सदस्य - | |
| १) | असेन्ला मेंडोन्सा परेरा | सदस्या |
| २) | पांडे हंसूकुमार कमलकुमार | सदस्य |
| ३) | शर्मा सुनिला सत्येंद्र | सदस्या |
| ४) | संध्या प्रफुल्ल पाटील | सदस्या |
| ५) | रॉड्रीक्स मॉरिस जोसेफ | सदस्य |
| ६) | ग्रिटा स्टिफन फॅरो | सदस्या |
| ७) | जयमाला किशोर पाटील | सदस्या |
| ८) | काझी रशीदा जमील | सदस्या |
| ९) | वेंचर गिल्बर्ट मेंडोसा | सदस्य |
| | रजेचा अर्ज - | |
| १) | पाटील प्रणाली संदिप | सदस्या |



मा. महापौर :-

सचिव साहेब सभेला सुरुवात करा.

नगरसचिव :-

राष्ट्रगीतासाठी जागेवर उभे रहायचे आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम, विषयपत्रिकेवरचे विषय सुरु होण्याच्या आधी या शहरामध्ये सध्या चाललेला, या शहराला निगडीत एक ज्वलंत विषय आहे. पाणी पुरवठा महापौर मॅडम, आयुक्त महोदय सातत्याने या शहराच्या कानाकोपऱ्यातून मोठमोठे लोंढे, मोर्चे घेऊन येत आहेत तुमच्याकडे. अफाट लोकांचे मोर्चे आणि परिस्थिती खरतर हद्दपार झालेली आहे. न्यायव्यवस्था बिघडण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. सध्याच या शहराने पाणी संदर्भात एक मोठे आंदोलन बघितले आहे. यामध्ये बऱ्याचशा लोकांना त्रास झाला, हाणामारी झाली. मालमत्तेचे नुकसान झाले आहे अशी परिस्थिती परत या शहरामध्ये होऊ नये. पाणी कपात शासनाचा एक मुद्दा असला तरीही हा काही पहिल्यांदा होत नाही वर्षानुवर्षे पाणी कपात या शहराने बघितलेली आहे. जानेवारीच्यानंतर नेहमी दरवर्षी महापौर मॅडम पाणी कपात होत होती. तुम्हीही याची ग्वाही घाल. तुम्ही सदस्य या सभागृहाचे होता तेव्हा शासनाकडे सत्ताधारी जाऊन आपली भूमिका मांडायची की या शहराला पाणी नाही तसाच पाणीचा तोटा आम्हाला आहे तुम्ही पाणी आम्हाला कमी दिलेले आहे. आम्हाला लागणारे पाणी तुम्ही आजपर्यंत आम्हाला दिलेले नाही. आम्हाला पाणीचा कोटा कमी असल्यामुळे तुम्ही ही कपात रद्द करा आणि त्या दृष्टीकोनातून त्या सहानुभूतीपूर्वक तो चांगला विचार मनामध्ये घेऊन तेव्हा ते सत्ताधारी शासन जे चालवत होते ते आपले पाणी कटौती रद्द करत होते. आमचा फक्त एकच प्रश्न आहे तुम्हाला आज तुम्ही सत्तेवर बसलात. आमदार आहेत आज ते सभागृहात नाही बहुतेक येतीलच त्यांनी ही प्रयत्न केला पाहिजे होता ही कटौती रद्द झाली पाहिजे होती. मा. आमदार मुझफ्फर हुसैन साहेबांनी या संदर्भात विधी मंडळामध्ये प्रश्न मांडला कॉर्लींग अटेंशन लावले आहे की या शहराला पाणी नाही. कॉर्लींग अटेंशन लावण्याचे कारण एकच असते की कुठला तरी मोठा प्रसंग शहरावर येऊ शकतो आणि हा प्रसंग या मिरा भाईंदर शहरावर येऊ शकतो याला नाकारता येत नाही. आठवड्यामध्ये २ दिवस, ३ दिवस पाणी बंद शहरात १०० तासांच्यावर पाणी पुरवठा होतो. आज ६० तासानंतर पाणी पुरवठा झाला आहे. शहरामध्ये विहीरी नाही, बोरींग नाही, दुसरा कुठला पर्याय नाही. प्रायव्हेट टँकर नाही. संस्थेचे लोक ४०-४०, ५०-५० हजार रुपये खाजगी टँकरवाल्यांना देतात. मग हे पाणी येणार तरी कुठून. एका बाजूला शहरवासियांवर आपण आपला मालमत्ता कर लादलेला आहे. दुसरे पाणी पुरवठा नसताना सुध्दा पाण्याचा ते त्याच प्रमाणात जातात कारण लोकांनी आपले विचार काढलेले त्याला एकच कारण की आम्हाला पाणी पुरवठा जास्त प्रमाणात मिळावे. मात्र आठवड्यामध्ये २ दिवस पाणी देत नाही आणि ३६५ दिवसांचे पैसे त्यांच्याकडून आकारतो. अन्याय नाही तर काय. या शहरवासियांनी किती अन्याय सोसायचा. या अन्यायाला सोसण्यासाठी हे शहरवासी बसलेत. त्यांनी आपल्याला सत्तेवर बसवले, आम्हाला निवडून दिले आणि आम्ही त्यांचे लोकप्रतिनिधी आज आम्ही या सभागृहाच्या माध्यमातून त्यांचे प्रश्न इथे उपस्थित करणार नाही तर करणार तरी काय? आणि आम्हाला अपेक्षा आहे प्रशासनाकडून, सत्ताधऱ्यांकडून अपेक्षा करावी लागते नाही त्यांची क्षमता असली तरी आम्हाला अपेक्षा करावी लागेल की तुम्ही ते करा. कारण हे शहर उद्या पेटलं तर त्याला कारणीभूत तुम्ही ठराल.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

आदरणीय महापौर मॅडम, पाण्याचा प्रश्न हा अतिशय गंभीर झालेला आहे. मिरा भाईंदर शहर में पानी का हाहाकार मचा हुआ है। ४-४, ५-५ दिन से लोगो के घर में पानी नहीं है। एक्झाम चल रही है एस.एस.सी. की, बच्चे बिना नहाए एक्झाम देने जा रहे हैं। उनके माँ-बाप टेन्शन में हैं। जब बच्चा स्नान नहीं करता तो वो फ्रेश नहीं होता है और जब वो फ्रेश नहीं तो एक्झाम क्या देगा। उसके रिझल्ट पे उसका परिणाम हो सकता है। तो आज सत्ताधारी पक्ष बच्चो का भविष्य बिघडने के लिए भी जिम्मेदार है। आज ५ दिन पानी नहीं है लेकिन फिर भी सत्ताधारी पक्ष उस पानी देने में नाकामयाब रहा उसका हम जाहिर निषेध करते हैं। ऑक्टोबर महिने में सबसे फर्स्ट आप लोगो को जब कटौती का ऑर्डर आया उसके बाद भी आप लोगो का ध्यान नहीं। ज्यावेळी राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टीचे सरकार होते त्यावेळी पण असाच जी.आर यायचा. अशीच ऑर्डर यायची हेच अधिकारी होते पण त्यावेळी मंत्री आमचे होते आणि प्रत्येक वेळी आम्ही आमचे आमदार, आमचे महापौर, आमचे खासदार त्या मंत्र्यांच्या समोर बसायचो आणि त्या मंत्र्यांकडून मिरा भाईंदर शहराची पाणी कपात रद्द करून आणायचो. मिरा भाईंदर शहर ठाणे जिल्ह्यातील एक वेगळे शहर आहे. हे सगळ्यात शेवटी आहे टेल एन्डला आहे. इथे पाणी प्रेशरने कमी येते लेट येते आणि ऑलरेडी ४८ तासाने पाणी येते. मिरा भाईंदर शहरामध्ये आणि म्हणून हे मिरा भाईंदर शहर एक्सेप्शनल केस होतं म्हणून आमचे मंत्री अजित पवार साहेब, सुनिल तटकरे साहेब हे ज्या-ज्या वेळी होते त्या-त्या वेळी आम्ही पाणी कपात रद्द करून आणायचो आणि असा एक जी.आर पास करून दिला होता की जोपर्यंत मिरा भाईंदर शहराची पाण्याची समस्या सुटत नाही तोपर्यंत मिरा भाईंदर शहराला भविष्यात कधीही पाणी कपात घायची नाही, करायची नाही असा जी.आर पास करून सुध्दा तुमचे मंत्री महोदय ते करू नाही शकले. चलो हम मान लेते हैं की अकाल पडा हुआ है पानी डॅम में नहीं है लेकिन वो नैतिक जबाबदारी आपकी है। ठाणे जिल्हे में ऐसे सब शहर हैं भिवंडी है, कल्याण-डोंबिवली है, ठाणे है, न्यु बॉम्बे है। सभी शहरों की परिस्थिती और मिरा भाईंदर शहर की



परिस्थिती में बहुतसा अंतर है। तो मिरा भाईदर के लिए एक स्पेशल ट्रिटमेंट देना चाहिए। यह बात आप लोगोने आपके मंत्री को बताना चाहिए। जब-जब हम आंदोलन की चेतावनी देते हैं जनवरी में हमने आंदोलन की चेतावनी दी। तो आप उसके दो दिन पहले जाके मंत्री साहब से लेटर लेके आए की हमने पाणी कपात रद्द कर दी। और फेसबुक और वॉट्स अप के माध्यम से दे दिया। २ दिन के बाद वापस देखा तो पानी कपात ऐसी की ऐसी है। लोग चिल्ला रहे हैं पानी नहीं अभी मार्च में जब हमने आंदोलन की चेतावनी दी वापस आप सोमवार को भागे मंत्री महोदय के पास और वहाँ से एक लेटर लेके आए और बोला की देखो हमने २५ एम.एल.डी. पानी बढ़ा दिया और शुक्रवार तक पानी मिरा भाईदर शहर में नहीं आया। अगर आप लोग मंत्री होने के बाद भी आपकी सरकार होने के बाद भी, जब आप इस मिरा भाईदर शहर को पानी नहीं दे सकते तो मॅडम इस खुरची पे बैठने का और मंत्रालय में राज करने का आपको कोई अधिकार नहीं। आपको राजीनामा देना चाहिए। ऑक्टोबर महिने में हमने आपको पहली चेतावनी दी थी लक्षवेधी के माध्यम से। आपको हमने ८-८ सुझाव दिए थे, वो बात अगर आपने मानी होती हमारी लक्षवेधी चर्चा में लिया होता तो आज यह नौबत नहीं आती। हमने आपको ८-८, ९-९ सजेशन दिए की आज मिरा भाईदर की जो वॉटर सिस्टम है टोटली फॉल्टी है। उसके अंदर ३० टक्के, ४० टक्के लिकेज है। ३०-४० टक्के लिकेज होने के बाद भी आप उसपे अंमल नहीं कर रहे। आज शहर में इतने कुअे है, तालाब है सबकुछ है। उसका पानी आप लोगोने मिरा भाईदर की जनता को देना चाहिए। लेकिन उसके लिए आप लोगो ने कुछ भी नहीं किया। रेन वॉटर हारवेस्टिंग के माध्यम से भी पानी सभी बिल्डींग को मिल सकता है। वो ओ.सी. लेने के लिए कंडीशन है लेकिन फिर भी उसके उपर आप लोगो का अंमल नहीं है। ऐसी बहुत सी बिल्डींग है जिसका रेन वॉटर हारवेस्टिंग ऐसे के ऐसे बंद पडा हुआ है। मिरा भाईदर शहर में अनेक गाव है उस गाव के अंदर आप बोअरींग खोदके उन लोगो को पानी दे सकते है। आज ३-३, ४-४ हजार से टँकर से पानी शहर को मिल रहा है। आप लोग और प्रशासन मिलके टँकर को सिस करके मिरा भाईदर के लोगो को आप लोगोने पानी देना चाहिए था। लेकिन आप लोग पानी नहीं दे सके। शेम ऑन यू मॅडम। शेम ऑन ऑल द पिपल्स हू आर रुलींग मिरा भाईदर म्युनिसिपल कार्पोरेशन अॅन्ड गर्वमेंट.

भगवती रावल :-

मॅडम ४० साल तक यह खुरची संभालता था तब किधर सो गया था। अभी पानी चाहिए तो किधर से पानी चाहिए।

ध्रुवकिशोर पाटील :-

भगवती बेन बराबर बोले की हमने ४० साल तक राज किया लेकिन हमने पानी दिया। आप जाके जनता को पुछो हमने पानी दिया आपके राज में ४-४, ५-५ दिन से पानी नहि। आज जाके देखो, एकझाम के टाईम पे वो बच्चे लोग बिना नहाए जाते है उसकी जबाबदारी किसकी है। वो जबाबदारी आपकी है।

मा. महापौर :-

ध्रुवकिशोरजी आपकी भावना पहुँच गई है, आप बैठ जाइए।

शरद पाटील :-

मा. महापौर मॅडम आम्ही विरोधी पक्षाचे खरेच धन्यवाद मानतो कारण चांगल भाषण करतात. आमच्या भगवती बेनला जितक समजत तितक त्यांना समजते की नाही माहित नाही त्यांनी आता अनेक शहराचे उदा.दिली. त्या अनेक शहरामध्ये काय आग लागली ती त्यांना माहित नाही. त्यांना हेच वाटते जरी इकडचे मिरा भाईदर चे नागरिक सांगतात की केबिन रोड पे मुन्ना भाई के वॉर्ड में रोज पाणी आता है। अशी बालिश भाषा आमचे मित्र ध्रुवकिशोर पाटील जी करत आहेत. आणि गोष्ट सांगायाची झाली. आसमानी संकट आहे या संकटाला सामोरे जायला पाहिजे प्रयत्न आमदारांनी सुध्दा केले आणि प्रशासनाने सुध्दा केले आहे. तुमच्या माहिती साठी सांगतो साहेब आपल्याला माहित नसेल या मिरा भाईदरची परिस्थिती आपण सांगता तशी राहिली नसती जर विक्रम कुमार साहेब नसते तर ही परिस्थिती राहिली नसती तुमच्यात ताकद नव्हती पाण्याचे कनेक्शन बंद करायची त्या विक्रम कुमार साहेबांनी पाण्याचे कनेक्शन बंद केली.

(सभागृहात गोधळ)

शरद पाटील :-

त्याच्यामुळे त्या राहिलेल्या जुन्या लोकांना जे या शहरात राहतात त्या लोकांना पाणी मिळायला लागल आता भगवती बेनने सांगितले की एवढी वर्ष राज्य करून फक्त बॅनर लावायची काम केली एवढी वर्ष सत्ता करून भारतीय जनता पार्टी युती शिवसेना सरकार असताना ५० एम.एल.डी. पाणी आले त्याच्या नंतर मध्ये किती पाणी आघाडी सरकारच्या माध्यमातून आले याचा सुध्दा विचार करायला पाहिजे फक्त कपात रद्द करून आम्ही केल आम्ही सुध्दा आता कपात रद्द झालेली आहे कपात रद्द झाली नाही अशातला विषय नाही. आणि त्यावेळेला तुम्ही ते पाणी आपू शकले नाही. आमचे सरकार आल्यानंतर आमदार आणि प्रशासनाच्या माध्यमातून ७५ एम.एल.डी.ची योजना चालु आहे. तुम्ही फक्त बॅनर लावले हो आम्ही ७५ एम.एल.डी. पाणी आता आणल्यानंतर ज्या लोकांना कनेक्शन नाही त्या नविन लोकांना सुध्दा कनेक्शन देण्याचे काम या भारतीय जनता पार्टी शिवसेना युती सरकार करणार आहे. आणि हा पाणी ७५ एम.एल.डी., १०० एम.एल.डी. पाणी दिड वर्षांमध्ये या शहरात येईल अस मी प्रशासनाला पण आठवण करून देतो. हीच काम जर तुम्ही पहिले केली असती तर आज ही मिरा भाईदरची परिस्थिती राहिली नसती फक्त भाषण करायच काम नाही. लोकांना



भडकवायची काम करु नका. लोकांना शांततेत ठेवायचे काम करा ही तुम्हाला विनंती आणि महापौर मॅडम आपली बजेटची मिटींग आहे आता दुसरीकडे जाऊ नये.

(सभागृहात गोंधळ)

ध्रुवकिशोर पाटील :-

बजेट के पहले पानी पे चर्चा होनी चाहिए। पानी पे खुलासा होना चाहिए। यह बजेट पास हो सकता है लेकिन पानी शहर को मिलना चाहिए।

मा. महापौर :-

आपको बोलने दिया है आपका जवाब मिल रहा है। आय नो इट इज इम्पोर्टन्ट. प्लीज सीट डाऊन.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

पहले पानी पे चर्चा होनी चाहिए। बादमें बजेट पे चर्चा होनी चाहिए।

सुरेश वाकोडे :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो २ मिनिट ऐकून घ्या तुम्ही. कारण काय परिस्थिती आहे काय झालय हे तर मला आपल्याला सांगण जरूरी आहे.

आसिफ शेख :-

लोकांची भावना आम्ही सांगतो तुम्हाला आमचं ऐकून घ्या नंतर बोला एकत्र.

सुरेश वाकोडे :-

आजची ही परिस्थिती फक्त मिरा भाईंदरची गंभीर आहे अस नाही पूर्ण ८ एम.एम.आर रिजनमध्ये कपात लागलेली आहे. आंध्रा डॅम आहे तो ५० टक्के भरलेला आहे. बारवी डॅम हा ६० टक्के भरलेला आहे. एवढी भिषण परिस्थिती ५० वर्षांमध्ये कधीच आली नव्हती. ५० वर्षांमध्ये जी कपात झाली आहे ती ८ टक्के, १० टक्के मॅक्झिमम १४ टक्के पर्यंत झाली आहे. आपण गांभीर्य काय ते समजून घ्या आपण मॅक्झिमम १४ टक्केपर्यंत कपात झालेली आहे. ५० वर्षांमध्ये झाली आहे. आताची कपात ४२ टक्के पर्यंत गेलेली आहे. या ४२ टक्के कपातीच्या वेळेला धरणात पाणी नसेल तर जूनपर्यंत पाणी कस पूरणार. ही कपात करणे शासनाला आणि आपल्या सगळ्यांच्या हितासाठी जरूरी आहे. आता प्रश्न असा आहे की आपल्या मिरा भाईंदरला ४८ तासाने पाणी देतो. पाणी कमी असल्यामुळे कपात झाल्यामुळे ११० ते ११५ तासाने जात होते त्यामुळे येथील परिस्थिती भयानक झाली होती. त्यानंतर मा. जलसंपदा मंत्री महोदय यांच्याकडे १० तारखेला मिटींग झाली त्या मिटींगमध्ये मिरा भाईंदरची समस्या लक्षात घेऊन ठाणे महानगरपालिकेचे ३० एम.एल.डी. पाणी कमी केले त्यातील १५ एम.एल.डी. पाणी मिरा भाईंदरला देण्याबाबत सुचना दिल्या त्याप्रमाणे स्टेम प्राधिकरणाला त्याची अंमलबजावणी तातडीने करण्यासाठी सांगण्यात आले. १४ तारखेला मा. जलसंपदा मंत्री यांच्याकडे मिटींगमध्ये एम.आय.डी.सी. चा कोटा ६७० चा कोटा इरिगेशनला कमी करुन ५८० केला आहे. ५८० केल्यानंतर मिरा भाईंदरचा जो ५० एम.एल.डी. चा कोटा होता तो ३५ एम.एल.डी. केला होता. पण १४ तारखेच्या मिटींगमध्ये हा कोटा परत १० एम.एल.डी. वाढवून दिला असला आपले काय की मिरा भाईंदरला होणारी पाणी कपात लक्षात घेता एका टोकावर असलेली परिस्थिती हे सगळे लक्षात घेता त्यांनी पाणी कपात कमी व्हावे या दृष्टीने हे उचलले शासनाचे पाऊल आहे. १६ तारखेला जी मिटींग झाली जनसंपदा आणि उद्योग मिनिस्टर यांच्यात झालेल्या मिटींगमध्ये जे १० एम.एल.डी. पाणी एम.आय.डी.सी. देणार होते ते स्टेमकडून घ्यायच्या सूचना दिल्या. आताची परिस्थिती अशी आहे मॅडम २ दिवस कपात सगळीकडेच लागू केलेली होती. आपल्याकडे गुरुवार आणि शुक्रवार या २ दिवस ४८ तास बंद आणि एम.आय.डी.सी. ६० तास बंद राहणार होते पण शुक्रवारी सकाळी ११ वाजता मिरा भाईंदरला पाणी चालु झाले आणि आताही पाणी चालु आहे. याचा अर्थ काय की ही कपात जी शासनाने त्यामध्ये मॉडिफाय केले आणि त्याची अंमलबजावणी झाली म्हणून आपल्याला शुक्रवारी पाणी आलेले आहे.

सुरेश खंडेलवाल :-

वाकोडे साहब बहुत अच्छी बात है। आपने जितनी भी बातें बोली १०० टक्का आप जो बोल रहे है उस बात को चलो मैं मानता हूँ व्यक्तिगत तौर पर लेकिन मेरा सिर्फ आपसे एकही सवाल है की लास्ट टाईम की महासभा मैं हम सब निचे बैठे थे, महापौर मॅडमने कहाँ था लास्ट टाईम और आपके सब डिपार्टमेंट के अधिकारी बैठे थे। आमदार साहब थे, आप थे सब अधिकारी थे। वहाँ पे भी यही बात हुई थी की मिरा भाईंदर की पानी की कटौती को हम कम कर रहे है और आपको पानी छोड रहे है। उसके बाद महासभा मैं आने के बाद वाकोडे साहब ने स्टेटमेंट दिया महापौर मॅडम आपकी परवानगी से की ४० से ५० घंटे में मिरा भाईंदर में पानी आएगा। ४० से ५० घंटे में बोलने के बाद में पानी १००-१०० १२० घंटे तक पहुँच गया। आज जैसे वाकोडे साहब बोल रहे है की पानी की कटौती कम हो गई है। कल शुक्रवार को ११ बजे पानी शुरू हो गया है। बहुत अच्छी बात है वाकोडे साहब शहर के लिए बहुत अच्छी बात है। मेरे सिर्फ दोही सवाल है की लास्ट टाईम मिटींग में एक महिने पहले १९ तारीख को बैठे थे निचे आमदार साहबने मिनिस्टर साहब को हम सब के सामने फोन लगाया था की मिनिस्टर साहब को अपॉइंटमेंट उनको मंगलवार या सोमवार को मिलने वाला था। मैं यह जानना चाहता हूँ की सोमवार, मंगलवार को मिलनेवाला अपॉइंटमेंट जब हमने १५ तारीख को हमारा आंदोलन का डिक्लेर किया था १४ तारीख को आपने मिटींग की और हमारे आंदोलन का उग्र रूप देखने के बाद में आपने १६ तारीख को तातडी से फिर मिटींग लगाई नो डाऊट। आपने प्रयास किया लेकिन मेरा एकही सवाल है की जो प्रयास एक महिने पहले हो सकता था वो प्रयास को होने में इतना विलंब क्यों



हो रहा है। उससे मिरा भाईदर की जो जनता है उसको सहन करना पड रहा है। आपको जो प्रयास करने है, जो आप अभी कर रहे है आंदोलन होने के बाद कर रहे है या एक दिन पहले कर रहे है, १-१ महिने बाद मिनिस्टर आपके सरकार आपकी पिछले १९ मार्च को जो अपॉईटमेंट लेने की बात थी वो अपॉईट अभी १४ मार्च को मिला है। तो मेरा आमदार साहब आपसे एकही निवेदन है महापौर मॅडम १०० टक्का आप प्रयास कर रहे है लेकिन प्रयास जिस तरह से होने चाहिए उसको थोडासा और आपको अॅक्टिवली करना पडेगा और यह जो आपने अभी कहाँ शुक्रवार को पानी ११ बजे शुरु हुआ है मैं यह चाहता हूँ की यह जो पानी आपने अभी कहाँ है यह कन्टीन्यू इसी तरह होना चाहिए। प्रॉब्लेम कटौती का नही है साहब प्रॉब्लेम यह है की पानी की कटौती पुरे महाराष्ट्र में है। पुरे बॉम्बे में है। मैंने स्टडी किया है बॉम्बे से लेके सब जगह पानी की कटौती है लेकिन मिरा भाईदर मैं पानी जितना कटौती होने के बाद में भी जितना पानी आना चाहिए १३५ एम.एल.डी. मैं से उतना पानी नही आता है। जितना पानी कटौती के बाद आना चाहिए वो भी पानी शहर को नही मिल रहा है। उसके लिए आप लोगो का प्रयास जो है ना वो नाकामी है इसके लिए आप वो प्रयास किजीए। और अभी जो पानी शुक्रवार को शुरु हुआ है वाकोडे साहब आपका स्टेटमेंट ऐसा चाहिए की यह पानी कन्टीन्यू इसी तरह रहेगा। ऐसा नही की आंदोलन हुआ मिनिस्टर साहबने बोला ८ दिन १० दिन आएगा फिर उसके बाद मालुम पडा की वापस वही धरने पे आ गए हम। वापस फिर आंदोलन होंगे। शहर के लिए बहुत जरुरी है पानी तो आप यह स्टेटमेंट दिजीए की यह जो पानी का आप अभी बोल रहे है वो कन्टीन्यू इसी तरह से पानी आएगा।

सुरेश वाकोडे :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो २४ तारखेला जी स्टेम प्राधिकरणची एम.डी. आले होते त्यांच्या सोबत चर्चा झाली होती पाणी चालू करा म्हणून सांगितल होतं पण त्यामध्ये त्यांच्याकडे इरिगेशनचा कोठा कमी असल्यामुळे पाण्याची लेवल नसल्यामुळे ते उचलू शकले नाही. प्रॉब्लेम काय होता की त्याचं म्हणणे होत की आम्ही कुठे उचलायचे हे माहित नाही पाणी उचलायला गेले तर इरिगेशनचे तिथे पाणी नाही. त्यासाठीच ही मिटींग लावली होती त्या मिटींगमध्ये हे त्यांना फायनल करून दिलेले आहे. टी.एम.सी. चे पाणी कमी करून यांना पाणी दिले आहे आता स्टेमला अडचण नाही. याच्यामध्ये या उचलण्यासाठी अडचण राहणार नाही. आता जस पाणी येते त्याप्रमाणे पाणी येणार.

भगवती शर्मा :-

आता किती तासामध्ये पाणी शहरामध्ये चालू आहे.

सुरेश वाकोडे :-

आता एक दिवसाच्या शट डाऊन नंतर पाणी चालू आहे. जो पहिला २ दिवसांचा शट डाऊन नंतर ११५ तासावर पाणी होते आता एक दिवसाच्या शट डाऊन नंतर पाणी हे ७० ते ७५ तासावर पाणी आहे.

सुरेश खंडेलवाल :-

७० ते ७५ तासावर राहणार आहे कन्टीन्यू.

सुरेश वाकोडे :-

हे शट डाऊन नंतरच्या पिरेडला २४ तास पाणी बंद असल्यानंतर कधी पाणी सुरु झाले ते ७० ते ७५ तासावर असते त्या नॉर्मल याच्यामध्ये आहे. परत उद्या हे पाणी कमी होऊन परवा ४८ वर येईल.

रोहिदास पाटील :-

महापौर मॅडम वाकोडे साहेब माहिती देतात. सभागृहाला देतात शहर संपूर्ण पाणी पाणी करत आहे. नगरसेवक पाणी मागतात ते काही चूक नाही. एकतर वाकोडे साहेब खरी माहिती घेत नाही आताही कापूरबावडी पाणी बंद आहे. एम.आय.डी.सी. ची एक लाईन चालू आहे. एक लाईन बंद आहे. आपण सभागृहाला माहिती देताना जबाबदारीने द्यायला पाहिजे. हे त्यांनी लक्षात ठेवायला पाहिजे. त्याच लक्ष पाण्याकडे घारीसारख असायला पाहिजे. १-१ तासाचं १५-१५ मिनिटांचे रिपोर्टिंग त्यांच्याकडे पाहिजे. मी खात्रीने सांगतो की दोन्ही लाईन चालू नाहीत. एक लाईन चालू आहे. पाणीच चालू आहे क्वॉन्टीटी आपल्याला मिळणार नाही तर लोकांना पाणी कुठे मिळणार. पाणी चालू आहे त्याला प्रेशर नसेल क्वॉन्टीटी येणार नसेल तर पाणी चालू राहून फायदा काय? त्यांनी सत्य माहिती द्यावी ही माझी विनंती.

सुरेश वाकोडे :-

महापौर मॅडम, काकांनी जो प्रश्न विचारला आहे. यामध्ये असं झालेले आहे एम.आय.डी.सी. चे आपण ५० एम.एल.डी. पाणी दोन्ही ठिकाणी चालू होते. आजच्या परिस्थितीला प्रेशर डाऊन झाले ते बी.एम.सी. पाईपलाईन म्हणून स्टेमकडून आपण १० एम.एल.डी. देणार आहे. फक्त इथून ३५ एम.एल.डी. पाणी देणार पण सगळ्यांना पाणी देतो.

रोहिदास पाटील :-

महापौर मॅडम, थोडासा खुलासा करतो सगळ्यांच्या माहितीसाठी. हा विषय देण्याघेण्याचा नाही. हा जो विषय आहे टेक्नीकल आहे. चर्चा करणे विषय वेगळा प्रॅक्टिकल कामकाज काय? कोणत्या लाईनमध्ये कोणत्या वेळेला पाणी सोडल्यानंतर कोणत्या लाईनवर पाणी वाढणार नाही. प्रेशर वाढणार नाही हे महत्वाचे आहे. मी आयुक्त साहेबांना त्या दिवशी ठोस सांगितले होते की याला कोणी ज्योतिषाची गरज नाही. एम.आय.डी.सी. ज्यावेळी पाणी बंद करते पाणी सोडते तर पाईप लाईन तुटणार या २४ तारखेपासून तर आजच्या दिवसापर्यंत ३ वेळा पाईपलाईन तुटली हे तुम्हालाही माहित आहे मलाही माहित आहे. महापौर मॅडम

तुम्हाला फोन येतो आम्हाला फक्त जुने संबंध म्हणून फोन येतात. आजच्या घटकेला त्यांनी तेथे बसायला पाहिजे. माझ तर या सभागृहात म्हणणं आहे की आम्हाला याच्यातल समजते तुम्ही सन्मानाने बोलावलं तर आम्ही येऊ अन्यथा यायचंही काही कारण नाही. पण जर टेक्नीकली तुम्हाला समजावता आलं नाही आम्हाला विचारा आम्ही सांगतो ना. कुठे अडचण येणार कुठे नाही येणार पण तसं होत नाही.

आसिफ शेख :-

सन्मा. महापौर मॅडम, या ठिकाणी सन्मा. सदस्य श्री. शरद पाटील साहेबांनी सांगितले तुम्ही ४० वर्षात काय केले. तुमची सरकार असताना काय केले. आम्ही तेच बोलतो या ठिकाणी नगरपरिषदेच्या स्थापनेपासून ते महानगरपालिकेच्या स्थापनेपर्यंत त्या ठिकाणी आमचे प्रथम नगराध्यक्ष प्रथम आमदार श्री. गिल्बर्ट मेन्डोन्सा यांचे राज्य होते. त्या राज्यामध्ये या ठिकाणची मिरा भाईंदरची जनता अत्यंत सुखी होती. पाण्यासाठी कधीही अशाप्रमाणे आज जी परिस्थिती भीषण टंचाई निर्माण झालेली आहे. ती भीषण टंचाई निर्माण झाली नाही. या ठिकाणी तत्कालीन आमचे पालकमंत्री श्री. गणेश नाईक साहेब त्याचप्रमाणे श्री. अजितदादा पवार साहेब, श्री. सुनिल तटकरे साहेब या मंत्र्यांनी जे सरकार राज्य चालवले त्याच्यामध्ये एक विशिष्ट प्रकारची धमक होती, फोनवर काम व्हायची.

मा. महापौर :-

आपण मुद्द्यावर बोलले तर बरे होणार.

आसिफ शेख :-

मुद्द्यावरच बोलतो. सरकार चालवण्यासाठी धमक लागते. ती धमक आजच्या राज्यसरकारमध्ये नाही. आमच्या राज्यामध्ये अगोदर १० एम.एल.डी. पाणी वाढल्यानंतर, २० एम.एल.डी. वाढवल्यानंतर, ५० एम.एल.डी. वाढवल्यानंतर, ३० एम.एल.डी. वाढवले त्यानंतर पुन्हा एम.आय.डी.सी. कडून २० एम.एल.डी. पाणी वाढवले आणि मिरारोडमध्ये ५ एम.एल.डी. असे पाणी आम्ही प्रत्येक वेळी वाढवलेले आहे. ज्यावेळी पाणी टंचाई निर्माण झाली त्यावेळी त्यावेळी तातडीने आमचे आमदार, पालकमंत्री सर्व जायचे मिटींग घ्यायचे. सर्व तातडीने निर्णय व्हायचे. मिटींग झाल्याबरोबर दुसऱ्या दिवशी अंमलबजावणी व्हायची. या ठिकाणी वेगळेच चित्र पहायला मिळते मिटींग झाली मंत्री आदेश देतात तरी खालचे अधिकारी ऐकत नाही. मागच्या महासभेमध्ये कर्नल साहेब आलेले एम.डी. त्यावेळी सन्मा. सदस्य सगळे होते. सर्वांनी सांगितले पण अंमलबजावणी झाली नाही. आजही मिरा भाईंदर परिसरामध्ये ३-३, ४-४ दिवसांनी पाणी येते. पाण्याची अत्यंत भीषण टंचाई आहे आणि ही भीषण टंचाई असताना लोकांना पाणी प्यायला मिळत नाही. टँकरचा या ठिकाणी मी सांगतो माफीयाराज सुरु आहे. अस कधीकधी वाटते की कुठेतरी साठगाठ आहे का काही कळतच नाही. टँकर जो ५०० रुपयांना मिळतो तो २-२, ३-३ हजार रुपयाला लोकांना मजबुरीने विकत घ्यावे लागते यावर उपाययोजना काही होतच नाही. मागच्या मिटींगमध्ये आम्ही सांगितले टँकर जे आहे ते कलेक्टर, एस.पी. च्या मार्फत ताब्यात घ्यायला पाहिजे आणि या टँकर लॉबीवर वर्चाव आणला पाहिजे. ते टँकर आपण ताब्यात घेऊन नागरिकांना पाणी पुरवठा केला पाहिजे. पण तशीही अजून काही अंमलबजावणी झाली नाही. पोलिसांचा रिपोर्ट आहे. गृहखात्याचा रिपोर्ट आहे की मिरा भाईंदरची परिस्थिती अत्यंत भीषण आहे. कोणत्याही क्षणी इथे उद्रेक होऊ शकतो. २० वर्षापूर्वीची परिस्थिती निर्माण झाली. लोकांनी ट्रेन जाळलेल्या आहेत. मुख्याधिकारी असताना त्यांना गाडीतून बाहेर काढलेले आहे अशी भीषण परिस्थिती पैदा झाली होती. त्याप्रमाणे परिस्थिती निर्माण होऊ शकते असा आमचा रिपोर्ट नाही. पोलिसांचाच रिपोर्ट आहे. तरी आपल्याला त्याची काळजी नाही. आपण प्रयत्न करतात आपल्या पध्दतीने मिटींग घेतात. मंत्र्यांकडे जातात परंतु अधिकारी ऐकत नाही अस खुद्द मुख्यमंत्री म्हणतात की अधिकारी ऐकत नाही मग करायच काय. त्याला एक विशिष्ट धमक लागते जिथे आपण कमी पडता. सत्ता येते जाते आज आम्ही इकडे आहोत उद्या पुन्हा तिथे येऊ, तुम्ही इथे होते आता तुम्ही तिथे आले हे तर होतच राहणार. पण पाणी प्रश्नासाठी कोणतेही राजकारण होता कामा नये. प्रामाणिकपणे आपण सगळ्यांनी मिळून एकत्रितपणे काम केले पाहिजे. या शहराची ही गरज आहे. आज शहरात १२ लाख लोकांची लोकसंख्या वाढलेली आहे. आणि आपल्याला पाणी किती फक्त १३६ एम.एल.डी. पाणी मिळते आणि ते पण आता वाकोडे साहेबांनी जो खुलासा केला आहे की पाणी जे आहे ते ताबडतोब अंमलबजावणी ते योग्य नाही ना प्रत्यक्षात तर झालीच नाही ना तुम्हाला आता तर आमच्या काकांनीच दिले आहे की नाही आजही परिस्थिती तशीच आहे आणि ती वस्तुस्थिती आहे. आपण या ठिकाणी बोलता पोटतिडकीने कामे पण करतात परंतु प्रत्यक्षात अंमलबजावणी होत नाही. आपण अधिकारी, संबंधित इंजिनियर त्या ठिकाणी बसला पाहिजे. ठाण्याची लोक जा तिथे बघा काय करतात. सगळे बसून राहतात, कोणाची हिंमत होत नाही. कि त्यांचे पाणी दुसरे कोणी वळवून घेईल. परंतु आपल्याकडचा माणूस तिकडे जातच नाही. या सभागृहात आम्ही सांगतो की, आपली ४-५ लोकांची सर्व पक्षीय एक कमिटी बनवा आणि तिकडे आपण जाऊ बसूया कस पाण्याचा गोंधळ होतो. तिकडे समान वाटपाचा आपण निर्णय घेतलेला आहे. पाणी संपूर्ण शहरात समान वाटप केले पाहिजे तरी अजून समान वाटप पाणी होतच नाही. कुठे ना कुठे ते पुन्हा चाललयं आपल्या हक्काच पाणी दुसरच कोणी तरी पळवून नेत आहे. हे जे प्रकार आहे ते बंद झाले पाहिजे. यासाठी सर्वांनी एकत्रितपणे प्रयत्न केले पाहिजे. आणि या ठिकाणी आम्हाला एवढच आपल्याला म्हणायचं आहे की हा पाण्याचा अत्यंत ज्वलंत प्रश्न आहे. कधीही कोणती परिस्थिती निर्माण होऊ शकते. उद्रेक होऊ शकतो. नागरिकांचा त्यामुळे आपल्याला नको त्या गोष्टीला सामोरे जाण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. म्हणून आमचं इतकच म्हणणे आहे की सर्वांनी या ठिकाणी आपले राजकीय मतभेद होऊ द्या जिथे जिथे आमची



आवश्यकता लागेल काकांनी सांगितले जे तज्ञ लोक आहेत त्यांची गरज लागली तर आम्हाला बोलवा पण हे शहराचे दुर्दैव आहे दुर्भाग्य आहे जे तज्ञ लोक आहेत त्यांना बोलवतच नाही. त्यांना मागे बसवतात ना. योग्य वेळी योग्य निर्णय व्हायला पाहिजे. योग्य व्यक्ती योग्य चेअरवर पाहिजे. ते या शहरात होतच नाही. त्यामुळे आपल्याला जेवढे योग्य वाटते लोकांच्या नागरिकांच्या हितासाठी काम करायला पाहिजे आपण आपल्या लेवलला करू शकतो. आपल्यामध्ये क्षमता आहे कोण बरोबर असो की नसो आपण आपले वैयक्तिक जाऊन काम व्यवस्थित पध्दतीने नागरिकांचे करू शकतो. या ठिकाणी मॅडम आम्हाला एवढेच सांगायचे आहे की सर्वपक्षीय एक चांगली समिती बनवा. जेणेकरून या शहराच्या माध्यमातून एक चांगला मॅसेज राज्यशासनाला, केंद्र शासनाला जाईल. आणि पाण्यासाठी सर्वांनी एकत्र येऊन चांगल्या पध्दतीने काम केले पाहिजे अशी आमची सूचना आहे.

अनिल भोसले :-

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलतो पाण्यासंदर्भात सकाळपासून बराच इश्यू झाला, आंदोलन झाले. आंदोलन कर्त्यांना मी धन्यवाद देतो. आपण असच जागृत ४० वर्षात राहिले असता तर या शहराची परिस्थिती अशी नसती. पण देर आए दुरुस्त आए सगळ्यांनी मिळून प्रयत्न करा आसिफभाई चांगल बोलले त्या बदल त्यांना धन्यवाद देतो. पाण्याचा विषय आता संपला असे मी समजतो. महापौर मॅडम आमदार साहेब सगळ्यांनी मिळून प्रयत्न केले. प्रयत्न चालले आणि लवकरच या शहराला पाणी मिळेल अशी मी खात्री बाळगतो. वाकोडे साहेब गेल्या मिटींगला एक विषय झाला होता. या शहरामध्ये ज्या विहिरी आहेत जे तलाव आहेत यासाठी आपण काम चालू केले असं सभागृहाला ग्राह्य धरून मी समजतो. त्याचबरोबर मॅडम गेल्या महासभेला कार्यकारी अभियंता यांनी मला आश्वासन दिले होते की बी.एस.यू.पी. याचबरोबर पाण्याचा जसा गंभीर प्रश्न आहे तसाच या शहरामध्ये ४ ते साडेचार हजार लोक आज घरापासून वंचित आहेत त्यांचे भाडे संपलेले आहे.

प्रशांत दळवी :-

मॅडम त्यांना विषयाला धरून बोलायला सांगा.

मा. महापौर :-

प्रशांतजी आप बॅठीए। अनिलजी आप विषय को लेकर नहीं बोलेंगे तो मुझे आपको बिठाना पड़ेगा।

अनिल भोसले :-

गेल्या महासभेमध्ये मला लेखी दिले होते. हा एक गंभीर प्रश्न आहे. ४ हजार लोक बेघर आहेत.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

आज बजेट मिटींग है आप आऊट ऑफ टॉपीक कुछ नहीं बोलेंगे।

अनिल भोसले :-

मॅडम माझी आपल्याला विनंती आहे जे प्रोजेक्ट चालू होत त्यांनी लेखी उत्तर दिले होते. कामाचे काय झाले.

(सभागृहात गोंधळ)

अनिल भोसले :-

महापौर मॅडम माझ्यावर कारवाई केली तरी चालेल मी बाहेर जायला तयार आहे. याच मला उत्तर हव आहे. गेल्या महासभेमध्ये लेखी कार्यकारी अभियंत्यांनी दिले होते आणि अद्याप कुठलेही काम चालू झाले नाही याच मला उत्तर हव आहे.

मा. महापौर :-

तुम्ही बसा उत्तर देत आहेत आयुक्त.

नरेंद्र मेहता :-

महापौर मॅडम, खरतर आज मला काही बोलायची आवश्यकता नव्हती. बजेटची विशेष सभा लागलेली आहे यामध्ये दुसरे कुठले होऊ नये परंतु अनेकदा माझ्या नावाचा उल्लेख केला जातो आणि पाण्याची ज्वलंत समस्या आहे यासाठी आपण मला बोलायची संधी दिली त्याबद्दल धन्यवाद. महापौर मॅडम आणि सभागृहाला हे मान्य करायला लागेल खर म्हणजे मी आसिफ शेख साहेबांच मनापासून आज खरखर म्हणजे भाषण करायच आहे किंवा राजकीय दृष्टीने सकाळी मी त्यांच फेसबुकवर टॅग पाहिले की पाणी वाचवा. आय अॅम रॅडली अप्रेसिएट खरखर ही भुमिका घ्यायची आज वेळ आली आहे. की पाणी वाचवा, सांभाळून वापरा चांगल टॅग केलं आहे कुठलेही त्यामध्ये राजकीय हे नाही आमच्यावर टिका टिप्पणी नाही काही नाही म्हणजे जनतेला आवाहन करण्याचे प्रयत्न केले आहे की यावेळी खरोखर पाण्याची कमतरता आहे. टिकाटिप्पणी करायला तुम्ही किती ही बोला आम्ही कितीही बोला १२ वर्षात तुम्ही काय केले. आम्ही काय केले अनेक आहे बोलायला. त्यांनी मगाशी ते भाग नेता हे ते त्यांनाही माहित आहे. अजित पवार साहेबांना तर एखादवेळी मंचावर विचारले होते पाण्याचे काय झाले आणि त्यांनी काय उत्तर दिले होते हे जगजाहिर आहे.

आसिफ शेख :-

तस तुम्ही बोलु नका.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

आसिफभाई आप सुनने की मनस्थिती रखिए। आप बैठ जाइए। आपका सुना था आप अभी बैठ जाइए। आसिफजी आप बोलेंगे नहीं, आपको अनुमती नहीं है। आप जब बोल रहे थे वो सुन रहे थे।

आसिफ शेख :-

शब्द मागे घ्यायला लावा त्यांना.

मा. महापौर :-

नहीं बोलुंगी।

आसिफ शेख :-

तुम्ही तिकडे बोला. तिकडे असता ना सभागृहात विधानसभेत बोला हिम्मत असेल तर धमक नाही तुम्हाला बोलायची. तिथे बोलत नाही विधानसभेमध्ये आणि इथे येऊन बोलतात.

मा. महापौर :-

आसिफभाई आप बैठ जाइए, आसिफ भाई आप सुनने की मानसिकता क्यों नहीं रखते।

आसिफ शेख :-

चुकीचे वक्तव्य करत आहेत. वक्तव्य मागे घ्या. विधीमंडळाचे नेते आहेत ते माजी उपमुख्यमंत्री आहेत.

मा. महापौर :-

एकायची मानसिकता ठेवा. तुम्ही बोलतात तेव्हा ते ऐकतात.

(सभागृहात गोंधळ)

आसिफ शेख :-

त्यांच वक्तव्य मागे घ्या.

मा. महापौर :-

नाही घेणार.

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम इन्होंने गलती की है।

आसिफ शेख :-

आमच्या नेत्याचा अपमान आम्हाला चालणार नाही. वक्तव्य मागे घ्या अगोदर.

नरेंद्र मेहता :-

महापौर मॅडम, या भाषणामध्ये माफी तर लांबची मला तुम्ही डिसक्वालीफाईड करा अशी माझी विनंती राहिल आम्ही परत शब्द, वाक्य रिपिट करतो. आम्ही अस सांगितल पाणी विषयावर एका मंचावर अजित पवारदादांना एखादा प्रश्न विचारला तर त्यांनी काय उत्तर दिले. मी टिकाटिप्पणी, अशोभनीय शब्द कुठले वापरले नाही.

भगवती शर्मा :-

असं बोला ना त्यांना २० एम.एल.डी. पाणी दिले. ५० एम.एल.डी. पाणी दिले ते बोला ना तुम्ही अजितदादांना. अजितदादांनी तुम्हाला शहरासाठी काय-काय दिले ते सांगा ना.

मा. महापौर :-

भगवतीजी आप बैठ जाइए। उनको उनका संभाषण करने दिजीए।

भगवती शर्मा :-

पिछली सभागृह के अंदर में अभिनंदन ठराव हुआ था इन नेताओ का। सर्व संमतीसे अभिनंदन ठराव हुआ था की उन्होने इस शहर को पानी दिया था।

आसिफ शेख :-

तुम्ही आज आमदार झाले त्या विधानसभेत तुम्ही जात नाही. बोलत नाही काही करत नाही. इथेच सगळे बोलता अजित दादा बदल बोला ना त्या सभागृहात कोणाबद्दल काय किती बोलावे याचे भान ठेवा. शब्द मागे घ्या.

नरेंद्र मेहता :-

गेल्या १४ वर्षांत ५० एम.एल.डी. पाणी आले लोकसंख्या झपाटयाने वाढत गेली कोणी दोषी आहे हे ठरवण्याची ही वेळ नाही सभागृहाला फक्त माहितीसाठी मगाशी काकांनी उल्लेख केल खर म्हणजे आपण एम.आय.डी.सी. चे पाणी मोजले तर नक्कीच हा कमी येणार. आपण सरकारकडून एम.आय.डी.सी. चा कोटा हा तुम्ही स्टेमला वर्ग करा आणि आम्ही आता ते एम.आय.डी.सी. चे ठराविक पाणी स्टेमच्या माध्यमातून उचलतो आपण ज्यावेळी एम.आय.डी.सी. चे रिडींग घेणार त्यावेळी ते कमीच पडणार आहे. आता बदल काय केले सरकारने की पूर्ण महाराष्ट्राची ही परिस्थिती आहे. राष्ट्रवादी आणि काँग्रेसची महानगरपालिका पण एक आहे तिकडेही पाण्याची कमतरता आहे. आता मराठवाडा भागात तर महिना महिना पाणी नाही. लोक गाव सोडायला लागली. आपल्याला ज्या धरणातून पाणी मिळते त्या ठिकाणी भिवंडी उल्हासनगर, कल्याण, ठाणा जे इफेक्टिव्ह एरिया आहे आपल दुर्भाग्य असकी आपण ऑलरेडी इफेक्टिव्ह होतो अजून आपण इफेक्टिव्ह तरी राज्य सरकारने दखल घेऊन १० एम.एल.डी. पाणी नवी मुंबईच्या एम.आय.डी.सी.चे कमी केले आणि स्टेमला सांगितले की तुम्ही पाणी उचला नवि मुंबईचे पाणी लेखी आदेश काढला की नवि मुंबईचे पाणी जास्त आहे तिकडे कमी करा. ठाण्यातून १५ एम.एल.डी. त्यांना वेगळीकडून दिले. आणि ठाण्यातून १५ एम.एल.डी त्यांच्या



कोट्यातले स्टेमचे आपल्याला उचलायला सांगितले म्हणजे एकून २५ एम.एल.डी. या कपातमध्ये आपल्याला अॅडिशनल वाढ केली. ही वाढ केली तरी आमची परिस्थिती गंभीर आहे. कारण आपली परिस्थिती अशी नाही की आपण १० एम.एल.डी. पाणी कमी उचलू शकतो यासाठी कालही परत आपण गेल्यानंतर हे तर २५ तरी एक नाही दोन बैठक झाल्या. देसाईसाहेबांबरोबर बैठक झाल्या, एम.आय.डी.सी बरोबर झाली, सरनाईक साहेब होते आपण होते, मी होतो सर्व होतो आणि ह्यांची पण बैठक झाली. स्टेमची तो प्रश्न आता सुटला म्हणून आज थोडफार पाणी बरोबर आहे. तरी आम्ही थांबलेलो नाही काल महाजन साहेबांबरोबर बैठक झाली त्यांनी सांगितले मी तुम्हाला १० एम.एल.डी अजून वाढवून घ्यायचा प्रयत्न करतो आहे. आणि मी एक दोन दिवसात त्याचा मार्ग काढतो. आम्ही सरकारच्या मागे लागलेलो की, आम्हाला शहरात कमीत कमी १० एम.एल.डी पाणी जर वाढल तर हे तीन महिने आम्ही शांततेने काढू शकतो. आणि आपल्याला सर्वांना सभागृहाच्या माध्यमातून हीच विनंती आहे की राजकारण आपल्या जागेवर आहे की, तुम्ही टिका टिप्पणी करा तुमचा अधिकार आहे. परंतु ही गंभीर परिस्थिती आहे की लोकांना आपण समज घातली पाहिजे. एखाद्या शहरामध्ये नुकसान झाले काही झाले तरी तो शहराचा नागरिक आपला आहे. मग तुमच काय आणि आमच काय एकमेकांवर खापर फोडायला आपण तयार आहोत. पण सध्या मी खरोखर आसिफ शेख साहेबांचे अभिनंदन केल की ह्या प्रकारची भुमिका आपण घेतलीच पाहिजे. लोकांना आव्हान केलच पाहिजे की पाणी वाचवा ५० वर्षात जी परिस्थिती झाली नाही ती ह्यावेळी झालेली आहे. आणि या सगळ्याला आपल्याला सामोरे जावे लागेल. आज मी बोलतो महाराष्ट्रामध्ये दुष्काळ पडला आहे. तर काय विरोधी पक्ष नेता सहकार्य करत नाही का? करतातच ते थोडी सरकारवर खापर फोडतात सहकाऱ्याच्या भुमिकेने हा प्रश्न सोडवावा लागेल. ३ महिने आपल्याला अजून काढायचे आहे. तर सभागृहाला हिच विनंती राहिल की लोकांमध्ये गैरसमज जाऊ नये की पाणी पुरले नाही दुष्काळ आहे यासाठी आपल्याला पाणी सांभाळून वापरावे लागेल. आयुक्त महोदय आपल्याला विनंती आहे मगाशी आसिफ शेख साहेबांनी सांगितले की टॅकरचे भाव वाढलेले आहेत. आम्ही मागच्या वेळी ठराव केला या शहरातले टॅकर कमीत कमी मुंबईमध्ये जाऊ नये यासाठी आपण पोलिसांना पत्र द्या. या शहरातल पाणी त्यांनी बाहेर विकल तर ही किंमत वाढत चालली आहे. शहरातच वापरलं तर कमीत कमी नागरिकांना ती सोयसुविधा होईल. टॅकरचे भाव कमी होतील याचे आदेश आपण सगळ्या पोलिस स्टेशनला द्यावे. ज्या ठिकाणी अशाप्रकारचे टॅकर जात असेल आम्ही तो निर्णय केलेला आहे. महापौर मॅडम परत मी आपल्याला विनंती करतो की आजची विशेष सभा आहे आपण बजेटला सुरुवात करावी. महत्वाचे विषय आहेत. धन्यवाद.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

सचिव साहेब विषय घ्या.

नगरसचिव :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. विशेष महासभा शनिवार दि. १९/०३/२०१६ रोजी सकाळी ११.३० वाजता मिरा भाईंदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृहात महासभा सुचना क्र. ११, दि. ०९/०३/२०१६ रोजी सोबतच्या विषयपत्रिकेवरील प्रकरणांवर विचार विनिमय करण्यासाठी आयोजित करण्यांत येत आहे. प्रकरण क्र. १७८, वृक्षप्राधिकरण समितीने मंजूर केलेले सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास मान्यता मिळणेबाबत. (मा. स्थायी समिती सभा दि. ०४/०३/२०१६ नुसार शिफारस केलेले प्रकरण क्र. १६२, ठराव क्र. १५७)

(सभागृहात गोंधळ)

जुबेर इनामदार :-

खर तर अस आहे सत्ताधान्यांची इच्छाच नाही यावर चर्चा झाली पाहिजे. असक्षम असल्यामुळे जे चाललय तस चालू द्या.

अशरफ शेख :-

महापौर मॅडम, फक्त २० सेकंद द्या मला. मॅडम अभी यहाँ पे सबने पानी के बारे में बात किया। मॅडम मैं सिर्फ मेरी बात जो है मैं भाषण नहीं देना चाहता। मेरी बात मैं शेर मे बयान करना चाहता हूँ। कछ फितरती का कोई मदावा ना कर सका अरे मैं तो क्या मुखवान भी ना कर सका।। कुत्ते की दुम, मेरा नसीब और यार का मिजास, पुरे जहाँ में कोई भी सीधा ना कर सका।।

नगरसचिव :-

मा. सभापती श्री. हरीशचंद्र आमगावकर बजेटवर आपले मनोगत सादर करत आहेत.

मा. सभापती :-

महापौर मॅडम, मिरा भाईंदर महानगरपालिका सन २०१५-१६ सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रक सन्ना. महापौर, सन्ना. उपमहापौर, सन्ना. सभागृह नेते, सभागृहातील उपस्थित नगरसेवक, नगरसेविका, तसेच महानगरपालिका आयुक्त, उपायुक्त, अधिकारी/कर्मचारी वर्ग, गॅलरीतील उपस्थित पत्रकार बंधू व नागरीकबंधू आणि भगिनीनो. महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे कलम ९६ अन्वये मिरा-भाईंदर महानगरपालिकेचे सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रक आपणासमोर सादर करताना मला अतिशय आनंद होत आहे. मा. आयुक्तांनी सादर केलेल्या अंदाजपत्रकातील त्रुटीचा अहवाल



पाहाता कर व दरांमध्ये वाढ करणे आवश्यक असून देखील या अंदाजपत्रकात शहरवासियांवर कुठल्याही प्रकारचा कर/दर वाढ करण्यांत आलेली नाही. या अंदाजपत्रकात मिरा-भाईंदर शहरास जोडणारा श्री. छत्रपती शिवाजी महाराज या मुख्य मार्गाच्या प्रवेद्वारावरील श्री. छत्रपती शिवाजी महाराजांचा अश्वारूढ पुतळा उंच करून दोन्ही बाजू लगतचा रस्ता रुंदीकरण व सुशोभिकरण यासह सुशोभित कमान तयार करण्याचे काम पूर्ण करावयाचे आहे. त्याच बरोबर घोडबंदर किल्ला विकास, नाटयगृह बांधकाम, तसेच बी.ओ.टी. तत्वावरील नाटयगृहाचे अंतर्गत सजावटीचे काम, आगरी/कोळी/आदिवासी सांस्कृतिक भवन, तसेच महानगरपालिकेच्या ताब्यात आलेले आरक्षणातील भूखंड विकसित करणे, नवघर, घोडबंदर/कनाकिया चौपाटीचा विकास करणे, महिला सक्षमिकरण करणे, सामाजिक वनीकरण/ निसर्ग उद्यान तयार करणे, ज्येष्ठ नागरीकांसाठी परिवहन सेवेच्या बस तिकिटांमध्ये ५०% सवलत देणे, त्यांच्यासाठी मोफत वैद्यकिय शिबिरांचे आयोजन करणे, शहरातील होतकरू विद्यार्थ्यांना शिवप्रबोधन २४ तास अभ्यासिका सुरु करणे, चेणे-वसोवा हद्दीत आदिवासी वस्त्यांवर रस्ते/पायवाटा तयार करणे, स्व.मा. बाळासाहेब ठाकरे स्मारक उभारणे इत्यादी कामे या अंदाजपत्रकात प्रस्तावित करण्यांत आलेली आहेत. मिरा-भाईंदर शहराचा पाणी हा ज्वलंत प्रश्न विचारात घेता शहरवासियांसाठी नविन ७५ एमएलडी पाणी योजनेची कामे सुरु करण्यांत आलेली आहेत. योजना विहित मुदतीत पूर्ण व्हावी यासाठी अंदाजपत्रकात पुरेशी तरतूद करण्यांत आलेली आहे. मा.स्थायी समितीचे सर्व सदस्यांनी अंदाजपत्रकिय चर्चेत सहभाग घेवून अपेक्षित उत्पन्नात व त्यानुसार अपेक्षित खर्चात आवश्यक त्याठिकाणी मा.आयुक्तांच्या अंदाजपत्रकात काही दुरुस्त्या व सुधारणा करून अंदाजपत्रक स्विकारले आहे. यामध्ये सुरु असलेल्या महत्वाकांक्षी योजना तसेच यावर्षी हाती घेण्यात येणाऱ्या योजना यासाठी अंदाजपत्रकात आवश्यक तेवढी तरतूद करण्यांत आलेली आहे. मा.स्थायी समितीने मंजूर केलेल्या सन २०१५-१६ च्या सुधारित व सन २०१६-१७ च्या मुळ अंदाजपत्रकास मा.महासभेची सर्वानुमते मंजूरी मिळावी हि विनंती. हे अंदाजपत्रक तयार करताना मा. आयुक्त, मा.स्थायी समिती सदस्य, नगरसचिव, सर्व विभाग प्रमुख, अधिकारी/कर्मचारी, तसेच लेखाशाखेचे जे मोलाचे सहकार्य लाभले त्याबद्दल मी सर्वांचे मनःपूर्वक आभार मानतो. जय हिंद, जय महाराष्ट्र!

बर्नड डिमेलो :-

महापौर मॅडम आपले जे तात्काल पत्र आलेले आहे. संदर्भ मा. विभागीय कोकण विभाग, नवी मुंबई यांचे पत्र क्र.साशा/कार्या-३/पक्षनोंद मि.भा.मनपा गट नोंदणी २०१२ दि. २४/९/२०१२ व २९/११/२०१२.

मा. महापौर :-

बर्नडजी आपको डिस्टर्ब करू एक मिनिट आपका पत्र मुझे मिला है। और यह सभा में ये नाम घोषित जरूर होगा।

बर्नड डिमेलो :-

विषय श्री. लियाकत ग. शेख यांना विरोधी पक्षनेता म्हणून नेमणूक जाहिर करण्याबाबत विनंती. महोदया, आम्ही आपल्या निदर्शनास आणू इच्छितो की, महाराष्ट्र शासनाचा २००७ रोजीच्या राजपत्रातील अध्यादेश क्र. २ मधील प्रकरण ३ महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम मध्ये केलेल्या सुधारणेतील नियम ६(१),६(२) अन्वये मिरा भाईंदर महानगरपालिका दि. १२/८/२०१२ रोजी झालेल्या सार्वत्रिक निवडणुकीमध्ये निवडून आलेल्या पालिका सदस्य आणि एकूण २६ सदस्य दि. २३/०८/२०१२ रोजी नॅशनलाईज्ड काँग्रेस पार्टीचे सदस्य म्हणून गट तयार केला आहे. त्या गटाचे गटनेते म्हणून माझी निवडणूक केलेली आहे व नॅशनलाईज्ड काँग्रेस पार्टी पाठिंबा देत असल्याबाबत संमतीपत्र कन्सेन्ट लेटर स्वाक्षरी करून प्रत्यक्ष उपस्थित राहून मा. विभागीय आयुक्त यांचे कार्यालय कोकण विभाग नगरपालिका प्रशासन विभाग नवनिर्वाचित पालिका सदस्यांची गट नोंद केली आहे. त्यास मा. विभागीय आयुक्त कोकण विभाग यांनी दि. २४/९/२०१२ रोजी मान्यता दिली आहे. आम्ही आपणांस कळवू इच्छितो की, आम्ही दाखल केलेल्या उपरोक्त दोन्ही याचिकांमध्ये मा. उच्च न्यायालय मुंबई खंडपिठाने दिलेल्या आदेशाबाबत आपणास लेखी स्वरूपात कागदपत्रे, आदेशाची सत्यप्रत दिलेली आहे. तरी आज शनिवार दि. १९/३/२०१६ या विशेष महासभेमध्ये विरोधी पक्षनेता लीडर ऑफ अपोजिशन पार्टी नॅशनलाईज्ड काँग्रेस पार्टीच्या वतीने पालिका सदस्य श्री. लियाकत गप्फार शेख यांचे नाव निश्चित करण्यात आले आहे. महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम १९-१-अ तील तरतूदीप्रमाणे तसेच मा. उच्च न्यायालय दिलेल्या आदेशाप्रमाणे त्यांचे नाव विरोधी पक्षनेता म्हणून मान्यता व जाहिर करावे ही विनंती.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १७८, वृक्षप्राधिकरण समितीने मंजूर केलेले सन २०१५-१६ चे सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास मान्यता मिळणेबाबत. (मा. स्थायी समिती सभा दि. ०४/०३/२०१६ नुसार शिफारस केलेले प्रकरण क्र. १६२, ठराव क्र. १५७), “ज” प्रस्ताव - मिरा भाईंदर महानगरपालिका वृक्ष प्राधिकरण समितीने मंजूर केलेले सन २०१५-१६ चे सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकाच्या लेखाशिर्षकातील जमा व खर्च बाजू चर्चा करून निधीत बदल करणेबाबत.

जुबेर इनामदार :-

कुठल्याही अर्थसंकल्पामध्ये स्थायी समितीने सुचविलेल्या रक्कमेत निधीत कुठलीही वाढ किंवा घट करायची असेल तर त्याला आय अन्वये किंवा ज अन्वये सुधारणे लागते. आम्ही ज च्या माध्यमातून तुम्हाला



दिलेले आहे. महापौर मॅडम मला फक्त खात्री पाहिजे या विषयाची चर्चा झाली तर, आम्ही तो “ज” चा प्रस्ताव याच्यामध्ये घेऊ. चर्चा झाली तर चर्चा करायला संधी दिली तर.

नरेंद्र मेहता :-

पत्र दिले आहे हे सत्य आहे. आता याच्यामध्ये कुठेही उल्लेख केले नाही की नक्की कुठल्या बजेटसाठी पी बजेटसाठी, क बजेटसाठी परिवहनसाठी मुळ बजेटसाठी.

जुबेर इनामदार :-

दिलेले आहे चारही. सचिव महोदयांनी सांगावे.

नरेंद्र मेहता :-

आता जे-जे यांचे आले असतील सुधारणा नियमांच्या अनुषंगाने आता पहिला आहे वृक्ष प्राधिकरणचा आहे का तसं.

नगरसचिव :-

दिलेले आहे पत्र आलेले आहे.

नरेंद्र मेहता :-

मला तेच सांगायचे होते हा विषय आणि प्रत्येक पर्टिक्युलर पत्राचा दोन्ही एकत्र आपण वाचा.

जुबेर इनामदार :-

म्हणजे तुमच्या विषयपत्रिकेचा आय चा आणि “ज” चा एकत्र करत असाल प्रत्येक बजेटसाठी तर आमची तयारी.

नरेंद्र मेहता :-

तेच मी बोलतो ४ पत्र असतील किंवा ३ असतील ज्यावेळी आपण विषय पुकारणार त्यावेळी याच जे आहे तो पर्टिक्युलर वृक्ष प्राधिकरणचा विषय तेही सोबत काढा.

जुबेर इनामदार :-

प्रत्येक विषय करताना किंवा तुम्ही पुकारताना “ज” चा एकत्रित घ्या. नाहीतर शेवटी कसं होईल मी तुम्हाला तेही सांगतो विषय पत्रिकेचे वाचन आम्ही मान्यता दिली हे जन गण मन म्हणतील आणि संपून जाईल अस होता कामा नये.

नगरसचिव :-

आता मी आय चा विषय वाचलेला आहे.

जुबेर इनामदार :-

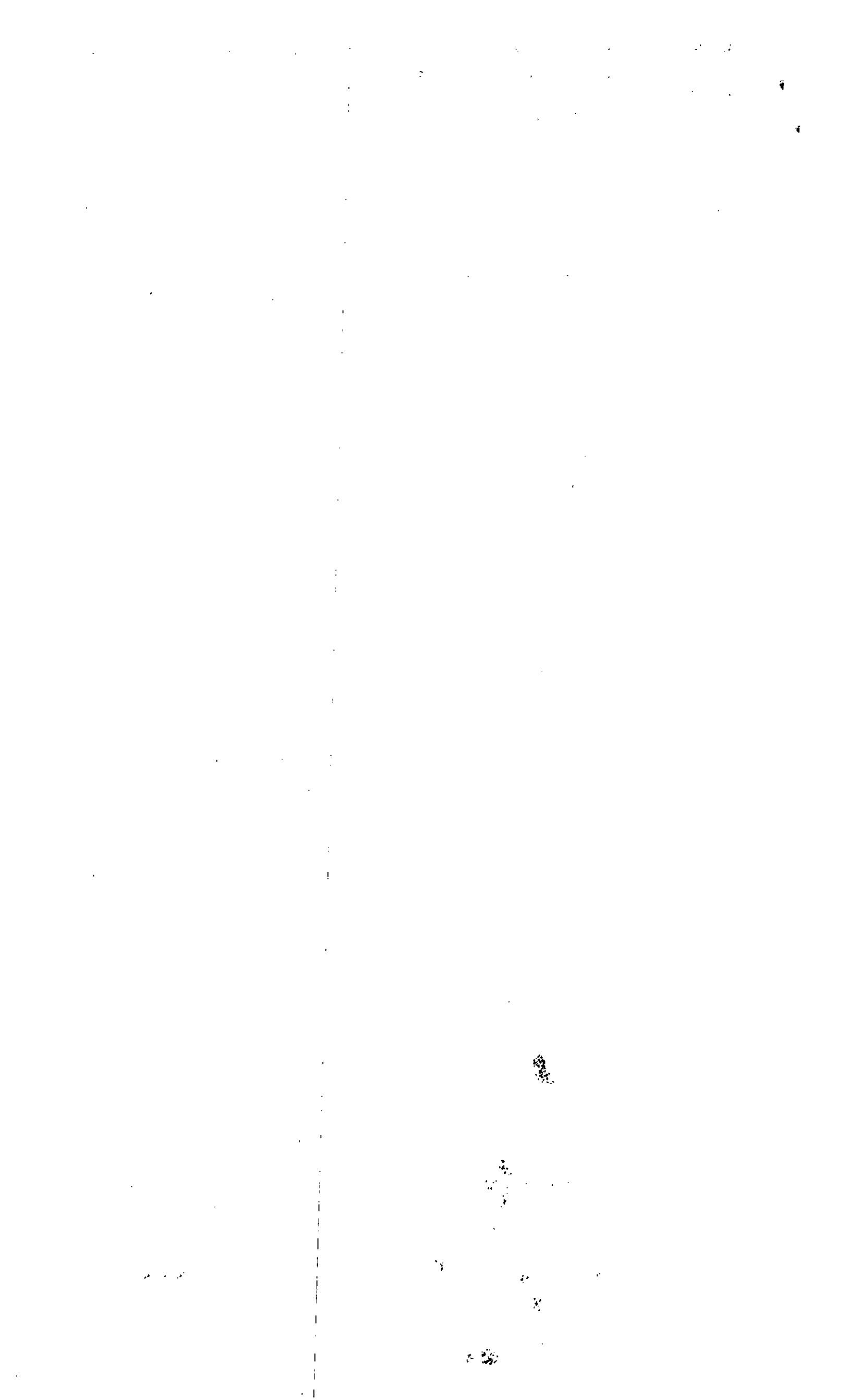
आय चा वाचा नंतर “ज” चा आणि त्यावर चर्चा होईल.

नगरसचिव :-

आता “ज” चा प्रस्ताव वाचतो. सन्मा. सदस्य श्री. जुबेर अ. इनामदार यांचा दिनांक १४/०३/२०१६ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. — मिरा भाईंदर महानगरपालिका वृक्ष प्राधिकरण समितीने मंजूर केलेले सन २०१५-१६ चे सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकाच्या लेखाशिर्षकातील जमा व खर्च बाजू चर्चा करून निधीत बदल करणेबाबत. दोन्ही प्रस्ताव मी वाचलेले आहेत “ज” खाली आणि “आय” खाली.

जुबेर इनामदार :-

वृक्ष प्राधिकरण समितीचा अर्थसंकल्प सादर करण्यांत आला आहे. आयुक्त महोदयने बहुत अच्छी स्टडी की है। चांगला अर्थसंकल्प वृक्ष प्राधिकरणचा आमच्या समोर ठेवला आहे. वृक्ष प्राधिकरणने काय त्याच्यामध्ये सुधारणा सुचविलेल्या आहेत आयुक्त महोदय तुम्ही सुचविलेल्या अर्थसंकल्पावर मान्यता देणार आहोत. पण काही विषय त्यामध्ये असे आहेत की पान क्र. ४ वर विषय असा आहे सातत्याने लोकप्रतिनिधी त्यांची काम म्हणजे उद्यानाची काम, विभागजकांची कामं, सुशोभिकरणाची कामं प्रस्तावित करत असतात. मात्र आयुक्त महोदय, लक्ष केंद्रीत करा कारण हा प्रशासकीय विषय आहे पूर्ण. पान क्र. ४ वर १९ नं. उद्यान दुभाजक सुरक्षा, सुशोभिकरण सातत्याने साहेब लोकप्रतिनिधी आणि नगरसेवक मागणी करत असतात की आमच्याकडची कामे व्हावी, आपल्याकडे निधी उपलब्ध असताना तरतूद केलेली होती ६ कोटी म्हणजे १५-१६ ला सुधारीत ६ कोटी ३५ लाख रुपये साहेब खर्चच नाही केला. ३ कोटी ८० लाख रुपये शेवटच्या ३ महिन्यामध्ये अजून बाकी आहे. माहिती काढली तर मला वाटते ५०-६० लाखाचे बिल अजून प्रलंबित आहे. तरी दोन अडिच कोटी आपल्याकडे शिल्लक असताना आणि कुठलाही प्रस्ताव दिल्यानंतर पैसा नाही किंवा त्याला मंजूरी दिली जात नाही. किंवा त्या कामाची अंमलबजावणी होत नाही विषय एकच आहे वृक्ष प्राधिकरण हा शहरासाठी सुशोभिकरणाचा विषय आहे. म्हणजे आम्ही तुम्हाला तरतूद करून दिली असताना सुध्दा त्याचा वापर झाला पाहिजे. याची काही दक्षता घेतली जात नाही आणि तुम्ही त्या समितीचे अध्यक्ष आहात. विशेषतः म्हणजे वृक्ष प्राधिकरण समितीची बैठकच लागत नाही. वर्षामध्ये २ बैठकी लागतात. कुणाला सुचना करायची असेल कुठल्या सदस्यांना बोलायचे असेल तर त्यांना ती संधीच उपलब्ध होत नाही. पक्षाच्या लोकांनी त्या सदस्यांना पाठवलं त्यांनी त्या वृक्ष प्राधिकरण समितीमध्ये जाऊन त्यांची सुचना मांडावी नविन काहीतरी प्रस्ताव मांडावे समितीची बैठकच लागत नाही. तुम्ही त्याचे अध्यक्ष आहात आणि तुम्ही नेहमी बोलता नागपुरच्या गच्चीवर उभा राहिलो की मला खाली फक्त हिरवगार दिसतं. तस या शहरामध्ये सुध्दा झालं पाहिजे. म्हणून कमीत कमी येणाऱ्या वर्षामध्ये तुम्ही दिलेल्या ३ कोटीलाच आम्ही मंजूरी देणार आहोत इथे आमच्या



माध्यमातून. आयुक्तांनी केलेला अर्थसंकल्प आम्ही त्याला मंजूरी देतो वाढीव अर्थसंकल्पाला देणार मात्र कमीत कमी पुढच्या या येणाऱ्या वर्षामध्ये शहर हिरवगार असल तर पाण्याचेही प्रमाण वाढेल. या शहरामध्ये भरपूर स्थळ असतात. आपल तापमान कमीत कमी २ ते ३ डिग्रीने कमी असतो. साहेब तुम्हाला विनंती आहे की येणाऱ्या वर्षामध्ये त्याचा परिपूर्ण वापर करावा.

मदन उदित नारायण सिंह :-

महापौर मॅडम के परवानगीने से बोल रहा हूँ आयुक्त साहेब आपण हे वृक्ष प्राधिकरण समितीचे अंदाजपत्रक सादर केले आहे. त्याच्यात आपण कुठेच दिले नाही की आपल्या शहरात सध्या किती झाडे आहेत. पूर्वी किती होती. भविष्यात किती लावणार काय करणार ही पहिली गोष्टी दुसरी पान क्र. ३ वर अनुक्रमांक ५ सामाजिक वनीकरण. कित्येक वर्षांपासून आम्ही ऐकतो सामाजिक वनीकरण आपण हेड पण देतो. प्रत्येक वृक्ष प्राधिकरणच्या समितीमध्ये चर्चा होते, ठराव होतो महासभेत ठराव होतो पण हे सामाजिक वनीकरण आहे काय? कोण करणार? दुसरा कोण करायला येणार का? काय आहे याच्याबद्दल जरा खुलासा करावा. मला वाटते दरवर्षी दर मिटींगमध्ये या विषयावर चर्चा होते शेवटी करायचं काय? आणि त्याचा जो अंदाज दिला आपण ते अंदाज पण वाढवावा कारण ते सामाजिक वनीकरण झालं पाहिजे. शहराची गरज आहे साहेब.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडम वृक्षारोपण, सामाजिक वनीकरण अस जे आपल ५ नंबरला हेड टाकलेले आहे त्याच्या अंतर्गत याच्यामध्ये सामाजिक वनीकरणमध्ये हे अभिप्रेत आहे की आपल्या शहरामध्ये वेगवेगळ्या ठिकाणी ज्या मोकळ्या जागा आहेत मग ते आर.जी. मध्ये काही आपलं समजा एखादा कॉर्नर मिळाला असेल आणि तो कामाचा नसेल. त्याच्यानंतर महानगरपालिकेच्या काही ठिकाणी सामाजिक वनीकरण.

मदन उदित नारायण सिंह :-

साहेब आपलं काही आरक्षण आहे १२२ सामाजिक वनीकरणसाठी.

मा. आयुक्त :-

आता मला बोलु द्या. तुमच्या प्रश्नाचच उत्तर देत आहे मला डिस्टर्ब करु नका. तर आपल्याकडे जे डी.पी. मध्ये रिझर्व्हेशन आहे सामाजिक वनीकरणाचे तिथे मागे काही अतिक्रमण वगैरे झाले होते ते आपण तोडण्याची कारवाई देखील केली आहे. परंतु त्या ठिकाणी या वर्षी पाऊसकाळ कमी झाल्यामुळे आपण जी काही म्हणजे पूर्ण केलं नाही गेल्यावर्षी तर सामाजिक वनीकरणमध्ये ज्या ठिकाणी मोकळ्या जागा आहेत शहरामध्ये विविध ठिकाणी, एखाद्या रोडमध्ये असे असते की डी.पी. रोड आपला ८० फुटाचा आहे. पण कधी-कधी एखाद्या कॉर्नरमध्ये जागा आपल्याला मध्येच एक खळगुटपणा येतो. मग त्याच्यामध्ये अभिप्रेत आहे की आपण ठाण्यामध्ये जाताना बघतो की मध्येच असे बेल्ट केलेले आहे. त्याच्यामुळे त्या ठिकाणी देखील म्हणजे ते सामाजिक वनीकरणमध्ये मोडते असे जे पट्टे आहेत. त्याच्यामध्ये आपण झाडे लावून त्याला तार फेन्सींग करुन ते वाढवणे या उद्देशाचे आपण सामाजिक वनीकरणमध्ये ते ठेवलेले आहे.

मदन उदित नारायण सिंह :-

पण आतापर्यंत मिरा भाईदरमध्ये कुठे झाले नाही. मग जे आरक्षण १२२ आपल्याकडे आहे ते का नाही करत? आपल्या ताब्यात जेवढं आलं असेल तेवढं तर करावं ना साहेब.

मा. आयुक्त :-

त्याच्यासाठी तर बजेटमध्ये प्रोव्हिजन दिली या आर्थिक वर्षात.

मदन उदित नारायण सिंह :-

मग अजून ही प्रोव्हिजन वाढवावी. ते केले पाहिजे. आपण प्रोव्हिजन ठेवतो पण काम होत नाही साहेब.

मा. आयुक्त :-

तो आपला महासभेचा अधिकार आहे की काय वाढवायच ते आपण ठरवाव.

मदन उदित नारायण सिंह :-

ते जे वाढवावं १५० लाख कराव. दिड कोटी करावे याच्यावर जरा सिरियसली घ्या साहेब. आपण महासभेत बोलतो रुलिंग देतो पण कारवाई होत नाही. याच्याबद्दल लोकांची खंत आहे साहेब. माझी सुध्दा सगळ्यांची खंत आहे. दुसरे पान क्र. ४ साहेब पान क्र. ४ वर १८ नंबर उद्याने विकास नविन बांधकाम. आपण १० लाख ठेवलय साहेब. आता आपल्या शहरात आपण उद्यान वाढवतो. गार्डन वाढवतो छोटी छोटी दुरुस्ती असली एका गार्डनचे गेटच कुलूप तुटल असेल.....

मुन्ना सिंग :-

महापौर मॅडम अभी यह जो भी जानकारी दे रहे है सिंग साहब उसका कोई मतलब तो निकलेगा नहीं।

मदन उदित नारायण सिंह :-

मतलब क्यों नहीं निकलेगा। तो महासभे में लाते क्यों है? महासभा में क्यों लाने का फिर। तो उधर टेंडर पास करो ना इधर लाने की जरूरत क्या है? सभागृह नेता का मतलब सबको लेकर चलना। महासभा में मत लाओ। उधर के उधर पास करो फिर।



मा. आयुक्त :-

संबंधित अधिकारी आपल्या प्रश्नाचे उत्तर देत आहेत.

मदन उदित नारायण सिंह :-

साहेब पहिले माझे ऐकून घ्या. गार्डन मधील रिपेअरिंग छोटं काम असेल, एका गार्डनचे कुलूप तुटले असेल जाळी तुटली असेल तर काम होत नाही ते म्हणतात आमच्याकडे निधी नाही संपली. म्हणजे हे निधी वाढवावी माझ अस मत आहे.

दिपक खांबित :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो तो जो हेड आहे ना तो बांधकामकडे आपण गेल्यावर्षीपासून वर्ग केला आहे. त्यामुळे इकडे ती तरतूद फक्त १० लाख रुपये ठेवलेली आहे.

मदन उदित नारायण सिंह :-

पण बांधकामकडे आहे का? आम्ही जेव्हा सूचना करतो की रिपेअरिंग करा का नाही होत साहेब.

दिपक खांबित :-

कुठली सूचना केली आहे.

मदन उदित नारायण सिंह :-

चेतन म्हात्रेला विचारा. माझ्या वॉर्डात जेवढे गार्डन आहेत त्या प्रत्येक मध्ये मी काही-काही दुरुस्ती मी ६ महिन्यांपासून मागे लागलो आहे. ते म्हणतात आमचे हेड संपले.

मा. महापौर :-

मदन सिंगजी यह सभा में सिर्फ बजेट पर चर्चा होगी। आपके वॉर्ड में क्या होता है, क्या नही आप अलग से बोलेंगे।

मदन उदित नारायण सिंह :-

मैं वो नही कह रहा हूँ। मैं बजेट में बढ़ाने की बात कर रहा हूँ।

मा. महापौर :-

ठिक है आप अपनी सूचना दे दीजिए।

मदन उदित नारायण सिंह :-

एक सूचना और है आयुक्त साहेब आता हा जो आपण बजेट प्रस्तावित केला आहे. २०१५-१६ चे सुधारित आणि १६-१७ चे अंदाजित. आता जो १५-१६ चे आपण सुधारित केल, महापौर मॅडम यह जो बजेट पेश किए है २०१५-१६ का जो सुधारित है। अभी जो रक्कम दिया गया है वो आगे चेंज होनेवाला है क्या?

मा. महापौर :-

अंदाजित तो बदलेगा ही।

मदन उदित नारायण सिंह :-

आयुक्त साहेब से मैं पुछ रहा हूँ आपण सुधारित बजेट जो देतो तो पुढच्या बजेटमध्ये चेंज होतो का?

मा. आयुक्त :-

आपण एक-एक प्रश्न विचारतात. मी आपल्या सगळ्या प्रश्नांची उत्तर एकदाच देऊ इच्छितो. या महानगरपालिकेचे जे काही बजेट बनवण्याचा अधिकार आयुक्तांचा आहे त्यानुसार या महानगरपालिकेचे उत्पन्न किती, खर्च किती याचा सर्व आढावा घेऊन आम्ही हे बजेट सादर केलेले आहे. माझ्या सतसदविवेक बुध्दीला जे पटेल किंवा महानगरपालिकेचा आर्थिक स्तोत्र किती आहे. आणि भविष्यात काय खर्च होणार आहे याचा सगळा ताळमेळ घालवून आम्ही हा बजेट तयार केला आहे. आणि कायद्याप्रमाणे आयुक्तांना बजेट तयार केल्यानंतर ते मा. स्थायी समितीच्या सभापतींना सादर करण्याचा अधिकार आहे. आम्ही त्यांना सादर केले आहे मा. स्थायी समितीने त्याच्यावर आपल्या सभागृहातले जे सन्मा. सदस्य आहेत त्यांनी त्यांच्यावर सांगोपांग चर्चा केली आणि ती चर्चा केल्यानंतर मा. स्थायी समितीला जे काही त्याच्यामध्ये कमी जास्त आम्ही केलेल्या बजेटमध्ये करण्याचा अधिकार होता त्यांचा अधिकार त्यांनी वापरून हे बजेट मा. स्थायी समितीचे सन्मा. सभापती मा. महापौरांना ते सादर केलेले आहे. आता सभागृहासमोर विषय आहे. आमच्याकडे म्हणजेच आमचा विषय हा संपलेला आहे. तर सभागृहामध्ये काय निर्णय घ्यायचा आहे ते तुम्ही डिसाईड करावे मला पुन्हा-पुन्हा प्रश्न विचारून परेशान करू नका. आमचा अधिकार संपलेला आहे.

मदन उदित नारायण सिंह :-

मा. महापौर मॅडम, मा. आयुक्त साहेब मला समजत नाही. फक्त माझ्या एका प्रश्नाचे उत्तर घ्या. २०१५-१६ का जो सुधारित बजेट दिया है वह अगले बजेट में फिरसे वह फिगर चेंज होता है क्या? मुझे इतना पुछना है। सुधारित जो है वह आगे चेंज होता है क्या? इसमें टेक्नीकल मिस्टेक है। आमदारजी इसमें टेक्नीकल मिस्टेक है वह मैं बता रहा हूँ। पिछले २०१४-१५ का जो सुधारित बजेट था पिछले में कम था इसमें ज्यादा दिखाया। इसमें हर हर फिगर चेंज हुआ। पुरा टोटल चेंज हुआ है। २०१४-१५ का जो सुधारित बजेट है अभी मेरे हाथ में जो कॉपी है वह पिछले साल जो कॉपी दिया था टोटल डिफरेंट है। आप पिछले बजेट की कॉपी मंगवाईए।

मा. महापौर :-

नही इसमे जो दिया है, लास्ट जो बजेट



मदन उदित नारायण सिंह :-

२०१४-१५ को जो दिया था और अभी जो दिया है टोटल एकदम अलग है। अंतिम बजेट का टोटल अलग है।

मा. आयुक्त :-

अभी जो है सुधारित है इसलिए उसमें डिफरन्ट है। गेल्या वर्षीची फिगर या वर्षी पण आली तर त्याच्यामध्ये काय अडचण नाही ना म्हणून त्याला सुधारित बजेट जे म्हणतो गेल्यावर्षीचे आणि ह्या वर्षीचे सुधारित सुधारित शब्द ह्यासाठी आहे की मागची फिगर पुढे ही कंटीन्यु झालेली नाही. त्याच्यामध्ये चेंज झालेली आहे. म्हणून त्याला सुधारित बजेट म्हणतात.

मदन उदित नारायण सिंह :-

पण ऐकून घ्या. त्याच्यात मिस्टेक आहे मा. आयुक्त साहेब मागच्या बजेटची कॉपी मागवून बघा ना.

मा. महापौर :-

मदनजी आप जरा शांतीसे सुनिए.....

सुरेश खंडेलवाल :-

मॅडमजी आप बजेट की कॉपी मंगवाईए तो उस कॉपी अभी हमारे सवालो.....

मा. महापौर :-

मदनजी आप जरा बैठ जाइए मदनसिंगजी अभी भी जो हमने दि है वह सब फिगर चेंज होगी। अभी बजेट में जो दिया है ३१ मार्च तक जो खर्च पड़ेगा उसके बाद तो वह चेंज होगा ना वह सुधारित नहीं आएगा।

मदन उदित नारायण सिंह :-

मंगाके देखिए ना।

मा. महापौर :-

मैं तो अभी का आपको एक्झाम्पल दे रही हूँ। अभी जो फिगर है वो ३१ मार्च को दुसरे होंगे ना। यह फिगर नहीं हो सकती ना। ३१ मार्च तक जितना और खर्च बढ़ा होगा वो इसमें डालेंगे ना हम।

मदन उदित नारायण सिंह :-

मैं बैठ रहा हूँ। लेकिन बाद में उसको टॅली करके मुझे कन्वेन्स करने को बोलिए। पर मुझे लगता है यह १०० टक्का गलत है। या तो गलती हुई है या सर जी ने गलती किया है। मेरे को डाऊट है वो क्लियर होना चाहिए।

मा. महापौर :-

ठिक है आपका डाऊट क्लियर हो जाएगा। आपको जो भी सुझाव है शॉर्ट में बोलिए।

शरद बेलवटे :-

मा. महापौराच्या परवानगीने बोलतो मा. सदस्य सुधारित बजेट हे यासाठीच बनवलेले असते आपलं अॅक्चुअल झालेले उत्पन्न आणि खर्च. तुम्ही बनवलेला असतो तो अंदाज असतो. त्या अंदाजाप्रमाणे तेवढच उत्पन्न त्यावर्षी आपल्याला प्राप्त होत नसते. म्हणून आपण सुधारित बजेट मध्ये सुधारणा करण्यासाठी बनवतो आणि त्या आणखी फिगर या एका याच्यामुळे चेंज पण होतात. काही रि-अप्रोप्रिएशनमध्ये झाले असतील तर त्याने सुध्दा ते चेंज होत असतात. एखाद्या गोष्टीवर अत्यावश्यक काम काढलेल आहे तिथे १०० रुपये प्रोजेक्शन होती परंतु काहीतरी कामामुळे हे बजेट वाढल, इस्टीमेट वाढले तर त्यावेळेला दुसऱ्या खात्यावरून ते वर्ग करावे लागते त्याप्रमाणे पण.....

मदन उदित नारायण सिंह :-

नाही मी काय म्हणतो साहेब हे आपण १६-१७ चे बजेट दिले आता जो आपण १५-१६ चा सुधारित केला आहे.

शरद बेलवटे :-

सर तुम्हाला १४-१५ चे अॅक्चुअल दिले मी फिगर.

मदन उदित नारायण सिंह :-

जी १४-१५ ची अॅक्चुअल फिगर आता दिले ना. मागच्या वर्षी १४-१५ चे अॅक्चुअल फिगर सगळे डिफर आहे.

शरद बेलवटे :-

१४-१५ ला माझ्याकडे अंदाज समजा १०० कोटीचा केला होता पण माझ्याकडे जर अॅक्चुअल त्यापैकी ९० कोटी झाले तर मी ९० कोटीच तुम्हाला शो करणार ना.

मदन उदित नारायण सिंह :-

आयुक्त साहेब मी नंतर येतो. बेलवटे साहेबांना बोलवा काही तरी गडबड आहे याच्यात.

प्रमोद सामंत :-

महापौर मॅडम, आयुक्त साहेब खर्च बाजूला आपण वृक्ष प्राधिकरणला आपण १७ करोड रु. दाखवले आहे. त्यामध्ये १० करोड आपण स्थायी आस्थापना, मजूर पुरवठा, उद्यान सुरक्षा यामध्ये येते. आणि फक्त उर्वरित ३ आणि १, ४ करोड फक्त आपण अॅक्चुअल खर्च करतोय सुशोभिकरण, दुभाजिकीकरणचं आणि दिड करोड रु. घोडबंदर किल्ला सुशोभिकरण आणि जवळ-जवळ १० करोड रुपये आपण फक्त त्याची सुरक्षा



मजूर पुरवठा आणि स्थायी आस्थापनेवर करतो ६० टक्के पेक्षा जास्त झाल साहेब. ६० टक्केपेक्षा आस्थापना म्हणजे पगार आणि या विषयावरच खर्च करतो. म्हणजे हे बरोबर आहे का सभापती साहेब तुम्ही पण याच्यात लक्ष द्या आणि जो खर्च करायचा आहे वृक्ष प्राधिकरण समितीला तो आपण बांधकामला दिला. बांधकाम खात त्याच एक्सपर्ट आहे की वृक्ष प्राधिकरणचे जे सदस्य आहेत किंवा जे अधिकारी आहेत ते त्याचे टेक्नीकली परफेक्ट लोक आहेत. आणि जर नसतील ते टेक्नीकली परफेक्ट नसतील तर त्यांना दुसरा काम द्या तिथे ठेऊच नका. काहीतरी एक करा. म्हणजे नेमक काय आयुक्त साहेब तुमच्या बजेटवर आम्ही बोलतो स्थायी समितीवर अजून गेलेलोच नाही. नेमक काय हे जरा खुलासा करावा.

सुरेश खंडेलवाल :-

महापौर मॅडम, सबसे पहला ही पॉईंट कुछ कन्फ्यूजवाला लगा मुझे जिसका मैं खुलासा चाहूंगा। स्थायी आस्थापना का जो खर्च है महापौर मॅडम २०१४-१५ में है ५६ लाख उसके बाद १५-१६ में सिधा डबल १ करोड रु. और इस बार २ करोड रु. मैं जानना चाहता हूँ की, सबसे पहले यह जो खर्च है स्थायी आस्थापना का यह किस वजह से १ का २ करने की जरूरत पडती। नं. २ इसमें ८ नंबर का जो पॉईंट है संरक्षण पिंजरे खरेदी मॅडम उसमें लास्ट इअर १ करोड रु. था और इस बार उसको कर दिया १० लाख रु. तो इसका मतलब इस बार पिंजरे वगैरे खरेदी करने की जरूरत नहीं पडेगी या झाड लगेंगे या नहीं लगेंगे १० लाख रु. के अंदर पुरे मिरा भाईदर शहर के संरक्षण के लिए जो पिंजरे है वो आएंगे नहीं आएंगे तिसरा मेरा एक सुझाव है की सर मिरा भाईदर शहर अंदर आर.जी. के जो प्लॉट है डेव्हलपमेंट में पिछले दो बार वृक्ष प्राधिकरण समिती में रह चुका हूँ। लेकिन रिझल्ट अभी तक नहीं आया है। २-२ साल से अभी तक आर.जी. डेव्हलपमेंट के काम चल रहे हैं। बजेट के अंदर प्रावधान होता है लेकिन अभी कितना खर्चा होता है यह तो सबके सामने है। मेरा एक छोटासा सुझाव है सर जहाँ आर.जी. के प्लॉट है जो बिल्डरो से हमने हॅन्डओव्हर ले लिए है विकासको से मेरा एक छोटासा सुझाव है की, आजुबाजु के जो विकासक है, मेरे पास ऐसा प्रस्ताव भी है सर मिरा भाईदर के जितने भी आर.जी. के प्लॉट है उनको यदी आजुबाजु के जितने भी विकासक है सर उनके पास यदी हम उनसे उसको डेव्हलपमेंट करने के लिए यदी उनको थोडासा प्रेशर या यदी उनको हम करेंगे तो जिस तरह हम टी.डी.आर देके रोड बनवा रहे है उसी तरह बिल्डरो को यदी देके पुरे मिरा भाईदर के आर.जी. जितने भी प्लॉट्स है जो की हम ५ सालो से उनको डेव्हलप नहीं कर पा रहे है वे चाहते है १ साल के अंदर डेव्हलप सब हो जाएंगे यदी आप विकासको को जिस तरह से आपने टी.डी.आर देके आर.सी.सी. रोड बनवाए है उस तरह से यह भी कोई प्रयोजन आप किजीए। उनको बुलाके मिटींग किजीए। मेरे पास एक प्रस्ताव है। विकासक डेव्हलप करने को तयार है। वो बोला १ करोड रु. खर्च होगा मैं करुंगा लेकिन आजुबाजु के विकासको को उसका फायदा होता है। इसके लिए वो करने को तयार है। तो इस तरह के प्रपोजल यदी आपके पास आएंगे तो उसपर भी आप विचार किजीए। मेरा ऐसा निवेदन है।

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम पान क्र. ३ के उपर में वाहन खरेदी भाडे दुरुस्ती के उपर हेड के अंदर में पिछले बरस अंदर के बरस ३० लाख की तरतूद की गई थी। जिसमें १/४/२०१५ से ३०/११/२०१५ तक २,९१,००० खर्च हुआ था। बाकी का बॅलेन्स था। अभी २० लाख गया। मेरा यह कहना है की बार-बार वृक्ष प्राधिकरण के अंदर में जब कभी भी किसी भी एरिया के अंदर में हम कहते है की हमारे इधर छटनी करना है या हमारे इधर जो जुना झाड है जो गिर रहा है ऐसा कुछ झाड है जिसको हटाना है। तब एक चीज कह देते की हमारे पास एक ही मशिन है। छटनी हो जाती है तब वो कचरा इसलिए नहीं हटाया जाता है क्योंकि हमारे पास दुसरे वाहनो की कमी है।

मा. महापौर :-

भगवतीजी मैं आपको डिस्टर्ब करना चाहूँगी आप सिर्फ अपनी सूचना दिजीए।

भगवती शर्मा :-

मैं उसी हेड के अंदर में बोलना चाहता हूँ ना महापौर मॅडम।

मा. महापौर :-

भगवतीजी मुद्दे पे आप अपनी सूचना दिजीए।

भगवती शर्मा :-

वही तो सूचना दे रहा हूँ।

मा. महापौर :-

आपको दुसरी मशिन खरीदने का प्रस्ताव रखना है तो डायरेक्ट सूचना दिजीए।

भगवती शर्मा :-

आपको जब तक मैं क्या समस्याए है बताऊँगा नहीं तब तक आप सोचेंगे कहा। आपको सोचने के लिए मेरे को बताना पडेगा ना क्या समस्या है। उसी समस्या के लिए तो मैं बोल रहा हूँ। मा. आयुक्त साहब के पास कई बार मैं भी गया। खंडेलवालजी भी गए की हमारे पास वाहन की कमी है।

मा. महापौर :-

भगवतीजी आप सूचना दिजीए और बैठिए। आप दुसरा संभाषण कर रहे है।



भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम आप अगर बोलने की आजादी छिनना चाहती है तो हमको ऐसा बोलना भी नहीं है। हम इतने फालतु नहीं है की कुछ भी बोलेंगे। हमको बोलने की तो आजादी होनी चाहिए ना। मैं वृक्ष प्राधिकरण पर ही बोल रहा हूँ ना मॅडम उसी विषय पे बोल रहा हूँ। उस विषय को हटाकर तो नहीं बोल रहा हूँ। और एक चीज आपको और समझाना चाह रहा हूँ की जीस हेड के अंदर में वो पैसा कम किया गया उसको बढ़ाना क्योंकि हमारे पास जो वाहन की कमी है, वो बोलना चाहता हूँ।

मा. महापौर :-

आप अपनी सूचना बोलिए।

भगवती शर्मा :-

मॅडम जो अडचण आई है वो भी नहीं बताऊँ मैं।

मा. महापौर :-

अडचण सबको पता है।

भगवती शर्मा :-

अभी मदन सिंगजी इतना बोले इतना समझाए की आप हर तरह से समझने के लिए तयार थे। मैं जब भी बोलता हूँ आप कोई भी बात मेरे को सिधा बोलते हो यह मत बोलिए वो मत बोलिए।

मा. महापौर :-

भगवतीजी आप कम्पॅरिजन मत किजिए और आपको जो बोलना है मुद्दे पे बोलिए। मैं आपको रिक्वेस्ट करती हूँ आप अपनी सूचना दिजिए। वो आपको खुलासा देंगे।

भगवती शर्मा :-

वही तो मैं खुलासा चाहता हूँ, मा. आयुक्त साहब यह हेड पे आपने जो प्रोव्हिजन रखा है हमारे पास मैं इस डिपार्टमेंट के अंदर में वाहनो की कमी है। जो वृक्ष प्राधिकरण के अंदर में छटाई कर सके जो छटाई करने के बाद में वहाँ से वो फांदी उठाकर दुसरे जगह डाल सके ऐसे अपने पास वाहनो की कमी है। अगर वो वाहनो के कमी के कारण से जगह-जगह में कचरा पडा रहता है। झाडो की छाटनी नहीं होती है। मशिन ब्रेक डाऊन होती है हम हर डिपार्टमेंट के अंदर में प्रोव्हिजन करते है तो मेरा यह कहना है की इस डिपार्टमेंट के लिए भी ऐसी व्यवस्था किया जाए क्योंकि यह संपूर्ण क्षेत्र मिरारोड से लेकर उत्तन से लेकर चेणा तक है। ताकी हर एरिया के बीच के अंदर में कम से कम १-१ मशिन की प्रोव्हिजन हो सके वो मेरा कहना है मा. सभापती महोदय, मा. आयुक्त साहब, मा. महापौर मॅडम इस हेड के अंदर में कुछ बढ़ाती करनी चाहिए।

ध्रुवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम, सबसे पहले तो मैं आमगावकर साहब का अभिनंदन करता हूँ की वृक्ष प्राधिकरण का बजेट जो आपने पेश किया है बहुत ही बढ़ीया आणि खूप चांगला म्हणजे अनुभव नसतानाही तुमची पहीली टर्म आहे आणि पहिल्या टर्ममध्ये तुम्ही जो वृक्ष प्राधिकरणचा जो बजेट सादर केला आहे तो अतिशय चांगला बजेट आहे. यात सगळ्यात इम्पोर्टन्ट आणि महत्वाच म्हणजे घोडबंदर किल्ला सुशोभिकरण करणे ही आपल्या मिरा भाईदर शहराची शान आहे. घोडबंदर किल्ला आणि त्याची प्रोव्हिजन मागच्या वर्षी पण ठेवली होती. पण १ वर्ष होऊन गेल आपल्याला साधी भारतीय पुरातत्व विभागाची मान्यता सुध्दा मिळाली नाही. म्हणजे आपलं सरकार गल्ली से दिल्ली तक आपकी सरकार होने के बाद भी आप कर नहीं सके तो वो सबसे बडा असफलता इसमें है। तो मैं आप सबसे रिक्वेस्ट करता हूँ की आनेवाले इस साल में की याच्यावर आपण मान्यता घेऊन या आणि हा सुशोभिकरणचा जो तुम्ही तरतूद केली आहे तो काम आपल्याला मार्गी लावायला पाहिजे. नंबर २ मजुर पुरवठा साडे सात करोड रुपये आपण ठेवला आहे. तुम्ही जर बघितल तर प्रत्येक वर्षी ही फिगर इनक्रिजिंग आहे आणि साहेब एवढे पैसे देऊन सुध्दा आपण जर उद्यानाची हालत बघितली तर सर अतिशय बेकार आहे. आपला इरकर एम.एस.सी. हॉर्टिकल्चरीस्ट असुन सुध्दा कॅपेबल नाही. आणि तो मेश्राम तो त्याच्यापेक्षा कमी डिग्रीचा असुन सुध्दा तो कॅपेबल आहे. मिरारोडच्या गार्डनवर त्याच लक्ष चांगल आहे आणि तो चांगल मेन्टेन करतो. भाईदर वेस्टची गार्डन बरोबर मेन्टेन नाही. तो साडे छह करोड जो हम बजेट पे खर्च कर रहे है।

राजेंद्र जैन :-

महापौर मॅडम बजेट पे चर्चा होनी चाहिए। अधिकारी कॅपेबल है, कौन नहीं है बजेट है क्या?

ध्रुवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम, डॉक्टर साहब हम सुझाव दे रहे है लेकिन उसके लिए पहले पार्श्वभूमी तो समझो ना क्या सुझाव है। वो साडे छह करोड रुपया साहेब आपण जे खर्च करतो मजुरांवरती त्याच्यापेक्षा जस खंडेलवालजीने सजेशन दिलं आहे की कुठल्याही विकासकांना जर आपण गार्डन डेव्हलप करायला दिल, मेन्टेन करायला दिलं तर आपले पैसे वाचतील. नंबर २ की अशी काहीतरी स्किम काढा की स्वचेअर फुटप्रमाणे की हे गार्डन आहे याला महिन्याला इतका खर्च येतो की तुम्ही ते मेन्टेन करा जेणेकरुन आपला खर्च वाचु शकतो आणि दुसरी गोष्ट मॅडम की मजुर पुरवठा करताना त्या कॉन्ट्रॅक्टरला असं बाईंडींग करा की आपले असे काही आणखी गार्डन आहेत जसं एकझाम्पल यांच्या वॉर्डमध्ये त्याच्यामध्ये झाड वाढलेले आहेत परंतु आतमध्ये गाडी जाऊ शकत नाही आणि कटिंग करु शकत नाही. आणि मजुर पुरवठा करणारा जो

ठेकेदार आहे तो मजूर साधा झाडाच्या वरती चढून झाडाची फांदी कट करू शकत नाही. तरी कृपया आता नेक्स्ट टाइम जे टेंडर काढणार त्याच्यामध्ये ही कंडीशन टाका की त्या माणसाला त्या मजुराला त्या झाडावर चढून ती फांदी कट करू शकेल. थॅक्यू.

प्रभात पाटील :-

मा. महापौर मॅडम मला फक्त २ मुद्द्यावर बोलायचं आहे एक मुद्दा तर बोलले ते मजूर पुरवठाला आयुक्तांनी दिलेत साडे ४ करोड आणि स्थायीने केले साडे सहा करोड मी आपल्याला एकच गोष्ट सांगेल जास्त चर्चा नाही करणार जिथे-जिथे मजूर पुरवठा आहेत जिथे झाडे लावतात, साफसफाई चालते किंवा गार्डनींग चालते तिथे तुमचे स्थायी कर्मचारी काम करत असतात अस्थायी नाही. हे फोटोग्राफ्स आहेत माझ्याकडे मग तुमचा हा खर्च हे जे तुमचे मजूर पुरवठा आहे हा जातो कुठे आणि एका तुमच्या सक्षम अधिकाऱ्याच्या समोर परवा कुणीतरी फोटो प्रेझेंट केले. आपण साडे चारचे साडे सहा करतो. मजूर पुरवठामध्ये मग कुणाची भागीदारी आहे. हा सुध्दा मुद्दा उपस्थित झाला एका अधिकाऱ्यासमोर ही अतिशय लाजीरवाणी आणि गंभीर गोष्ट आहे. तेव्हा या मजूर पुरवठाचे काम काय? काय करायचे हा मुद्दा पुन्हा तुम्ही चर्चेला घ्या. दुसरी गोष्ट माती, शेण, सफेद रेंती खरेदी आयुक्तांनी ५० लाख दिले आपण दिड करोड केले कुठे जाते ही माती कुठे पडते कधी तरी टाकलेली शेण माती, शेण खत कुठे तरी दिसतं का? कुठच्या गार्डनात इतके नगरसेवक आहेत त्यांच्या प्रत्येकाच्या वॉर्डात गार्डन असेल तर त्यांनी सांगावे उठून की माझ्या इथे पडते म्हणून. आपण त्यांना पैसा देतो सगळी तरतूद करतो परंतु आऊटपुट काय तेव्हा माझ एवढच म्हणणे आहे की आपण जे स्थायीने वाढवले मी स्थायी समितीला म्हणत नाही स्थायीची अपेक्षा असेल की शहरामध्ये चांगल काम व्हाव म्हणून त्यांनी तो वाढवून निधी दिला परंतु आयुक्ताने केलेले अंदाज बरोबर आहे आणि त्यांना तिथेच लिमिटेड ठेवावे अशी मी तुम्हाला विनंती करते.

प्रशांत दळवी :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका वृक्षप्राधिकरण समितीचे सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रक विचारात घेवून मा. आयुक्त सा०., यांनी सादर केलेल्या अंदाजपत्रकामध्ये काही दुरुस्त्या/फेरबदल करून मा. स्थायी समितीने मंजूर केलेले अंदाजपत्रक स्विकारून आजची ही मा. विशेष महासभा अंदाजपत्रकास मंजूरी देत आहे.

(आकडे लाखात)

| तपशिल | 2015-16 (सुधारित अंदाज) | 2016-17 (मुळ अंदाज) |
|------------------------------|----------------------------|------------------------|
| एकूण जमा | 253.00 | 291.00 |
| 'अ' अंदाजपत्रकातून हस्तांतरण | 2149.00 | 1801.71 |
| एकूण खर्च | 2402.00 | 2092.71 |

प्रशांत केळुसकर :-

माझे अनुमोदन आहे.

जुबेर इनामदार:-

मा. आयुक्त मिरा भाईंदर महानगरपालिका यांनी वृक्ष प्राधिकरण विभागाचे सादर केलेले सन २०१५-१६ सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकामध्ये सुचविलेल्या अपेक्षित जमा व खर्चाच्या बाजुत कोणताही बदल न करता मा. आयुक्तांनी सुचविलेल्या एकूण जमा १७१८.७१ व एकूण खर्च १७१८.७१ याप्रमाणे शुन्य शिल्लकीच्या सन २०१५-१६ च्या सुधारीत व सन २०१६-१७ च्या मुळ अर्थसंकल्पीय अंदाजपत्रकास आजची ही मा. विशेष महासभा मंजूरी देत आहे, असा मी ठराव मांडत आहे.

सुरेश खंडेलवाल :-

मा. महापौर मॅडम बजेट आया है बजेट पास भी होगा। महासभाको कोई अधिकार भी नहीं है.....

जुबेर इनामदार :-

माझा ठराव माझ्या "ज" च्या प्रस्तावाला आहे.

सुरेश खंडेलवाल :-

मा. महापौर मॅडम बजेट आया है बजेट पास होगा मेरा खाली आपसे एक ही अनुरोध है, जैसे अभी मदन सिंह जी ने कुछ सवाल उपस्थित किये तो आपने बेलवटे साहबको खडा करके उसका उत्तर दिलवा दिया, तो क्या हम लोग कुछ सवाक पुछे तो उसका जवाब मिलेगा या नहीं मिलेगा आप बताईये तो यदी वह जवाब दे रहे है तो हमारे विषय में सर हम नये है सर तीन चिज है। हमारी वृक्षप्राधिकरण समिती के अंदर यह प्रस्ताव पास किया था। कि कोई भी गार्डन हम लोग पुरे कॉन्ट्रैक्ट बेसीस पे हमलोग मेन्टनन्स करने के लिए देंगे लेकिन वह गार्डन मेन्टनन्स करने का तो छोड दो यह साडे छ करोड का मजूर पुरवठा का हमको



लग रहा है की यह बिलकुल भी जो है इसका जिस तारीख से रिजल्ट आना चाहिए वह नहीं आ रहा है। सर आस्थापना का जो खर्चा डबल हो गया है उसके बारे में थोडासा आपका खुलासा चाहुँगा की, यह आस्थापना का खर्चा डबल क्यों हो रहा है। क्या सॅलरी डबल हो रही है की, बोनस डबल हो रहा किस वजहसे खर्चा बढ़ रहा है। आप जरा प्लिल खुलासा किजीए।

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडम, स्थायी आस्थापना आणि अस्थायी आस्थापना पाटील मॅडमने बोललं आता आणि हे अंदाज पकडलेले आहे. आपण महानगरपालिकेचे काही पद आपण जे मंजूर केलेले आहेत वर्ग ३, वर्ग ४ जर भविष्यामध्ये म्हणजे ह्या आर्थिक वर्षामध्ये जर आपल्याला रिक्त पद भरण्याचं म्हणजे आपण जर ठरविलं की रिक्त पद भरायचे आहेत तर ते रिक्त पद भरल्यानंतर त्या कर्मचाऱ्याचे पगार पुढच्या वर्षामध्ये द्यावा लागेल. अस गृहित धरून स्थायी आस्थापनेचा खर्च त्याच्यामध्ये आपण बजेटमध्ये तरतूद करून ठेवलेली आहे. तो खर्च आजच्या तारखेमध्ये झालेला नाही. अस्थायी आस्थापनामध्ये ते लेबर सध्या आपल्याकडे कामे करतात. त्यांच्यासाठी अस्थायी आस्थापना हे एक वेगळं हेड आहे. त्याच्यामध्ये आपण तरतूद करून ठेवलेली आहे. भविष्यात आज शंभर लेबर आहेत उद्या १२० लागू शकतात किंवा ८० पण लागू शकतात. परंतु आपल्या माहितीस्तव सांगतो की हे लेबर जास्त लागतात म्हणून आम्ही आता एक प्रस्ताव आपल्याकडे आणतोय की आम्ही स्वचेअर फुटावरती प्रत्येक गार्डनचा एरिया काढून त्याच्याप्रमाणे स्वचेअर फुटावरती एखादे जर टेंडर दिलं तर त्याच मेन्टेनन्स वगैरे सगळं करण्याची जबाबदारी संबंधीत ठेकेदाराची राहिल आणि त्याला स्वचेअर फुटावरती कोणते गार्डन किती स्वचेअर फुट आहेत याच कॅल्क्युलेशन करून त्या पध्दतीने द्यायचा असा आमचा विचार चालू आहे. नंबर २ आणि आपण दुसरा एक विषय गार्डनचा बाबतीमध्ये आपण बोललात की हे जर विकासकाला अशा पध्दतीने गार्डन तर धोरणात्मक निर्णय आहे आणि धोरण तस शासनाकडून आल असेल तर आम्ही त्याची अंमलबजावणी करू पण आपण तो महासभेमध्ये शासनाच्या सुचनेप्रमाणे विषय आणून त्याच्यावरती महासभेची मंजूरी घेऊन पुढील कारवाई करण्यात येईल. शर्माजी आपके मालुमात के लिए बोलता हूँ की आपने बोला की इसमें प्रोव्हिजन किया है लेकिन गाडी खरेदी किया नहीं। यह मार्च महिने में मेरे खयाल से उसको मंजूरी दे दिया है। वह खर्चा अगले टिलओव्हर आएगा। अभी गाडी खरेदी की प्रोसेस भी हो जाएगी उसको मंजूरी दिया है। अगले महिने में खरेदी होगी तो वह अगले साल में खर्चा आएगा। इसके लिए जो बजेट में थोडा किंतू परंतू होना है की, बजेट में प्रोव्हिजन है। लेकिन वह खर्चा अभी तक पडा नहीं अभी पडा है। मार्च में उसको मंजूरी हो गई उसका प्रोसेस हो जाएगा। अगले महिने में उसके अगले महिने में खर्चा पडेगा तो वह नेक्स्ट इयर में आएगा और अगले साल फिर वह खर्चा हो गया वह झिरो हो जाएगा उसका पेमेंट होने के बाद उसकी मंजूरी दे दी गई है।

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १७८ चे दोन ठराव आलेले आहेत. वृक्ष प्राधिकरण समितीने मंजूरी दिलेली आहे. सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजात दोन्ही "ज" आणि दोन्ही प्रस्ताव वाचले आहेत. त्यांचे दोन संयुक्त ठराव आलेले आहेत. आणि ते दोन्ही ठराव मतदानाला टाकत आहे. पहिला ठराव श्री. प्रशांत दळवी आणि दुसरा ठराव श्री. जुबेर इनामदार. अनुक्रमे श्री. जुबेर इनामदार यांनी मांडलेला ठराव मी मतदानास टाकतो. श्री. जुबेर इनामदार यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. ह्या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ असतील त्यांनी वर करायचे आहेत. श्री. प्रशांत दळवी यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. ह्या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ असतील त्यांनी वर करायचे आहेत.

मा. महापौर :-

सुचक श्री. प्रशांत दळवी यांनी मांडलेला ठरावाच्या बाजूने ४६, विरोधात ३०, तटस्थ १ इतकी मते पडलेली आहेत. श्री. प्रशांत दळवी यांनी मांडलेला ठराव बहुमताने मंजूर करण्यांत येत आहे.

प्रकरण क्र. १७८ :-

वृक्षप्राधिकरण समितीने मंजूर केलेले सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास मान्यता मिळणेबाबत. (मा. स्थायी समिती सभा दि. ०४/०३/२०१६ नुसार शिफारस केलेले प्रकरण क्र. १६२, ठराव क्र. १५७)

ठराव क्र. १४० :-

| तपशिल | 2015-16 (सुधारित अंदाज) | 2016-17 (मुळ अंदाज) |
|------------------------------|----------------------------|------------------------|
| एकूण जमा | 253.00 | 291.00 |
| 'अ' अंदाजपत्रकातून हस्तांतरण | 2149.00 | 1801.71 |
| एकूण खर्च | 2402.00 | 2092.71 |



मिरा भाईदर महानगरपालिका वृक्षप्राधिकरण समितीचे सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रक विचारात घेवून मा. आयुक्त सो., यांनी सादर केलेल्या अंदाजपत्रकामध्ये काही दुरुस्त्या/फेरबदल करून मा. स्थायी समितीने मंजूर केलेले अंदाजपत्रक स्विकारून आजची ही मा. विशेष महासभा अंदाजपत्रकास मंजूरी देत आहे.

सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी

अनुमोदक :- श्री. प्रशांत केळुसकर

| अ.क्र. | ठरावाच्या बाजूने | अ.क्र. | ठरावाच्या विरोधात | तटस्थ |
|--------|-----------------------------|--------|-----------------------------|-----------------------------|
| १ | मेहता नरेंद्र लालचंद | १ | कॅटलीन ऍन्थोनी परेरा | १) म्हात्रे परशुराम पद्माकर |
| २ | शरद केशव पाटील | २ | सय्यद नुरजहाँ नझर हुसेन | |
| ३ | पाटील रोहिदास शंकर | ३ | ध्रुवकिशोर पाटील | |
| ४ | म्हात्रे कल्पना महेश | ४ | डिमेलो बर्नड अल्बर्ट | |
| ५ | भानुशाली वर्षा गिरधर | ५ | शिल्पा भावसार | |
| ६ | मिरादेवी रामलाल यादव | ६ | सॅन्ड्रा जेफ्री रॉड्रीक्स | |
| ७ | कोठारी सुमन रमेश | ७ | रॉड्रीक्स बाबरा डॉनल्ड | |
| ८ | डॉ. नयना मनोज वसाणी | ८ | दक्षता राजेंद्र ठाकूर | |
| ९ | सिमा कमलेश शहा | ९ | पाटील वंदना विकास | |
| १० | जैन गिता भरत | १० | शबनम लियाकत शेख | |
| ११ | अरोरा दिपीका पंकज | ११ | सुमबंड महरुत्रीसा हारुनरशीद | |
| १२ | रावल भगवती जयशंकर | १२ | प्रभात प्रकाश पाटील | |
| १३ | मेहता डिंपल विनोद | १३ | पाटील सुनिता कैलास | |
| १४ | मेघना दिपक रावल | १४ | झिनत रऊफ कुरेशी | |
| १५ | शर्मा सुनिता सत्येंद्र | १५ | विराणी रेखा अनिल | |
| १६ | प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील | १६ | पुजारी कांचना शेखर | |
| १७ | सुजाता रविकांत शिंदे | १७ | पिसाळ मनिषा नामदेव | |
| १८ | पाटील प्रेमनाथ गजानन | १८ | डिसा मर्लिन मर्विन | |
| १९ | सिंग मदन उदितनारायण | १९ | अनिता जयवंत पाटील | |
| २० | कांगणे यशवंत ठकाजी | २० | गोविंद हेलन जॉर्जी | |
| २१ | अनिल बाबुराव भोसले | २१ | इनामदार जुबेर | |
| २२ | कासोदरीया अश्विन श्यामजी | २२ | वेतोसकर राजेश शंकर | |
| २३ | जैन दिनेश तेजराज | २३ | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम | |
| २४ | जैन रमेश धरमचंद | २४ | सामंत प्रमोद जयराम | |
| २५ | डॉ. राजेंद्र जैन | २५ | खण्डेलवाल सुरेश | |
| २६ | निलम हरिश्चंद्र ढवण | २६ | लियाकत ग. शेख | |
| २७ | तारा विनायक घरत | २७ | नरेश तुकाराम पाटील | |
| २८ | शुभांगी महिन कोटीयन | २८ | भोईर कमलेश यशवंत | |
| २९ | परमार अनिता भरत | २९ | रविंद्र भिमदेव माळी | |
| ३० | गावंड मंदाकिणी आत्माराम | ३० | वंदना मंगेश पाटील | |
| ३१ | म्हात्रे प्रभाकर पद्माकर | | | |
| ३२ | संदिप मोहन पाटील | | | |
| ३३ | दळवी प्रशांत ज्ञानदेव | | | |
| ३४ | हरिश्चंद्र रामचंद्र आमगावकर | | | |
| ३५ | प्रविण मोरेश्वर पाटील | | | |
| ३६ | ठाकूर अरविंद दत्ताराम | | | |
| ३७ | शाह राकेश रतिशचंद्र | | | |
| ३८ | जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील | | | |
| ३९ | केळुसकर प्रशांत नारायण | | | |
| ४० | भोईर भावना राजू | | | |
| ४१ | भोईर राजू यशवंत | | | |
| ४२ | जाधव मोहन महादेव | | | |
| ४३ | मुन्ना सिंग | | | |
| ४४ | अंड. रवि व्यास | | | |
| ४५ | दिप्ती शेखर भट | | | |
| ४६ | मयेकर सरस्वती रजनीकांत | | | |

ठराव बहुमताने मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १७९, शिक्षण विभागाचे सन २०१५-१६ चे सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास मान्यता मिळणेबाबत. (मा. स्थायी समिती सभा दि. ०४/०३/२०१६ नुसार शिफारस केलेले प्रकरण क्र. १६३, ठराव क्र. १५८) श्री. जुबेर इनामदार यांचा "ज" प्रस्ताव, टाईप करणे. सन्मा. सदस्य श्री. जुबेर अ. इनामदार यांचा दिनांक १४/०३/२०१६ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. -- मिरा भाईंदर महानगरपालिका शिक्षण विभागाने मंजूर केलेले सन २०१५-१६ चे सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकाच्या लेखाशिर्षकातील जमा व खर्च बाजू बाबत चर्चा करून निधीत बदल करणेबाबत.

निलम ढवण :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका शिक्षण विभागाचे सन २०१५-१६ सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकाबाबत मा. आयुक्त सो., यांनी सादर केलेल्या अंदाजपत्रकामध्ये चर्चा करून काही दुरुस्त्या सुचविल्याप्रमाणे मा. स्थायी समितीने मंजूर केलेले अंदाजपत्रक स्विकारून यास मा. विशेष महासभा मंजूरी देत आहे, असा मी ठराव करित आहे.

| तपशिल | (आकडे लाखांत) | |
|------------------------------|----------------------------|------------------------|
| | 2015-16 (सुधारीत अंदाज) | 2016-17 (मुळ अंदाज) |
| एकूण जमा | 1370.00 | 1519.00 |
| 'अ' अंदाजपत्रकातून हस्तांतरण | 1320.50 | 1663.25 |
| एकूण खर्च | 2690.50 | 3182.25 |

तारा घरत :-

माझे अनुमोदन आहे.

मदन उदित नारायण सिंह :-

मा. महापौर मॅडम, आयुक्त साहेब जस वृक्ष प्राधिकरणमध्ये बोललो आपण शिक्षण विभागाचा बजेट सादर केला आहे त्यात आपण कुठेही नमुद केले नाही की, सध्या आपल्या महानगरपालिकेच्या शाळेत किती मुले आहेत, पूर्वी किती होती आणि किती भविष्यात वाढ होण्याची शक्यता आहे. कुठेही मेन्शन नाही.

मा. आयुक्त :-

साहेब बजेटचा फॉरमॅट असतो त्या फॉरमॅटमध्ये बजेट तयार करावा लागतो मुलांची संख्या नोंद करण्याची त्याच्यात आवश्यकता नाही.

मदन उदित नारायण सिंह :-

साहेब फॉरमॅट आपण आपल्याला पाहिजे तेव्हा चेंज पण करतो. जर हे फॉरमॅट टाकल आपण बदल केल आणि प्रत्येक विषय टाकला तर काय याच्यात गडबड होते साहेब. मला तर अस वाटते की, हे फॉरमॅट चेंज केला पाहिजे साहेब.

सुरेश खंडेलवाल :-

साहेब फॉरमॅट चेंज करायला शासनाची परवानगी लागते.

मा. महापौर :-

और कोई सुचना हो तो दिजीए।

मदन उदित नारायण सिंह :-

सुचना ही आहे की, आपण बजेट सादर केल साहेब याच्यात अनु.क्र. १२, १३ आणि १७ गायबच केल आहे. पान क्र. ४ वर १२,१३,१७ गायब आहेत. आणि साहेब जो १७ क्रमांक आहे खुप महत्वाचा आहे. सगळा शिक्षण विभागाचा जो काही बजेट असेल १७ क्रमांक नसेल तर तो बजेट काही कामाचा नाही मला असं वाटते.

शरद बेलवटे :-

मा. महापौर मॅडम सदरच्या बजेटमध्ये पूर्वीचा जो लेखाशिर्षक नमुद केला असेल तर त्याच्यात मागील तीन वर्षात कुठल्याही प्रकारचा खर्च न झाल्यामुळे तो बजेट शिट त्यामधुन लॅक्स होत असतात. परंतु त्याची सिरिअल तशी राहून गेलेली आहे. ती प्रिंटींग मिस्टेक आहे ती फाईनल प्रोजेक्टमध्ये दुरुस्त करण्यात येईल.

मदन उदित नारायण सिंह :-

साहेब १७ क्रमांक काय आहे हे आपल्याला माहित आहे का? म्हणजे काय होत आता आपण नाही घेतलं ते काय होत १७ क्रमांक मग कॉपी आणाना साहेब. आपण बजेट सादर करतो. १२ लाख लोकांसमोर ठेवतो हा बजेट.

मा. महापौर :-

मदनसिंहजी आपका १७ नंबर का क्या आपको अँड करना है। लास्ट टाईम रह गया है, तो आप सुचना दिजीए।

मदन उदित नारायण सिंह :-

नाही १७ नंबर इन्होंने क्यों नहीं डाला १७ नंबर क्या है। इनको शिक्षण विभाग का पता है क्या शिक्षण अधिकारी को बुलाइए ना। शिक्षण का बजेट है शिक्षण अधिकारी कहाँ पे है।

मा. महापौर :-

मदनसिंहजी आप सुचना दे दिजीए आप बता दिजीए।

मदन उदित नारायण सिंह :-

अच्छा आयुक्त साहेब १७ नंबर जो है १७ नंबर हेड में है शिक्षक दिन आदर्श शिक्षक आणि गुणवंत विद्यार्थी पुरस्कार हम इस बजेट में ३२ करोड रुपये खर्च कर रहे है। शिक्षक को इतनी पगार दे रहे है तो क्या हमारे जो शिक्षक है उसमें से हमको चेक करने की जरूरत नहीं है। कौन शिक्षक आदर्श है कौन नहीं है। मुझे लगता है की यह होना चाहिए उसी तरह हम जो बच्चो को उपर ३२ करोड खर्चा कर रहे है तो उन बच्चो में भी गुणवंत विद्यार्थी पुरस्कार.....

मा. महापौर :-

मदनसिंहजी आप सुचना दे दिजीए यह हेड डालना है। हम डाल देंगे।

मदन उदित नारायण सिंह :-

१७ नंबर शिक्षक दिन, आदर्श शिक्षक आणि गुणवंत विद्यार्थी पुरस्कार हे ठेवा आणि त्याच्यात त्याचे हेड पण वाढवा. अमाऊंट पण वाढवा १० लाख करावे त्याचे आणि अतिआवश्यक आहे हा आपण ३० करोड खर्च करून फायदा जर आपण त्याची चाचणी नाही केली पडताळणी नाही केली आपण काय करतो. त्याचा स्तर काय. आयुक्त साहेब २३ नंबर हेड आहे आपलं माध्यमिक शिक्षण सुरु करणे त्याच्यात आपण काय करणार का नाही आणि ते करायचं असेल याच्यातले १० लाख ठेवले ना माझ्यामते हे पण वाढवायला पाहिजे. साहेब नाहीतर त्या शिवाय माध्यमिक शिक्षण आपलं सुरु होणार नाही साहेब.

प्रशांत दळवी :-

मा. महापौर मॅडम, मी तुम्हाला विनंती करतो आहे मा. स्थायी समितीचे अध्यक्ष समोर बसलेले आहेत. आम्ही आमचा इथे समितीने अहवाल दिलेला आहे आणि ठराव मांडला गेलेला आहे. प्रत्येक वेळेला वृक्ष प्राधिकरण समितीचे झालं तेही बोलतात आता शिक्षणचं झालं तेही बोलतात मी सुरवातीपासून बोलत आहे. मला त्याच उत्तर द्या. महापौर मॅडम सर्वांना ह्या विषयावरती चर्चा करायची आहे पण आम्ही प्रत्यक्ष तुमच्याकडे येऊन तुमच्या चेंबरमध्ये चर्चा करू. परंतु प्रत्येक वेळेला जर हे सदस्य उठून बसले चिरफाड करणार असतील तर आम्ही पण सुरवातीपासून

मा. महापौर :-

सभाकामकाज मुझे देखना है। अनिलजी आप बैठ जाइए।

संदिप पाटील :-

महापौर मॅडम दोन शब्द मला बोलायचे आहेत. आपण आता शाळेतील मुलांना कपडे देतो, शुज देतो, टाय देतो, सगळ देतो. पण शाळा चालू व्हायच्या अगोदर द्या कारण तुम्ही तीन महिन्यांनंतर देणार त्याला ते अर्थ राहत नाही.

मा. महापौर :-

नाही ती सुचना दिलेली आहे संदिपजी आणखी काय?

संदिप पाटील :-

जेव्हा शाळा चालू झाली तेव्हाच द्या. दुसर काही नाही.

मा. महापौर :-

मी ती सुचना दिली आहे अधिकाऱ्यांना.

भगवती शर्मा :-

मॅडम मेरी आपसे एक सुचना है की जैसे इन्होंने मदन सिंहजीने बोला की, ११ के बाद में १२,१३ है। यह प्रिंटिंग मिस्टेक है की वह हेड लेनाही नहीं है।

मा. महापौर :-

वह प्रिंटिंग मिस्टेक है।

भगवती शर्मा :-

ऐसाही इसके अंदर में ठराव के अंदर में आपके माध्यम से किसी के द्वारा होना चाहिए। १७ का हेड रख रहे है की नहीं रख रहे है। रख रहे है तो उसमें अमाऊंट कितनी आ रही है। अगर वह अमाऊंट को आप इफेक्ट दे रहे हो तो पुरे बजेट के अंदर में क्या फरक पड रहा है।



मा. महापौर :-

ठिक आहे ते उत्तर देत आहोत.

प्रभात पाटील :-

ते एक हेड ठेवलेल आहे आंतरशालेय क्रिडास्पर्धा ह्या होतात का?

मा. महापौर :-

होतात.

प्रभात पाटील :-

तुम्ही ते चषक भरवतात ते होतात आंतरशालेय होत नाहीत.

मा. महापौर :-

आपण तेही ठरविले आहे कारण ह्या वेळी चषकच्या वेळी आपण लक्षात आलं की आपण हे घेत नाही म्हणून आपण ह्या वर्षापासून चालु करू.

प्रभात पाटील :-

तेच मला म्हणायचं होत दुसरी गोष्ट त्या घ्यायला पाहिजेत आणि आजची संपूर्ण सामाजिक परिस्थिती पाहता माझी सुचना अशी आहे की सगळ्या शाळांमध्ये कराटेसाठी एक स्पेशल तास आठवड्यातून दोन दिवस द्यावेत. कमीत कमी मुर्लीसाठी तरी ते कम्पलसरी करावे ही माझी सुचना आहे. तुम्ही ह्या हेडमध्ये ते कुठे ही बसवा हे बजेटमध्ये वेगळी तरतूद करा अस म्हणणार नाही.

मा. महापौर :-

आपण महिला बालकल्याणमध्ये ती तरतूद केलेली आहे.

प्रभात पाटील :-

कसली?

मा. महापौर :-

कराटेची.

प्रभात पाटील :-

एक गोष्ट अजुन होत नाही महानगरपालिकेच्या शाळेमध्ये ते म्हणजे वार्षिक स्नेहसंमेलन त्याच्यामध्ये महानगरपालिकेच्या शाळामधल्या मुलांच्या कला गुणांना वेगळी वाव मिळणे म्हणजे होतच होतो आणि त्याच्याबरोबर एक आनंदसुध्दा त्यांना मिळतो तो उपक्रम ह्या वर्षापासून आपल्या महानगरपालिकेच्या शाळांमध्ये वार्षिक स्नेहसंमेलन कुठे ही तुम्ही अॅडजस्ट करा नाही होत.

मा. महापौर :-

मी स्वतः गेलेली आहे तीन शाळेच्या वार्षिक महोत्सवाला.

प्रभात पाटील :-

मा. उप महापौराच्या वॉर्डात शाळा होते का होत नाही पण आपण सगळीकडे ते कम्पलशन करा ते सगळ्या मुलासाठी ती गोष्ट आवश्यक आहे.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

मा. महापौर मॅडम अनुक्रमांक ४ शालेय गणवेश, बॅच, टाय, पीटी रिफा वाटप या वर्षात आपण काहीच खर्च केला नाही. म्हणजे आपण ह्या वर्षी युनिफॉर्म वाटलेच नाही का? मागच्या वर्षामध्ये एकही रूपया खर्च झाला नाही. आता मार्च येऊन गेला तर आपण गणवेश देतो जुन, जुलै मध्ये तर याच्यामध्ये फंड युज झालेला नाही आहे. म्हणजे आपण दिल आहे की नाही दिल आहे.

शरद बेलवटे :-

गणवेशाचे वाटप झालेले आहे परंतु संबंधीत ठेकेदारांचे बील आहेत त्यांनी उशिरा सादर केल्यामुळे ते त्याच्यामध्ये दिसत नाही. त्यांनी ते नोव्हेंबरच्या नंतर हे केले आहे आणि तें पेड झालेले आहे.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

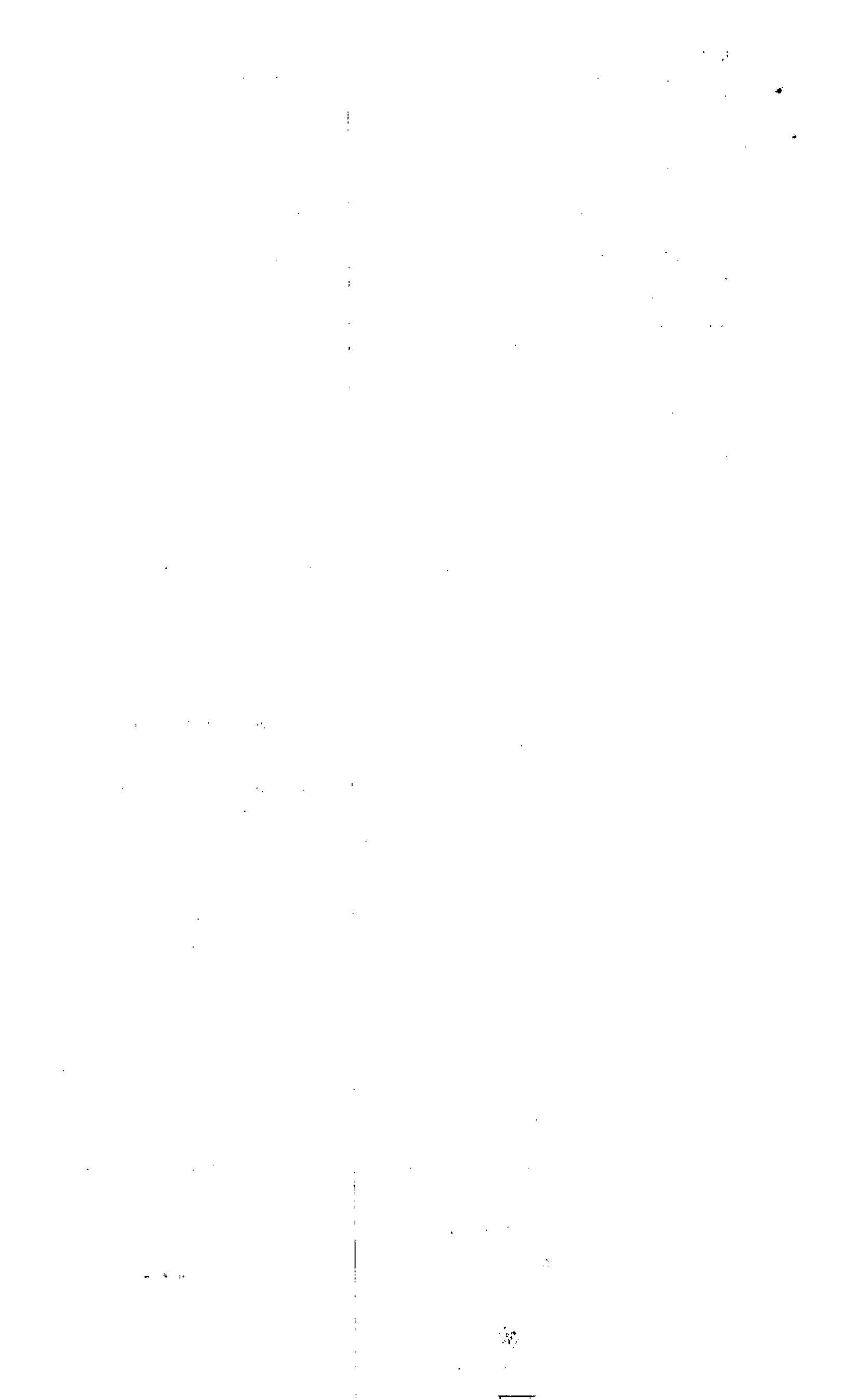
म्हणजे जुन ला

शरद बेलवटे :-

खर्च पुढील चार महिन्यामध्ये पडलेला आहे तो खर्च आता.....

ध्रुवकिशोर पाटील :-

बरोबर म्हणजे तुम्ही अकाऊन्ट आहात जो माणूस जुन, जुलै मध्ये ड्रेस सप्लाय करतो आहे आणि तो एवढा लेट बिल सप्लाय करतो का? मला वाटत मॅडम कि जरा हे म्हणत असेल ठिक आहे पण ड्रेस वेळेवरती मिळाले नाही आहेत मागच्या वर्षी बजेट मध्ये पण हिच सुचना दिली होती आता पण हिच सुचना आहे ड्रेस वेळेवर द्या. नंबर २ की, तुम्ही जे आता नविन शालेय, आंतरशालेय कला क्रिडा स्पर्धा यात जे बजेट मा. आयुक्त साहेबांनी ठेवलेले आहे तर आम्ही अभिनंदन करतो कारण कि, ही मागणी मी केली होती कि, तुम्ही महापौर चषक ज्या वेळी सुरु केल होत त्यावेळी तुम्हाला सांगितल होत की आंतरशालेय क्रिडा स्पर्धा पण घ्या, आणि “ज” च्या प्रस्ताव वाचा घेतल तुमच अभिनंदन आणि माध्यमिक शाळा सुरु करा म्हणून आमचे आसिफ शेख यांनी पण सांगितले होत ते पण आपण बजेटमध्ये घेतल्याबद्दल आपलही अभिनंदन ई इटरनेट, ई-लर्निंग सुध्दा आम्ही तुम्हाला सजेशन केल होत ते तुम्ही घेतल्याबद्दल तुमच अभिनंदन आणि आता



मदनसिंहजी जी सुचना केली आहे ते हेड ठेवण्याकरिता तुमचा ठराव झालेला आहे आणि महासभेला अधिकार नाही मग तुम्ही तो आता अधिकार क्रिएट कसा करणार तुम्ही याचा खुलासा करावा.

मा. महापौर :-

सबका खुलासा एक साथ दे रहे है।

अनिल भोसले :-

मा. महापौर मॅडम आपण शिक्षण विभागाकरीता ३२ करोड रूपये खर्च करता. या आपल्या मिरा भाईदर महानगपालिकेच्या शाळा आहेत या शाळेमध्ये म्हणजे या शहरातील गोर गरीब लोग शिक्षण घेतात यामध्ये माझी अशी सुचना आहे ज्या शाळेमध्ये शासनाने नविन टिचर द्यायला बंद केले आहेत आणि महापालिकेने म्हणजे कुठल्या अशा तरतुदमध्ये बजेटमध्ये अशी कुठली तरतुद केली आहे की सरकारी टिचर देता येणार नाही आणि आपण ही तरतुद करणार नाही तर मुलाना शिक्षण घेण शक्य होणार नाही. अशी परिस्थिती आहे तर यामध्ये शिक्षण विभागाने खुलासा करावा जी ऊर्दू मध्ये आणि मराठी मध्ये टिचर कमी आहेत यासाठी आपण कशी काय तरतुद करणार आहात.

मा. महापौर :-

आप बैठीए आपको जवाब मिल रहा है।

शिल्पा भावसार :-

मा. महापौर मी आपल्या परवानगीने बोलू इच्छितो की, इथे जे आपण सांगितले की बजेटमध्ये संगणक प्रशिक्षण मध्ये जी ५५ लाख रु. आहेत त्यात मला हे विचारायचे आहे की, संगणक प्रशिक्षण कितवी ते कितवी पर्यंतचे मुलांना शिकवीणार आहेत आणि हे जे नविन आपण चालू करणार आहोत प्रशिक्षण आय.ए.एस., आय.पी.एस., एम.पी.एस.सी. हे पण कुठले ते कुठले स्टॅंडर्डपर्यंत आपण शिकविणार आहोत.

मा. महापौर :-

मॅडम आपण फक्त आकडे बदल बोला. तुम्हाला कुठे काय सुचना करायची आहे ती करा.

शिल्पा भावसार :-

गुजराती मिडियम आपल्याकडे जे आहे म्युनिसिपालिटीच्या त्याच्यात मला मागे पण मी बोलली होती की, आपल्याकडे त्याच्यासाठी शिक्षिका योग्य नाही आहेत तर त्याच्यावर पण आपण लक्ष द्याव की गुजराती मिडियमची जी मुलं शिकतात आपल्याकडून झोपडपट्टीची त्यांना चांगल्या शिक्षिका भेटाव्यात.

वर्षा भानुशाली :-

महापौर मॅडम एक जो यह १२,१३ और १७ का हेड नहीं डाला उसका भी थोडा खुलासा किजीए।

मा. महापौर :-

दे रहे है।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो, अतिरिक्त शिक्षक शासन देणार आहे. शिक्षक दिल्यानंतर उर्दुतले आणि गुजराती मिडियमला शिक्षक देणार आहोत.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

बेलवटे साहेब आता मदन सिंहजी सन्मा. सदस्य यांनी सुचना केलेली आहे की, १२,१३ जे काही हेड असतील ते ठेवा. तुमचा ठराव झालेला आहे बजेट झालेला आहे. तुम्ही आता चेंज कस करू शकणार अधिकार आहे का महासभेला बोला.

शरद बेलवटे :-

महापौर साहेब त्या प्रिंटींग मिस्टेकची मी सिरिअली ती फाईनल बजेटला करुन घेईन.

प्रमोद सामंत :-

टोटलचं काय टोटल पण चुकली आहे. प्रिंटींग मिस्टेक आहे गेल्या वर्षी तरतुद होती आता नाही आहे. दिसत नाही. तुम्ही जी मारलेली टोटल बरोबर आहे की बरोबर नाही आहे. ती टोटल पण चुकवलेली आहे.

शरद बेलवटे :-

टोटल बरोबर आहे सगळी.

प्रमोद सामंत :-

हेड तुम्ही काढून टाकले. हेडच्या समोरचे पैसे तुम्ही काढून टाकले मग तुम्ही जी टोटल केली आहे ती बरोबर आहे का चुकीची आहे.

शरद बेलवटे :-

सिरियल आहे प्रिंटींग मिस्टेकमध्ये त्याची सिरियल चुकलेली आहे.

प्रमोद सामंत :-

हे क्लिअर नाही तुम्ही १२,१३ काढलात ना. १७ काढलं आहेत मग ती १७ च्या समोरची तरतुद होती. २०१५-१६ मध्ये ती पण काढलीत. मग तुमची शेवटची टोटल चुकली की बरोबर आहे.

शरद बेलवटे :-

बरोबर आहे शेवटची. याच्यामध्ये आलच नाही आहे ना तो.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

मॅडम जमा आणि खर्च अंदाजपत्रकामध्ये जमा आणि खर्च दोन्ही टॅली झाले पाहिजे. आता जर तरतुद आपण टाकली तर जमा करुन टॅली होणार. उत्तर द्या साहेब आता जर यांनी सांगितले १० लाख वाढवा तुम्ही आणणार कुठून खर्च तुम्ही तरतुद केली मग जमा कुठून आणणार सरळ सांगा साहेब की, तुम्ही चुक केली आहे. तुमच्याकडून चूक झालेली आहे. तुम्ही मिसगाईड करू नका साहेब.

शरद बेलवटे :-

हेड जे होतं ते हेड मागील ४,५ वर्षामध्ये युज नव्हत म्हणून ते ऑटोमॅटिकली लॅब झालेलं आहे त्याच्या सहीत.

प्रमोद सामंत :-

१० लाख तरतुद होती ना.

शरद बेलवटे :-

साहेब तरतुद होती परंतु मागील ३ वर्षांपर्यंत त्याच्यावर युज केलेल नाही आहे.

प्रमोद सामंत :-

युज केल नाही तर तुम्ही १० लाख काढलेत ना.

शरद बेलवटे :-

साहेब जर युज झाले ना आपण हे पुरवतो ना हे पुरलं पाहिजे ना.

प्रमोद सामंत :-

२०१५-१६ ला तरतुद होती १० लाखाची.

शरद बेलवटे :-

होती साहेब २०१५-१६ ला सुध्दा तरतुद होती. खर्चच पडलेला नाही ३ वर्षांपर्यंत.

प्रमोद सामंत :-

तरतुद होती की नाही?

शरद बेलवटे :-

तरतुद केलेली होती.

प्रमोद सामंत :-

प्रोव्हिजन केलं होत की नाही?

शरद बेलवटे :-

हो.

प्रमोद सामंत :-

मग ती यायला पाहिजे ना साहेब.

शरद बेलवटे :-

कुठे आहेत.

प्रमोद सामंत :-

२०१५-१६ चे एकुण १० लाख रुपये वाढले ना तुमचे हिशोबात तुमच्या जमा खर्च बाजुमध्ये २०१५-१६ मध्ये २.९३ हे बरोबर आहेत की २.९३ नसुन ते ३.१० आहेत ३.३ आहेत. किती आहेत ते. काय साहेब समजत नाही तुम्ही एवढ मी बोलतोय ते. आम्ही बोलतो ते कधी-कधी ऐकायचं तुम्ही १७ नंबरवरती १० लाखाची तरतुद केलेली गेल्या वर्षी १० लाखाची तरतुद आता टोटलमध्ये दिसत नाही. मग ती २.९३ टोटल आहे ती.

शरद बेलवटे :-

२०१५-१६ ला साहेब ५ लाखाची तरतुद होती बरोबर परंतु मागील ४-५ वर्षामध्ये

प्रमोद सामंत :-

ते ४-५ वर्ष जाऊ दे. ह्या वर्षात तुम्ही ५ लाखाची तरतुद ठेवली खर्च पडला नाही.

शरद बेलवटे :-

नाही.

प्रमोद सामंत :-

मग ते तुमचे ५ लाख अॅड झाले पाहिजे २.९३ मध्ये.

शरद बेलवटे :-

मग दुसऱ्या हेडमध्ये गेले ना ते.

प्रमोद सामंत :-

असे कसे गेले कुठल्याही हेडमध्ये ते.

शरद बेलवटे :-

त्यांनी दुसरीकडे वापरायला घेतले ना सर.

प्रमोद सामंत :-

रि-अॅप्रोप्रिएशन केल का?

शरद बेलवटे :-

सुधारित बजेटमध्ये त्यांनी करुन घेतले दुसरीकडे.

प्रमोद सामंत :-

अस काय करत आहेत साहेब कुठल्या सुधारित बजेटमध्ये तुम्ही हेडचं काढून टाकलंत आणि पैसे पण काढून टाकले.

भगवती शर्मा :-

प्रमोदजी बेलवटे साहेब का सिधा यह कहना है जो १७ नंबर हेड आप बोल रहे हो पिछले ३ साल से, ४ साल से खर्चा नहीं होने के कारण से वह हेड ही खत्म कर दिया है। इसलिए ये प्लस मायनस है इन्होंने सुचना दी है वह सुचना अॅक्सेप्टेबल नहीं है। अगर वह अॅक्सेप्ट होती तो प्लस मायनस में फरक पडता इसलिए उन्होंने वह हेड ही निकाल डाला।

प्रमोद सामंत :-

हेड निकाल दिया लेकिन ५ लाख तो जगह पे है।

भगवती शर्मा :-

उन्होंने हेड निकाला है या नहीं निकाला है।

प्रमोद सामंत :-

फिर ५ लाख किधर गए। तरतुद कुठे गेली ५ लाख पण गायब केले ५ लाख खर्च काढून टाकणार का तुम्ही.

मा. महापौर :-

प्रमोदजी वह बोल रहे है की सुधारित में उसको अॅडजस्ट किया फिर भी आपको कोई शंका है और हम भी चेक करेंगे ऐसी कोई त्रुटी रह गई है.....

प्रमोद सामंत :-

२०१५-१६ चा सुधारित आलेला नाही. २०१५-१६ चा सुधारित आला आहे का तुमचा?

शरद बेलवटे :-

२०१५-१६ चा सुधारित आला आहे ना साहेब.

प्रमोद सामंत :-

पण तो महसुलमध्ये आला आहे सुधारित तुमचा.

शरद बेलवटे :-

२०१५-१६ दिला ना साहेब मी तुम्हाला.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

बेलवटे साहेब मिसगाईड कर रहे है। मेरे ख्याल से आप भी ग्रॅज्युएट हो आप भी एज्युकेट हो की अंदाजपत्रक बनाते वक्त इन्कम अॅड अॅक्सपेंडीचर दोनो टॅली होना चाहिए अगर इन्होंने हेड निकाल दिया फिर भी वहाँ पे उसकी प्रोव्हिजन आनी चाहिए। क्योंकि हम २०१४-१५ का भी दे रहे है। १५-१६ का भी दे रहे है, और आनेवाले १६-१७ का भी दे रहे है। उनको निकालनेका कोई राईटस् नहीं अगर निकालते है तो इस सब प्रोव्हिजन नहीं आएगी। लेकिन उसकी लास्ट इयर का इफेक्ट आनाही चाहिए सुधारित में जो अॅक्युअल और इसमें होता है। लेकिन उसने लिया नहीं है। और उनकी गलती है।

जुबेर इनामदार :-

हेड नको हवा होता तर तुम्हाला सुधारितमध्ये ते दाखवायला पाहिजे होतं आणि नविन वर्षामध्ये ते हेडच्या समोर.....

ध्रुवकिशोर पाटील :-

तुम्ही नीट दाखवायला पाहिजे.

जुबेर इनामदार :-

तुम्हाला हेड ठेवायला पाहिजे तुम्ही हेड कशाला वापरू शकतात. कुठेतरी चुकला आहात.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

साहेब तुम्ही तुमची चुक अॅक्सेप्ट करा आम्ही माफ करतो.

शरद बेलवटे :-

तुम्ही बजेट बनवले त्यावेळी तुम्ही असे निर्देश दिलेले होते. ३ वर्ष खर्च पडला नसेल तर ते ड्रॉप करायचं आणि त्याची हेड दुसरीकडे वापरायला घ्या.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

साहेब ती ह्या वर्षाची प्रोव्हिजन फिल अप करा मागच्या वर्षाची प्रोव्हिजन दाखवावी लागेल ना.

नरेंद्र मेहता :-

सन्मा. सदस्य जी माहिती दिली ती अत्यंत सत्य आहे. २०१५-१६ ला ती तरतुद आणि आता १६-१७ निल दाखवायला पाहिजे होती. म्हणजे जे उरलेली शिल्लक रक्कम आहे. त्यामध्ये ५ लाखाची आपल वाढ झाली असती त्यांना ते हेड तरी एखादा ५ लाख हेड कुठेतरी समावेश केला असेल तर नक्की त्या कोणत्या हेडमध्ये ती फिगर समावेश केली म्हणते ती टोटल टॅली होऊ शकते की आता एखादा गणवेश खरेदीमध्ये असेल. आता बुट खरेदीमध्ये टाकला तर तिकडची फिगर वाढवायला पाहिजे कुठेतरी ५ लाखाची अलग हेड काढायला हरकत नाही आहे. पण जसं २०१५-१६ मध्ये ते ५ लाख दिसले पाहिजे होते. ज्या दिवशी अखेरची शिल्लक ते आले पाहिजे आणि १६-१७ ला ते निल दाखवायला पाहिजे म्हणजे आम्ही आता हेड उडवितो

आता जी काही ५ लाखाची नक्की त्यांनी दुसऱ्या हेडमध्ये अॅडजस्ट केले तर ते नक्की कुठे केले आहेत नाही तर त्या सुधारणासकट ५ लाखाची हेड आम्ही मंजूरी देतो.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

पण आमदार साहेब महासभेत म्हणजे त्या बजेटचा आता तुम्ही कस रिफ्लेक्शन करणार सांगा मला. साहेब महासभेला अधिकार नाही ना आता रिफ्लेक्शन करायला आता. तुमचा ठराव झालेला आहे आणि आता चेंज करू शकत नाही

नरेंद्र मेहता :-

१० प्लस १०-२० होतात एखादा १८ झाला तर २० करा तर अस कधी होऊ शकत नाही महासभेत. एखादे मला सांगा १६-१७ जागी १७-१८ छापल असतं तर बजेट वापरायचाच नाही का?

रोहिदास पाटील :-

महापौर मॅडम याच्यामध्ये अस चित्र होता कामा नये चुक भुल द्यावी घ्यावी आज रोख उद्या उधार अस नाही होणार ना. हे बजेट आहे हा तांत्रिक मुद्द्याचं झाल आहे की जेव्हा आपण बजेटला मंजूरी दिली आता आपण दुरुस्ती सुधारतो किंवा त्यांनी मान्य केलं तर हे कस घ्यायचं असा प्रश्न आला ना आता. अधिकाऱ्यांनी त्या गोष्टीचे नक्की बारकाईने लक्ष ठेवायला पाहिजे. नगरसेवक अभ्यास करत नाही असे समजु नये. त्यांची ती धारणा झालेली आहे किंवा हे चालुन जाते असं नाही व्हायला पाहिजे ना.

प्रमोद सामंत :-

त्यांच्या पुढे जाऊन सांगतो की, सुधारित जे आपण केलेले आहे मा. आयुक्तांनी सुधारित दिलेले आहे ते महसुली जमा बाजु केलेली आहे सुधारणा जी काही आहे ती खर्चाच्या बाजुस आपल्याला काही चेंजेस करायचे असतील त्या एखाद्या हेडच्या खालचे पैसे आपल्याला काढायचे असतील तर आपण रि-अप्रोप्रिएशन पुन्हा विनियोजन करतो. असेच आपण कुठलेही ५ लाख रुपये काढून टाकत नाही. त्याखाली एखाद लाख रुपये ५० हजार रुपये काही तरी ठेवतो ते हेड वरती बरोबर बोलले आहे ना बेलवटे साहेब. नाही ठेवत अशीच काढतो. बरोबर ना मग ते कुठे गेले ३ हेड आहेत एक हेड नाही तीन हेड आहेत.

जुबेर इनामदार :-

कारण तो माझाच अधिकार आहे काय चुकलं ते सांगा मी करुन देतो. तुम्ही किती चुका केल्या तरी आम्ही मान्य करतो. सांगा बेलवटे साहेब किती आकडे कुठे वाढवायचे काही चुकलं तर सुधारणा आणु आपण त्याच्यामध्ये.

नरेंद्र मेहता :-

विषय सभागृहात आल्यानंतर तो त्यांच्या किंवा आमचा राहत नाही. आम्ही पण त्याच्यावर ठराव करू शकतो. तुम्हीही ठराव करू शकतात. अस नाही की सभागृहात पटलावर आल्यानंतर तो तुमचा तुम्ही ठराव त्याच्यावर करणार आम्ही.....

जुबेर इनामदार :-

आम्ही “ज” च्या माध्यमातून करतो फक्त हेड वाया घालवायचा नाही.

नरेंद्र मेहता :-

तुम्हाला एखादा वाटल आम्ही केलेला विषय बरोबर आहे. अस तुम्ही त्याला मंजूरी देऊ शकतात. अस थोडी आहे की आम्ही आणल तर आम्हाला करावचं लागेल.

जुबेर इनामदार :-

तुमच्या विषयपत्रिकेवरचा विषयप्रमाणे तुम्हाला ते बदल घडवता येत नाही मला ते घडवता येतात. फक्त वेळ वाया नाही गेला पाहिजे सभागृहाचा म्हणून आपण एकत्र.....

नरेंद्र मेहता :-

सचिव साहेब विषय कोणाचा होता तो सभागृहाचा की व्यक्तीगत आहे.

जुबेर इनामदार :-

नाही आधी मांडला कोणी. “ज” चा प्रस्ताव कुणाचा असतो.

नरेंद्र मेहता :-

मांडला त्यानेच फक्त भाषण कराव.

जुबेर इनामदार :-

साहेब चर्चा चालु आहे अर्थसंकल्पावर चर्चा व्हावी. अर्थसंकल्पावर एक दिवस नाही दहा दिवस चर्चा झाली पाहिजे.

मा. महापौर :-

जुबेरजी आपसे विनंती सभागृह का टाईम जरा किंमती समझके आपको जो भी ठराव लेना है आप ठराव लिजीए।

प्रमोद सामंत :-

दुरुस्ती दे दो तो करेंगे ना चेंज। तीन हेड मधली फिगर्स आपण २०१५-१६ ला जे ठेवलेल्या त्या आता आपल्या बजेटच्या टोटलमध्ये किंवा बजेटमध्ये दिसत नाही आहेत.



शरद बेलवटे :-

त्यामध्ये काही जी सेविंग झालेली होती ती सगळी शाळा इमारत दुरुस्ती निगा याच्याखाली नेऊन ठेवलेली आहे. ५० लाख तीथे तरतुद ठेवलेली आहे. शाळेच्या बजेटमध्ये केलेली आहे.

प्रमोद सामंत :-

तुम्ही रि-अप्रोप्रिएशन केल का त्याच?

शरद बेलवटे :-

सुधारित केलं बजेट.

जुबेर इनामदार :-

तुम्हाला त्याचा अधिकार कोणी दिला लेखाशिर्षक कमी करायला चला तुम्हाला अधिकार दिला तसा तुम्ही रि-अप्रोप्रिएशन केला आहे का ते? तुम्ही करू शकता का ते? तुम्ही चुकलात ते कबुल करा. लेखाशिर्षक उडवूनच टाकला आणि सुधारित देत आहेत. तुम्हाला नको आहे ते लेखाशिर्षक पुढच्या वर्षामध्ये तुम्ही ते नविन दाखवा.

प्रमोद सामंत :-

साहेब कस आहे आपण बऱ्याच हेड खाली खर्च करत नाही. जस आता वाहन खरेदी वगैरे भांडवली खर्च १ लाख रुपये आपण ते एक लाख वरचं हेड उडवून टाकत नाही. हे तसंच ठेवतो १ लाख रुपये शिल्लकमध्ये येतात. किंवा कुठेतरी तो खर्च होतो.

शरद बेलवटे :-

आम्ही जे दिलेले आहेत ते स्थायी समितीने तयार केलेला बजेट आहे. सादर करणे मला काय आहे त्यात सदस्य तुमचे होते त्यांना सांगा.

प्रमोद सामंत :-

जा तुम्ही तुम्ही कशाला आहेत त्यांना विचारायचं तर काय बेलवटे साहेब बोलतात तुम्ही.

जुबेर इनामदार :-

बेलवटे साहेब आयुक्तांनी हा अर्थसंकल्प स्थायी समितीला सादर केला आयुक्त अकाउंटन्ट नाहीत पालिकेचे.....

शरद बेलवटे :-

तुम्ही काही ठरवायचं आहे ते तुम्ही ठरवायचं आहे ना आता.

जुबेर इनामदार :-

आयुक्तांना जस तुम्ही दिले आहेत त्याच्यामध्ये कमी जास्त वाटल त्यांनी करुन दिलेले आहे. याच्यामध्ये चुक झाली ते कबुल तर करा.

प्रमोद सामंत :-

चुक झाली तर चुक सांगा.

जुबेर इनामदार :-

चुक झाली म्हणून कबुल तर करा ती.

मा. आयुक्त :-

अंतीम हे करताना करेक्शन करुन घेतल आहे ते.

मा. महापौर :-

आपण ठराव मांडायचा आहे प्रमोदजी आपल्याला ठराव मांडायचा आहे.

प्रमोद सामंत :-

मा. आयुक्त मिरा भाईंदर महानगरपालिका यांनी शिक्षण विभागाचे सादर केलेले सन २०१५-१६ सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकामध्ये सुचविलेल्या अपेक्षित जमा व खर्चाच्या बाजुत कोणताही बदल न करता सन २०१५-१६ सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अर्थसंकल्पीय अंदाजपत्रकातील राहिलेल्या त्रुटींची सुधारणा करुन राहिलेल्या विविध लेखा विषयाखाली तरतुदी पुन्हा पुर्ववत करुन सुधारणा करण्यास ही मा. विशेष महासभा मंजूरी देत आहे, असा मी ठराव मांडत आहे.

अशरफ शेख :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

आप यह टाईम का सदुपयोग करिए। शायरीया बोलने के लिए जब तक ठराव आता है, तब तक आप शायरी बोलिए। मम्मी की भी बहुत इच्छा है हिंदी वाली शायरी बोलिए।

जुबेर इनामदार :-

हो ना हो अपना उसे अपनाने की जिद ना करो इस समंदर में बहुत तुफान आते है। इसके साहील पर अपना घर बनाने की जिद ना करो।

नरेंद्र मेहता :-

यह वक्त-वक्त की बात है। इन्होंने समंदर का कीया वक्त के समंदर में कभी किनारा नहीं आता। वक्त के जीवन में कभी इशारा नहीं आता यह वक्त दुनिया की मेहंगी है चिज इसे संभाल के रख यह वक्त बे वक्त तेरे काम आएगा।

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १७९ करिता दोन ठराव आलेले आहेत. पहिला ठराव सुचक श्रीम. निलम ढवण दुसरा ठराव सुचक श्री. प्रमोद सामंत. "ज" खाली दोन्ही हे क्लब केलेले आहेत. दोन्ही प्रस्ताव मी मतदानास टाकतो. तीन राहिलेल्या तृतीची सुधारणा करुन राहिलेल्या मी वाचुन दाखवितो.

जुबेर इनामदार :-

आयुक्तांच्या मान्यतेमध्ये आणि स्थायी समितीमध्ये फक्त ५० लाखांचा फरक आहे.

नगरसचिव :-

श्री. प्रमोद सामंत यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने जे असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ कोणी असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. श्रीम. निलम ढवण यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने जे असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ कोणी असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत.

मा. महापौर :-

श्रीम. निलम ढवण यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने ४६, विरोधात २९ इतकी मते पडलेली आहेत. श्रीम. निलम ढवण यांनी मांडलेला ठराव बहुमताने मंजूर करण्यांत येत आहे.

प्रकरण क्र. १७९ :-

शिक्षण विभागाचे सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास मान्यता मिळणेबाबत. (मा. स्थायी समिती सभा दि. ०४/०३/२०१६ नुसार शिफारस केलेले प्रकरण क्र. १६३, ठराव क्र. १५८)

ठराव क्र. १४१ :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका शिक्षण विभागाचे सन २०१५-१६ सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकाबाबत मा. आयुक्त साो., यांनी सादर केलेल्या अंदाजपत्रकामध्ये चर्चा करुन काही दुरुस्त्या सुचविल्याप्रमाणे मा. स्थायी समितीने मंजूर केलेले अंदाजपत्रक स्विकारुन यास मा. विशेष महासभा मंजूरी देत आहे, असा मी ठराव करीत आहे.

| तपशिल | (आकडे लाखांत) | |
|------------------------------|----------------------------|------------------------|
| | 2015-16 (सुधारित अंदाज) | 2016-17 (मुळ अंदाज) |
| एकूण जमा | 1370.00 | 1519.00 |
| 'अ' अंदाजपत्रकातून हस्तांतरण | 1320.50 | 1663.25 |
| एकूण खर्च | 2690.50 | 3182.25 |

सुचक :- श्रीम निलम ढवण**अनुमोदक :- श्रीम. तारा घरत**

| अ.क्र. | ठरावाच्या बाजूने | अ.क्र. | ठरावाच्या विरोधात | तटस्थ |
|--------|-----------------------------|--------|-----------------------------|-------|
| १ | मेहता नरेंद्र लालचंद | १ | कॅटलीन ऍन्थोनी परेरा | निरंक |
| २ | शरद केशव पाटील | २ | सय्यद नुरजहाँ नझर हुसेन | |
| ३ | पाटील रोहिदास शंकर | ३ | ध्रुवकिशोर पाटील | |
| ४ | म्हात्रे कल्पना महेश | ४ | डिमेलो बर्नड अल्बर्ट | |
| ५ | भानुशाली वर्षा गिरधर | ५ | शिल्पा भावसार | |
| ६ | मिरादेवी रामलाल यादव | ६ | सॅन्ड्रा जेफ्री रॉड्रीक्स | |
| ७ | कोठारी सुमन रमेश | ७ | रॉड्रीक्स बाबरा डॉनल्ड | |
| ८ | डॉ. नयना मनोज वसाणी | ८ | दक्षता राजेंद्र ठाकूर | |
| ९ | सिमा कमलेश शहा | ९ | पाटील वंदना विकास | |
| १० | जैन गिता भरत | १० | शबनम लियाकत शेख | |
| ११ | अरोरा दिपीका पंकज | ११ | सुमबंद महरुत्रीसा हारुनरशीद | |
| १२ | रावल भगवती जयशंकर | १२ | प्रभात प्रकाश पाटील | |
| १३ | मेहता डिंपल विनोद | १३ | पाटील सुनिता कैलास | |
| १४ | मेघना दिपक रावल | १४ | झिनत रऊफ कुरेशी | |
| १५ | शर्मा सुनिला सत्येंद्र | १५ | विराणी रेखा अनिल | |
| १६ | प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील | १६ | पुजारी कांचना शेखर | |
| १७ | सुजाता रविकांत शिंदे | १७ | पिसाळ मनिषा नामदेव | |

| | | | |
|----|-----------------------------|----|---------------------------|
| १८ | पाटील प्रेमनाथ गजानन | १८ | डिसा मर्लिन मर्विन |
| १९ | सिंग मदन उदितनारायण | १९ | अनिता जयवंत पाटील |
| २० | कांगणे यशवंत ठकाजी | २० | गोविंद हेलन जॉर्जी |
| २१ | अनिल बाबुराव भोसले | २१ | इनामदार जुबेर |
| २२ | कासोदरीया अश्विन श्यामजी | २२ | वेतोसकर राजेश शंकर |
| २३ | जैन दिनेश तेजराज | २३ | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम |
| २४ | जैन रमेश धरमचंद्र | २४ | सामंत प्रमोद जयराम |
| २५ | डॉ. राजेंद्र जैन | २५ | मेन्डोसा स्टिवन जॉन |
| २६ | निलम हरिश्चंद्र ढवण | २६ | लियाकत ग. शेख |
| २७ | तारा विनायक घरत | २७ | भोईर कमलेश यशवंत |
| २८ | शुभांगी महिन कोटीयन | २८ | वंदना मंगेश पाटील |
| २९ | परमार अनिता भरत | २९ | म्हात्रे परशुराम पद्माकर |
| ३० | गावंड मंदाकिणी आत्माराम | | |
| ३१ | म्हात्रे प्रभाकर पद्माकर | | |
| ३२ | संदिप मोहन पाटील | | |
| ३३ | दळवी प्रशांत ज्ञानदेव | | |
| ३४ | हरिश्चंद्र रामचंद्र आमगावकर | | |
| ३५ | प्रविण मोरेश्वर पाटील | | |
| ३६ | ठाकूर अरविंद दत्ताराम | | |
| ३७ | शाह राकेश रतिशचंद्र | | |
| ३८ | जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील | | |
| ३९ | केळुसकर प्रशांत नारायण | | |
| ४० | भोईर भावना राजू | | |
| ४१ | भोईर राजू यशवंत | | |
| ४२ | जाधव मोहन महादेव | | |
| ४३ | मुन्ना सिंग | | |
| ४४ | अॅड. रवि व्यास | | |
| ४५ | दिप्ती शेखर भट | | |
| ४६ | मयेकर सरस्वती रजनीकांत | | |

ठराव बहुमताने मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

धुवकिशोर पाटील :-

मॅडम दोन लाईन डिकलेअर करा.

मा. महापौर :-

चलो आपने बोला हमने मान लिया।

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १८०, परिवहन सेवेचे सन २०१५-१६ चे सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास मान्यता मिळणेबाबत. (मा. स्थायी समिती सभा दि. ०४/०३/२०१६ नुसार शिफारस केलेले प्रकरण क्र. १६४, ठराव क्र. १५९) तसेच "ज" सन्मा. सदस्य श्री. जुबेर अ. इनामदार यांचा दिनांक १४/०३/२०१६ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. — मिरा भाईंदर महानगरपालिका परिवहन सेवेने मंजूर केलेले सन २०१५-१६ चे सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकाच्या लेखाशिर्षकातील जमा व खर्च बाजू बाबत चर्चा करुन निधीत बदल करणेबाबत.

जुबेर इनामदार :-

मा. महापौर मॅडम, परिवहन म्हणजे एक ऑफलाईन लाईफ लाईफ लाईन ऑफ द सिटी मात्र तो ज्वलंत विषय आहे. ज्वलंत याच्यासाठी की, याच्यावर या परिवहनसाठी किती तरी आंदोलन झाली चांगला प्रकल्प, चांगली योजना. या शहरामध्ये राबावी याच्यासाठी कोणावर दोष देत नाही खरतर प्रत्येक पक्षाने आपल्या पध्दतीने प्रयत्न केला आम्ही सत्तेवर होतो तेव्हा केला. तुम्ही आहात तुम्हीही करत आहेत. तुमचही अभिनंदन विषय असा आहे प्रशासनाची भुमिका याच्यामध्ये काही राहिली नाही. प्रशासनाच्या हलगर्जीपणामुळे आमचा परिवहन रखडतोय डबक्याला आला. याच्या आधी नशीब चांगल शासनाने जे.एन.एन.यु.आर.एम. अंतर्गत ५० बसेस याच्या आधी आपल्याला दिल्या. बसेसमध्ये ५० टक्के केंद्र आणि राज्य शासनाचा ५० टक्के

महापालिकेची निधी आपल्याकडे आपली ऐपत नाही म्हणून आपण पी.पी.पी.च्या माध्यमातून पब्लिक प्रायव्हेट पार्टनरशिपच्या माध्यमातून आपण आपला ५० टक्के चा जो हिस्सा होता तो तयार केला आहे ठेकेदाराच्या माध्यमातून त्या ठेकेदारानी काय केल आज बसेसची काय परिस्थिती आहे ही सगळी डोळ्या समोर असताना सुध्दा परत जो आमचा अर्थसंकल्प सादर करण्यांत आलेला आहे त्याच्यावरती मला तरी वाटतं प्रशासनाने अभ्यासच केला नसावा. फक्त चालवण्यात हेड आमदार साहेब प्रकारच्या पुढे ताणुन ताणुन खेचून कसा तरी परिवहन चालवायचा आलेल्या अनुदानाचा कुठेतरी विल्हेवाट लाऊन टाकायची काय त्यातुन निष्पन्न होणार आहे. अधिकाऱ्यांना काय त्याचा स्वार्थ असेल याच्या वरती मला भाषण करायचं आहे. अर्थसंकल्प दिला पी.पी.पी पासून उत्पन्न स्वामित्व धन १.८२ कोटी रुपये दाखविण्यांत आलं. आपल्याला कुठल्या प्रणालीवर कशा पध्दतीने बसेस चालवायच्या आहे ते अजुन ठरलं नसताना बरच त्याच्यावरती चर्चा झाली गेल्या महासभेमध्ये गटनेत्यांची बैठक लागणार होती त्या कारणाला बहुतेक ती प्रलंबित ठरणार होती. दुसऱ्या बाजूला म्हणजे १२ कोटी रुपये अ बजेट मधून हस्तांतर आयुक्त महोदय अनुदानातला १०० टक्के आपल्याला बसेस परिवहन सेवा मिळणार आहे. १०० टक्के अनुदान, ८० टक्के, १०० टक्के अनुदान आपल्याला प्राप्त होत असताना आपल्याला हे हस्तांतराची रक्कमाची गरज लागते कुठून. आपला तोटा होतो तरी कुठे एका बाजूला ५० बसेस आपल्याकडे पडल्या आहेत. त्याची भंगाराची अवस्था झाली आहे. पण २८ बसेस नविन पण १०० मधून आलेत त्या आपण चालवतो त्याचं अजुन काही धोरण ठरलेलं नाही. तरीही अ बजेट मधून म्हणजे मुळ बजेटमधून १२ कोटी रुपये त्यांना हस्तांतराचे पाहिजे. म्हणजे फक्त परिवहन जे डबक्याला गेलेल्या अनुदानातले पैसे आलेले त्याला आपण अशाप्रकारे खर्च केले. त्याला कुठेच हिशोब आपल्याला सापडत नाही. त्याचा फायदा होतो त्याची सोयी आपण लोकांना पुरवू शकत नाही तस असताना सुध्दा एका बाजूने आपल्या तफावतीचा बजेट आहे मुळ बजेट आयुक्त महोदय त्याच्यावर आता आपण येणारचं आहोत तशी परिस्थिती असताना सुध्दा हा बजेट वरुन १२ कोटी रुपये हस्तांतर पाहिजे. अतीकालीन जुनी बसेस विक्री करणार म्हणे. उत्पादनाची बाजू २ कोटी रुपये कशी विकणार तुम्ही. न्यायप्रविष्ट विषय आहे आर.बी. ट्रेडनमध्ये चालल आहे त्यांनी ४५ कोटी रुपये आपल्यावरती दावा दाखल केला आपण ४० चा करतो दुसऱ्या बाजूला ६ कोटीहून जास्त रक्कम वेगवेगळ्या ७ कोटी रुपये आपल्याला त्या ठेकेदाराकडून घ्यायचे आहेत. त्याच्यामध्ये टॅक्स आहे वॉट आहे. बरच काही बालउपोषणाची सगळ त्यांनी नाही भरल तर आपल्याला भराव लागणार आहे. याची कुठे काय तरतूद नाही २ कोटी रुपयांची त्या भंगार बसेसची तयारी झाली विकायची २ कोटी रुपयामध्ये आमची तयारी झाली याचा जमा बाजू म्हणजे महसूल जमामध्ये तुम्ही त्याचा उल्लेख केला आणि मला वाईट वाटत साहेब मी त्यांच्या कार्यालयामध्ये गेलो होतो. उपायुक्त परिवहन त्यांना या विषयाची जाणीव नाही. त्यांनी कल्पिता वडे मॅडमला बोलवलं त्यांनी मला थातुर मातूर उत्तर दिले. त्यांना तेव्हा ही विचारा तुम्ही विकु शकाल का? हा विषय न्यायप्रविष्ट असताना तुम्हाला विकता येईल का? कारण की आता ५० टक्के पी.पी.पी. तत्वावर ज्या ठेकेदाराने त्या बसेस आपल्याकडून घेतल्या त्यांनी तो पैसा उभारला तो बँकेकडून कर्ज घेतला आणि तो कर्ज घेतल्यामध्ये प्रिन्सीपली आपण त्याच्यामध्ये कुठेतरी अडकलो अस करताना त्या बसेस विकु शकतो का. विकु शकत नाही तरी तुम्ही त्याच्यामध्ये म्हणजे याचा अर्थ तुम्हाला कदाचित साहेब प्रशासनाला वाटत असेल ते सदस्य लोकप्रतिनिधींना वाचत नाही त्याला समज नाही त्या गोष्टीची. खर्चाच्या बाजुमध्ये इंधन, वंगण, स्पेअर पार्ट बसेस आता विकत घेतल्या त्या बसेस म्हणून तुमच्या अर्थसंकल्पाप्रमाणे जुन्या बसेस विकायच्या आहेत. आता नविन बसेस घेतले त्याची कंपनी वर्षभर तरी वॉरंटी गॅरंटी आहे तरी दिड कोटी रुपये पाहिजेत. जी.सी.सी. तत्वावर बस चालविणार तुम्ही १८ जमा करतात १८ कमी करतात ठिक आहे. भुसंपादन, आगर बांधणे अहवाल तयार केला आयुक्त महोदय आपलं लक्ष केंद्रित करु इच्छितो. प्रशासकीय विषय आहे सभापतींनी फक्त प्रोजेक्ट प्रस्तावित केलेलं स्थायी समितीला त्याच अभिनंदन आयुक्तांचे अंदाज आहेत त्याच्यामध्ये आयुक्तांच्या अंदाजावरती चर्चा करायची आहे ना. भुसंपादन आगर बांधकाम विकास.....

नरेंद्र मेहता :-

महापौर मॅडम आयुक्तांचा अंदाज नामंजुर होऊन स्थायी समितीने मंजुरी दिली आता जी काही चर्चा आहे ती त्याच्यावर आहे.

जुबेर इनामदार :-

भुसंपादन आगर बांधकाम व इतर साहेब आपण ८ कोटी रुपये ठेवले आहेत डी.पी.आर तयार झाला तेव्हा आगाराचे पैसे आपल्याला येणार होते त्या डी.पी.आर मध्ये आलेले आहेत. म्हणजे आपल्याला मिळणार होते ते शासनाकडून अनुदान होते ते ३१ मार्च २०१४ रोजी पर्यंत समजा आपण अनुदान आपली तयारी दर्शविली असती तर आपल्याला त्यावेळी त्या भुआगाराची पैसे सुध्दा आपल्याला अनुदानाचा स्वरूपात मिळाले असते आज ते मिळाले नाही म्हणून आपल्याला आता ८ कोटी रुपये पालिकेच्या निधीतुन द्यायला लागत आहेत. याला कारणभूत कोण अधिकारी नाही आम्ही सभापती याच्या आधी होते ते सभापती वाईट वाटून घेऊ नका. आमदार साहेब विषय ऐकून घ्या. आधी समजून घ्या आपला कुठे चालला आहे प्रकार तो. तुमच्या सत्ताधऱ्यांचा सभापती बसले आहेत अभिनंदन त्याचे. त्यांनी मांडलेल्या अर्थसंकल्पाला आम्ही स्विकारत नाही बाकी कमीत-कमी त्यांचा तो त्यांनी अधिकार परिपूर्ण पूर्ण केला मात्र जिथे प्रशासन चुकतो. आम्ही लोकप्रतिनिधी त्या विषयाला समोर आणलं नाही तर त्याचा अर्थ राहत नाही. दुसऱ्या बाजुने जर परत २५ कोटी रुपये पाहिजे. नविन बसेस खरेदी करायला अजुन आपल काय आहे त्याचा ठिकाणा नाही. २५ कोटी रुपये परत प्रोजेक्शन दाखवते नविन बसेस खरेदी करणार २८ चालवीता येत नाही. १००दिले त्यातुन २८

चालत आहेत विषय आयुक्त महोदय तुमच्या निदर्शनास आणुन घ्यायचे याच कारण होतं जे काही चाललेल आहे त्याला कुठेतरी ब्रेक लागला पाहिजे हे शहर पाण्यासाठी पेटतो. परिवहनसाठी लोक तुमच्याकडे मोर्चे घेऊन येतात आणि सगळ याला कारण नाही चुकला असता तर आज परिस्थिती आमच्या परिवहनची नसती आपल्याला सगळेच काय फुकट मिळालेलं मोफत याच्याआधी

मा. महापौर :-

जुबेरजी आपकी सुचना हो गई।

जुबेर इनामदार :-

नही डिस्कशन आहे चर्चा आहे. चर्चा आहे मॅने जीगर के साथ कहाँ पर प्रशासनाने कम ज्यादा किया उसपर मैंने आपको बताया।

मा. महापौर :-

उत्तर ले लीजिए।

जुबेर इनामदार :-

आयुक्त महोदयने आपले निवेदन करावे.

मा. महापौर :-

सबको एक साथ दे रहे है आप बैठिए।

नरेंद्र मेहता :-

महापौर मॅडम खर म्हणजे जुबेर इनामदारांनी जे आज काही प्रश्न उपस्थित केले आहेत हे सगळ धोरण ठरविण्याबाबत आहे बजेटबाबत नाही. आपण चर्चा करतो बजेटवर बजेट सादर केला. त्यामध्ये काय त्यांनी कमी जास्त करायचं तरी बजेट सादर केल्यावर सभापती महोदयांचं पण अभिनंदन करतो त्यांनी १२ कोटी सांगितले ते ६.५० कोटी केले. जिकडे काटकसर करायची तिकडे तर आम्ही काटकसर केलेली आहे. ती १२ कोटी नाही. ६.५० कोटी आहे. राहिला प्रश्न ठेकेदार, आर.बी. ट्रेडन परिस्थिती काय एवढे पैसे घ्यायचे. तेवढे पैसे घ्यायचे बँक लोन हे सगळ भरणार नाही भरणार मुझे वापस एक शायरी याद आती है। जुबेरजी याच्याकडे हे सगळ सुधारायला त्यावेळी वेळ होता ठेकेदार त्यांचा जब इनका वक्त था तब इनके पास वक्त ही नहीं था यह सब काम देखने के लिए आज इनका वक्त नहीं है तो यह सारा वक्त निकाल रहे है। काम देखने के लिए जब आपका वक्त था तब आपके पास वक्त नहीं था। आज आपका वक्त नहीं है तो आपको बहुत सारा वक्त है।

जुबेर इनामदार :-

ऊंगलीया थक गई पत्थर तरसते तरसते हम शहर के बारे में बोल रहे है। जब सुरज बनी यार की तो लुटेरे आ गए।

नरेंद्र मेहता :-

बहुत ही सुंदर इन्होंने कहाँ और सबसे ज्यादा इसमें इथे वाईट मानायचं काही कारण नाही शेवटी या सभागृहामध्ये जनता बघत बसतात आणि जनतेने कोणाबरोबर काय न्याय दिला आहे हे सर्वांना जगजाहिर आहे की अभी दिल्ली से गल्ली की बात करो तो आपको उसका जवाब जनता ने दिया है। महापौर मॅडम ह्या ज्या बसची परिस्थिती आहे हे करारनामा त्यावेळी झालेले आहे आता हे सगळ आम्ही पाळतोय ठेकेदारांनी इन्स्टॉलमेंट नाही भरल हे नाही भरले त्यावेळी कदाचित सुधारणा केली मी परत सांगतो मला भाषणावर जायचं नाही आहे आजचा मुळ जो आमच आहे परिवहनसाठी बजेट सादर केलेला आहे. सन्मा. सदस्य यामध्ये काही सुचना सादर करायची असेल तर करावं बाकी बोलायला करायला खुप काही आहे. २५ बसेस आहेत त्यासाठी आपण आता सुध्दा चालवतोय टेंडर निविदा केली तरी आपणाला ४-६ महिने लागणार आहेत. इंधनचे पैसे आपल्याला लागणार आहेत. किरकोळ मेन्टेनन्सची तरतूद करावीच लागणार आहे. शेवटी ते वाहन आहे. मोटर व्हेईकल आहे शेवटी काहीही होऊ शकते त्यावेळी ती आपल्याला तरतूद करावीच लागणार आहे. आणि राहिले महापौर मॅडम या परिवहन सेवा गंभीर प्रश्न आहे. ज्वलंत समस्या आहेत. सत्य आहेत ना याच्यात काही दुमत नाही आहे ना. आणि यामध्ये आम्ही म्हणुन १२ कोटी असु द्या, २० कोटी असु द्या हे सगळ कुठेतरी तिजोरीवर भर पडला तरी चालेल पण शेवटी महापालिकेचा राहणार आहे. नागरिकांना आपल्याला न्याय द्यावा लागेल आणि ही ज्वलंत समस्या आपल्याला कुठेतरी कितीही खर्च पडले किती तरी बोजा वाढला तरी ही सुविधा द्यावीच लागणार आहे. आणि ह्यासाठी चांगला बजेट मा. स्थायी समिती सभापतीने आणलेला आहे. आम्ही त्याच कौतुक करतो आणि विनंती राहिल सभागृहाला याच्यामध्ये कुठे राजकारण होता कामा नये. आपण सर्वांनी एकमताने मंजूर कराव अशी विनंती आहे.

प्रमोद सामंत :-

महापौर मॅडम, आयुक्त साहेब हे २ करोड ३ लाख ५२ हजार रॉयल्टी त्याची यायची बाकी आहे. बजेटमध्ये कुठे प्रोव्हिन दाखविले नाही. जुन्या ठेकेदाराची आहे का?

विजयकुमार म्हसाळ (मा. उपायुक्त (मु.)) :-

महापौरांच्या परवानगीने बोलतो पृष्ठ क्र. ३ वरती पी.पी.पी. पासुनच उत्पन्न स्वामित्व धन १.८२ सी.आर नमुद केलेले आहे.

प्रमोद सामंत :-

आणि हे बाकीच सुरक्षा अनामत इंस्ट्रुमेंट, २४ लाख ७१ हजार, ३८ लाख रुपये सिक््युरीटी आहे. त्याची हे पण येणार आहेत ना पैसे.

विजयकुमार म्हसाळ (मा. उपायुक्त (मु.)) :-

आर.बी. ट्रेडनमध्ये जे सेटल होईल ना.

प्रमोद सामंत :-

याच्या आर.बी.ट्रेडनचा काय संबंध. सुरक्षा अनामत याचा आर.बी.ट्रेडनचा काय संबंध.

विजयकुमार म्हसाळ (मा. उपायुक्त (मु.)) :-

जे काही कमी जास्तीची अमाऊंट आहे ना ती सेटल झाल्यानंतर त्याच्यावरती होईल.

प्रमोद सामंत :-

आर.बी. ट्रेडन बसेसच आहे ना. बसेसच आहे आणि आपल्या कॅल्क्युलेशन प्रमाणे रॉयल्टी २ करोड ३ लाख रुपये होते. तर आपण १.८२ का करतोय.

विजयकुमार म्हसाळ (मा. उपायुक्त (मु.)) :-

हे कॅल्क्युलेशन केलेले आहेत त्याच्यावरून १.८२ आलेले आहे.

प्रमोद सामंत :-

नाही हे आपल ऑडिट रिपोर्ट आहे.

विजयकुमार म्हसाळ (मा. उपायुक्त (मु.)) :-

ऑडिट रिपोर्ट हा आपला नाही.

प्रमोद सामंत :-

हा महापालिकेचा इंटरनल ऑडिट रिपोर्ट आहे.

कल्पिता पिंपळे-वडे :-

महापौरांच्या परवानगीने बोलते आपला आर.बी. ट्रेडनमध्ये आपण तो रॉयल्टी पोटी १ कोटी ८२ लाख. ८२ लाखाची मागणी केलेली आहे. आपली १ कोटी ८२ लाख.

प्रमोद सामंत :-

ही मागणी चुकीची आहे. ऑडिटमध्ये जी दिलेली मागणी आहे ती चुकीची आहे.

कल्पिता पिंपळे-वडे :-

हो त्याच्यामध्ये आर.बी.ट्रेडन जो आपण क्लेम केलेला आहे त्या क्लेममध्ये ४५ कोटीचा आपण क्लेम केलेला आहे. त्याच्यामध्ये हा सगळ्या फिगर्स आलेल्या आहेत. त्यातलीच एक फिगर आहे आपलं आर.बी. ट्रेडन रॉयल्टी पोटीची न आलेली रक्कम आणि त्यातले ७६ लाख रुपये आपल्याकडे जमा झालेले आहेत.

प्रमोद सामंत :-

७६ लाख रुपये जमा झालेले आहेत हे सांगाना तुम्ही. आता सुरक्षा अनामत.

कल्पिता पिंपळे-वडे :-

सुरक्षा अनामत का घेतली नाही. म्हणजे आपण आता आर.बी.ट्रेडनमध्ये आहोत लिटीकेशनमध्ये आहोत त्याचा निर्णय काय होईल हे माहिती नाही त्यामुळे आपण त्या बजेटमध्ये घेतलेल नाही.

प्रमोद सामंत :-

पण निर्णय होत नसताना आपण बसेस विकायला पण निघालो आहोत ते घेतले २ करोड रुपये. हे पण प्रोव्हिजनच आहे.

कल्पिता पिंपळे-वडे :-

नाही सर कारण आपण ४५ कोटीचा क्लेम केलेला आहे. त्याच्यामुळे आपण

प्रमोद सामंत :-

तुम्ही क्लेम केला किती ते ४५ कोटी घेतलेल नाहीत.

कल्पिता पिंपळे-वडे :-

म्हणुनच घेतलेले नाही कारण ते लिटीकेशनमध्ये आहे.

प्रमोद सामंत :-

हे घ्या ना मग तुम्ही तुमचे यायचे पैसे आहेत ते घ्या १.८२ रॉयल्टी कशी घेतली तुम्ही.

कल्पिता पिंपळे-वडे :-

कारण सर ते आपण म्हणतो आहेत आपले किलो मीटर एवढं झालेल आहे.

मा. महापौर :-

प्रमोद साहेब आपण आपली सुचना मांडायला घ्यायला पाहिजे आणि तुमचा ठराव करा.

जुबेर इनामदार :-

म्हणजे चर्चा करायची नाही.

मा. महापौर :-

मी सुचना घेतली ना त्यांची.

जुबेर इनामदार :-

मॅडम हा प्रशासनाला उत्तर देऊ द्या.

मुन्ना सिंग :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका परिवहन उपक्रमाचे सन २०१५-१६ सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकाबाबत मा. आयुक्त साो., यांनी सादर केलेल्या अंदाजपत्रकावर सविस्तर चर्चा होऊन मा. स्थायी समितीने मंजुर केलेले सुधारित व मूळ अंदाजपत्रकात काही दुरुस्त्या करून मा. महासभा सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास मंजूरी देत आहे.

(आकडे लाखात)

| तपशिल | 2015-16 (सुधारित अंदाज) | 2016-17 (मुळ अंदाज) |
|------------------------------|----------------------------|------------------------|
| परिवहन जमा | 3211.47 | 6719.10 |
| 'अ' अंदाजपत्रकातून हस्तांतरण | 500.00 | 650.00 |
| एकूण खर्च | 3711.47 | 7369.10 |

संदिप पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

मा. महापौर मॅडम, आयुक्त साहेब आपण अंदाजपत्रक अ अंदाजपत्रकातून १२ करोड रुपये मागितले होते. स्थायी समिती सभापती यांनी फक्त ६ कोटी तरतुद केलेली आहे. वास्तविक ह्या मिरा भाईदर पालिकेचा इतिहास आणि शहराचा इतिहास तुम्ही बघितला तर पालिकेतर्फे कॉन्ट्रॅक्टरला पैसे देण्याची नगरसेवकांची मानसिकता नाही प्रशासनाची मानसिकता नाही. २००५ ते २०१० ज्या ठेकेदाराने बस चालविली त्याच्यामध्ये ठेकेदाराने इन्वेस्टमेंट केली होती आणि ते पैसे पालिका जमा करत होते. आणि त्याला पर किलो मीटर काय ते अमाऊंट ठरवून दिली होती. साहेब आज महापालिका १०० टक्के त्याला बस देणार आहे त्याला फक्त डिझेल टाकायचं आहे त्याला फक्त ड्रायव्हर ठेवायचा आहे. त्याचा खर्च कमी आहे. त्या वेळच्या ठेकेदाराला आपण किती पैसे दिले आणि आज आपण किती प्रोव्हिजन करत आहोत त्या वेळच्या ठेकेदाराला पैसे किती दिले होते. मग साहेब आपण आता एवढी मोठी तरतुद त्याची गरज काय आणि ते टेंडर देताना आपण जी इन्वेस्टमेंट केली आहे त्याचा पण कॉस्ट काढली पाहिजे आणि ती कॉस्ट आपली आहे. तर त्याची कॉस्ट रनिंग कॉस्ट त्याची कमी होत आहे. तर त्याच्यामुळे तो मुद्दा जर विचारात घेतला तर मला वाटतं ही साडे सहा कोटीची तरतुद करायची गरज नाही. नंबर २ की, ह्याच्यामध्ये २ इन्कम दाखविले आहेत वाहनावरील जाहिराती पासुनचे उत्पन्न फक्त १ लाख बस थांबे शेड वरील जाहिरात उत्पन्न फक्त साडे सहा लाख साहेब तुम्ही शहरामध्ये फिरतात तुम्ही घरून गाडी घेऊन येतात प्रत्येक बस स्टॉप वरती निरनिराळे नगरसेवकांचे पोस्टर लागलेले आहेत साहेब हे जर पालिकेने डिसाईड केल असतं आणि ते जर तुम्ही टेंडर काढले असते तर तुम्हाला पैसे मिळाले असते. तुम्हाला तुमचे उत्पन्न वाढलं असत पण तुमचा प्रशासन फक्त डोळे झाक करते आणि फुकटचा पगार घेत आहे. साहेब हे तुम्हाला करणे गरजेच होत पण हे बजेट प्रोव्हिजन खुप चुकीचे आहे आणि खुप कमी आहे. ह्याच्या पासुन तुम्हाला कमीत कमी एक करोड रुपयाची इन्कम होऊ शकते तुम्ही याच्यावरती विचार करा. महापौर मॅडम मीने उनसे खुलासा मांगा है। मॅडम मीने इनको कुछ क्वेशन पुछे है की, यह जो तरतुद किया है साडे छह करोड की जो इन्कम दिखाया इसका जस्टीफिकेशन क्या है। वह मैं बोल रहा हूँ।

राजेंद्र जैन :-

महापौर मॅडम ध्रुवकिशोर पाटीलजीने बोला की जो बडे बडे बस स्टॉप पे जो निधी से बनाए गए है और जो बस के उपर जो रेव्हेन्यु आती है उसको शेअरिंग करनेवाली कंपनी और नगरपालिका को यह सवाल यहाँ पे जवाब मैंने ३ साल पहले भी माँगा था। तब भी प्रशासन कारवाई करेंगे परंतु इनको नजरअंदाज किया गया है। आप बाहर जाएंगे जयपुर जाएंगे, जहाँ-जहाँ में गया हूँ, वहाँ पर बसस्टॉप पर बडे-बडे सुंदर सामाजिक मैसेज दिए गए है। और यहाँ पर पुरे बस स्टॉप पर फोटो डाल दि गई है। मैंने एक लेटर भी दिया था यहाँ पर की, उसका कुछ वन फोर एरिया उसको निधीसे बना दिया जाए बाकी पुरा पुरा एरिया अच्छे मैसेज के लिए रेव्हेन्यु के लिए अँड किया जाए। परंतु प्रशासनने कोई कारवाई नहीं की है। आपके माध्यम से आयुक्त साहेब से मेरा निवेदन है इस पर तुरंत ध्यान दिया जाए। और यह बडा भोंडा भी लगता है। सरकार का पैसा है, नगरसेवको को सूचना होनी चाहिए की, उनका निधी बनाया गया बाकी उसको जो नगरसेवक है, आमदार है उसको हटाया जाना चाहिए और उसका उपयोग करना चाहिए।

सुरेश खंडेलवाल :-

डॉ. साहबने जो बोला उसके लिए सहमत है हम।

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडम, ध्रुवकिशोर साहेबांनी जो प्रश्न विचारलेला आहे की, बरेचशे गावामध्ये होर्डिंगज लागलेले आहेत. बस थांब्यावर बरेच गावामध्ये होर्डिंगज लागलेले आहेत. बस थांब्यावर बरेच लोकांचे



नगरसेवकांचे, सर्व मान्यवर नेत्यांचे फोटो लागलेले आहेत. मला वाटते त्यांना कल्पना नाही की प्रशासनामध्ये काय चाललेले आहे. प्रशासनाने त्याच टेंडर काढलेले आहे आणि ते जाहिरातीचं सगळं टेंडर गेलेले आहे. आणि आता थोड्याच दिवसांमध्ये त्याच्यावरती जाहिराती होतील आणि आपण जी काही साईज त्याच्यावर दिलेली आहे त्याप्रमाणे त्या एरियातला जे कोणी मागणी करतील त्यांचा त्याच्यावर फोटो लावण्याचा देखील प्रोव्हिजन ठेवलेले आहे. परंतु आता जेवढे काही बस थांब्यावर लावलेले आहेत ते थोड्याच दिवसात काढण्याची कारवाई करण्यांत येईल. आणि ते टेंडर आपण दिलेले आहे. आणि बसच्या वर जाहिरात देऊन जे काही उत्पन्न भेटणार आहे ते आपण १ लाख रु. दर्शविले आहे. बाकी हा विषय बसथांबे जे आहे ते मनपाच्या निधीतून बनवलेले असतात त्याच्यामुळे बसथांब्याचे जे उत्पन्न आहे ते मनपाच्या कर विभागामध्ये ते समाविष्ट होणार आहे. ते या उपक्रमामध्ये येणार नाही म्हणून आपण १ लाख रु. जे दाखवलेले आहेत ते तुमच्या बसपासून मिळणारे उत्पन्न आहे. बस थांब्याकडून उत्पन्न जे मिळणार आहे बस थांब्याच्या जाहिराती कडून ते जाहिरात विभागामध्ये आमच्याकडे जो कर विभाग आहे जाहिरातचा वेगळा विभाग आहे त्या विभागामध्ये जमा होत असल्यामुळे त्या परिवहन उपक्रमामध्ये आलेले नाही.

जुबेर इनामदार :-

मा. आयुक्त मिरा भाईदर महानगरपालिका यांनी परिवहन सेवेचे सादर केलेले सन २०१५-१६ सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकामध्ये सुचविलेल्या अपेक्षित जमा व खर्चाच्या बाजूत वाढ व घट करून १३१.६० शिल्लकीच्या अंदाजपत्रकास मंजूरी देण्यात येत आहे. सदरच्या अंदाजपत्रकात योग्य बदल करून खालील परिशिष्टाप्रमाणे वाचण्यात येवून सन २०१५-१६ च्या सुधारीत व सन २०१६-१७ च्या मुळ अर्थसंकल्पीय अंदाजपत्रकास आजची ही मा. विशेष महासभा मंजूरी देत आहे, असा मी ठराव मांडत आहे.

सन २०१६-१७ अर्थसंकल्पीय (ब) अंदाजपत्रकातील परिवहन उपक्रम महसुली जमा / खर्च प्रस्तावित निधी (रु. लाखत)

| पान क्र. | अ.क्र. | लेखाशिर्ष | परिवहन व्यवस्थापक अंदाज | मा. स्थायी समिती अंदाज | काँग्रेस पक्ष प्रस्तावित | बचत | एकूण बचत |
|----------|--------|-------------------------------|-------------------------|------------------------|--------------------------|---------|----------|
| ०४ | अ-३ | (अ) अंदाजपत्रकामधून हस्तांतरण | १२००.०० | ६५०.०० | २००.०० | १०००.०० | |
| | | | | | | | १०००.०० |

अंदाजपत्रक – परिवहन उपक्रम महसुली खर्च बाजू

| पान क्र. | अ.क्र. | लेखाशिर्ष | परिवहन व्यवस्थापक अंदाज | मा. स्थायी समिती अंदाज | काँग्रेस पक्ष प्रस्तावित | बचत | एकूण बचत |
|----------|--------|---|-------------------------|------------------------|--------------------------|--------|----------|
| ०६ | अ-१ | ५) इंधन, वंगन, स्पेअर पार्ट खर्च | १५०.०० | १००.०० | १००.०० | ५०.०० | |
| | ०८ | जी.सी.सी. तत्वावर बस चालविण्यास येणारा खर्च | २२००.०० | १८००.०० | १८००.०० | ४००.०० | |
| | ११ | नविन बसेस व साधनसामुग्री खरेदी | २५००.०० | २५००.०० | १९००.०० | ६००.०० | |
| | | | | | | | १०५०.०० |

| अल्पन्न | | खर्च | |
|-----------------------------|-----------------|------------------|----------------|
| अ अंदाजपत्रकामधून हस्तांतरण | | २००.०० | |
| १) महसुली जमा | २३२५.७५ | २) महसुली खर्च | २५८५.१० |
| २) भांडवली जमा | ३०४३.०० + ६३.३५ | २) भांडवली खर्च | ३९८३.२५ |
| ३) असाधारण जमा | ३६८.०० | ३) असाधारण खर्च | ३३२.५० |
| ४) प्रारंभीची शिल्लक | १०३२.३५ | ४) अखेरची शिल्लक | १३१.६० |
| एकूण | ७०३२.०० | एकूण | ७०३२.०० |

धुवकिशोर पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १८० करिता दोन ठराव आलेले आहेत पहिला ठराव सुचक श्री. प्रकाश जिलेदार सिंह (मुन्ना सिंह) दूसरा ठराव जुबेर इनामदार. सुचक जुबेर इनामदार ह्यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. ह्या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. श्री. प्रकाश जिलेदार सिंह (मुन्ना सिंह) ह्यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. ह्या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत.

मा. महापौर :-

सुचक श्री. प्रकाश जिलेदार सिंह (मुन्ना सिंह) यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने ४३ विरोधात ३० इतकी मते पडली आहेत सुचक श्री. प्रकाश जिलेदार सिंह (मुन्ना सिंह) ह्यांनी मांडलेला ठराव बहुमताने मंजूर करण्यात येत आहे.

प्रकरण क्र. १८० :-

परिवहन सेवेचे सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास मान्यता मिळणेबाबत. (मा. स्थायी समिती सभा दि. ०४/०३/२०१६ नुसार शिफारस केलेले प्रकरण क्र. १६४, ठराव क्र. १५९)

ठराव क्र. १४२ :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका परिवहन उपक्रमाचे सन २०१५-१६ सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकाबाबत मा. आयुक्त साो., यांनी सादर केलेल्या अंदाजपत्रकावर सविस्तर चर्चा होऊन मा. स्थायी समितीने मंजुर केलेले सुधारित व मूळ अंदाजपत्रकात काही दुरुस्त्या करून मा. महासभा सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास मंजूरी देत आहे.

(आकडे लाखात)

| तपशिल | 2015-16 (सुधारित अंदाज) | 2016-17 (मुळ अंदाज) |
|------------------------------|----------------------------|------------------------|
| परिवहन जमा | 3211.47 | 6719.10 |
| 'अ' अंदाजपत्रकातून हस्तांतरण | 500.00 | 650.00 |
| एकूण खर्च | 3711.47 | 7369.10 |

सुचक :- श्री. श्रीप्रकाश जिलेदार सिंह

अनुमोदक :- श्री. संदिप मोहन पाटील

| अ.क्र. | ठरावाच्या बाजूने | अ.क्र. | ठरावाच्या विरोधात | तटस्थ |
|--------|-----------------------------|--------|---------------------------|-------|
| १ | मेहता नरेंद्र लालचंद | १ | कॅटलीन ऍन्थोनी परेरा | निरंक |
| २ | शरद केशव पाटील | २ | सय्यद नुरजहाँ नझर हुसेन | |
| ३ | पाटील रोहिदास शंकर | ३ | ध्रुवकिशोर पाटील | |
| ४ | म्हात्रे कल्पना महेश | ४ | डिमेलो बर्नड अल्बर्ट | |
| ५ | भानुशाली वर्षा गिरधर | ५ | शिल्पा भावसार | |
| ६ | मिरादेवी रामलाल यादव | ६ | सॅन्ड्रा जेफ्री रॉड्रीक्स | |
| ७ | कोठारी सुमन रमेश | ७ | रॉड्रीक्स बाबरा डॉनल्ड | |
| ८ | डॉ. नयना मनोज वसाणी | ८ | दक्षता राजेंद्र ठाकूर | |
| ९ | सिमा कमलेश शहा | ९ | शबनम लियाकत शेख | |
| १० | जैन गिता भरत | १० | प्रभात प्रकाश पाटील | |
| ११ | अरोरा दिपीका पंकज | ११ | पाटील सुनिता कैलास | |
| १२ | रावल भगवती जयशंकर | १२ | झिनत रऊफ कुरेशी | |
| १३ | मेहता डिपल विनोद | १३ | विराणी रेखा अनिल | |
| १४ | मेघना दिपक रावल | १४ | पुजारी कांचना शेखर | |
| १५ | शर्मा सुनिता सत्येंद्र | १५ | पिसाळ मनिषा नामदेव | |
| १६ | प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील | १६ | डिसा मर्लिन मर्विन | |
| १७ | सुजाता रविकांत शिंदे | १७ | वंदना रामदास चक्रे | |
| १८ | पाटील प्रेमनाथ गजानन | १८ | अनिता जयवंत पाटील | |
| १९ | सिंग मदन उदितनारायण | १९ | गोविंद हेलन जॉर्जी | |
| २० | कांगणे यशवंत ठकाजी | २० | इनामदार जुबेर | |
| २१ | अनिल बाबुराव भोसले | २१ | वेतोसकर राजेश शंकर | |
| २२ | कासोदरीया अश्विन श्यामजी | २२ | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम | |
| २३ | जैन दिनेश तेजराज | २३ | सामंत प्रमोद जयराम | |
| २४ | जैन रमेश धरमचंद | २४ | खण्डेलवाल सुरेश | |
| २५ | डॉ. राजेंद्र जैन | २५ | डॉ. आसिफ गुलाब शेख | |
| २६ | निलम हरिश्चंद्र ढवण | २६ | लियाकत ग. शेख | |
| २७ | तारा विनायक धरत | २७ | भोईर कमलेश यशवंत | |
| २८ | शुभांगी महिन कोटीयन | २८ | वंदना मंगेश पाटील | |
| २९ | परमार अनिता भरत | २९ | अशोक तिवारी | |
| ३० | गावंड मंदाकिणी आत्माराम | ३० | म्हात्रे परशुराम पद्माकर | |
| ३१ | म्हात्रे प्रभाकर पद्माकर | | | |
| ३२ | संदिप मोहन पाटील | | | |

| | | | |
|----|--------------------------------|--|--|
| ३३ | दळवी प्रशांत ज्ञानदेव | | |
| ३४ | हरिश्चंद्र रामचंद्र आमगावकर | | |
| ३५ | प्रविण मोरेश्वर पाटील | | |
| ३६ | शाह राकेश रतिशचंद्र | | |
| ३७ | जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील | | |
| ३८ | केळुसकर प्रशांत नारायण | | |
| ३९ | जाधव मोहन महादेव | | |
| ४० | मुन्ना सिंग | | |
| ४१ | अॅड. रवि व्यास | | |
| ४२ | दिप्ती शेखर भट | | |
| ४३ | मयेकर सरस्वती रजनीकांत | | |

ठराव बहुमताने मंजूर

सही/-

महापौर

भिरा भाईदर महानगरपालिका

मा. महापौर :-

विरोधी पक्ष नेता के लिए एक अनाऊन्समेन्ट करनी है। मेरे पास अभी तक दो लेटर आये है। श्री. अशोक तिवारीजी का और एक बर्नडजी का आया है। उन्होंने माग कि है की लियाकतजी को विरोधी पक्ष नेता बनाया जाए। दो लेटर आने के वजह से मैने यह निर्णय राज्य सरकार को लिखके भेजा है कि आप मुझे इसका निर्णय दे की मैने किसको करना है पर तब तक जैसे कोर्ट का निर्णय आ गया की मुझे आज यह अनाऊन्स करना है विरोधी पक्ष नेता का नाम इसलिए जब तक मेरे पास राज्य सरकार का निर्णय नहीं आता है तब तक मै श्री. लियाकतजी को विरोधी पक्ष नेता पद देने का अनाऊन्स करती हूँ.

भगवती शर्मा :-

मा. महापौर मॅडम आपने आज इस विशेष महासभामें मा. हायकोर्ट का जो आदेश आया उसके अनुसार बर्नड डिमेलो ने पत्र दिया उसके अनुसार आपने जो भी कानून के तहत राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी के श्री. लियाकत शेख जी को आपने विरोधी पक्ष नेता घोषित किया उसके लिए मैं राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी के तरफ से आपका हार्दिक अभिनंदन करता हूँ.

नगरसचिव :-

नवनिर्वाचित विरोधी पक्ष नेता श्री. लियाकत शेख यांना मी विनंती करतो त्यांनी डायसवरून मा. महापौराकडून पुष्पगुच्छ स्विकार करायचा आहे. तसेच सभागृह नेते मुन्ना सिंह उर्फ प्रकाश सिंह जिलेदार यांचा देखील मा. महापौर सत्कार करणार त्यांनी देखील डायसवर यायचे आहे.

जुबेर इनामदार :-

अभिनंदनाचा प्रस्ताव नवनिर्वाचित विरोधी पक्ष नेता श्री. लियाकत शेख तसेच सभागृह नेता मुन्ना सिंह त्यांना सभागृह नेते पदी नियुक्त करण्यात आले होते. त्या दोघांना कॉंग्रेस पार्टीच्या वतीने अभिनंदन ठराव मांडत आहे.

शरद पाटील :-

भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना, बहुजन विकास आघाडी तर्फे नवनिर्वाचित मा. श्री. मुन्ना सिंह प्रकाश सिंग आणि आताच घोषित झालेले विरोधी पक्ष नेते श्री. लियाकत शेखजी यांचा मी हार्दिक अभिनंदन करतो.

भगवती शर्मा :-

श्री. प्रकाश जिलेदार सिंगजी (मुन्ना सिंह) उनको इस महासभामे इस शहर का इस महानगरपालिकामें सभागृह नेता की नियुक्ती कि गई है उसके लिए मै. राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी के तरफसे उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

मा. महापौर:-

मै. लियाकतजीसे रिक्वेस्ट करूंगी की वो अपनी सिट पे आके बैठे।

प्रशांत दळवी :-

मा. महापौर मॅडम शिवसेना पक्षातर्फे नवनिर्वाचित सभागृह नेता मुन्ना सिंह तसेच विरोधी पक्ष नेता लियाकत शेख यांचाही शिवसेना पक्षातर्फे हार्दिक अभिनंदन.

नगरसचिव:-

प्रकरण क्र. १८९, सन २०१५-१६ चे सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ "अ" + "क" + "अग्निशमन" + "अंध व अपंग" + "महिला व बालकल्याण" + "JNNURM" + "P" अंदाजपत्रकास मान्यता मिळणेबाबत. (मा. स्थायी समिती सभा दि. ०४/०३/२०१६ नुसार शिफारस केलेले प्रकरण क्र. १६५, ठराव क्र. १६०) "ज" चा प्रस्ताव सन्ना. सदस्य श्री. जुबेर अ. इनामदार यांचा दिनांक १४/०३/२०१६ रोजीच्या

मा. विशेष महासभा दि. १९/०३/२०१६

पान क्र. ३७

पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. -- मिरा भाईदर महानगरपालिका सन २०१५-१६ चे सुधारीत व सन २०१६-१७ चे मुळ "अ" + "क" + "अग्निशमन" + "अंध व अपंग" + "महिला व बालकल्याण" + "JNNURM" + "P" स्थायी समितीने शिफारस केलेल्या अंदाजपत्रकाच्या लेखाशिर्षकातील जमा व खर्च बाजू बाबत चर्चा करून निधीत बदल करणेबाबत.

नरेंद्र मेहता :-

सचिव साहेब आता आम्हाला खुलासा करावा ज्या आधारे आपल्याला पत्र दिलेले आहे त्यावर कायद्याची बाबी तपासून माझही कदाचित ज्ञान कमी असेल त्यामध्ये कुठल्या हेडवर, कुठल्या विषयावर कुठल्या रकमेवर चर्चा करायची ही माहिती दिली आहे का? कारण माझ्या मते एखादा विषय ज्यावेळी बजेटवर तुम्हाला या प्रकारचा प्रस्ताव द्यायचा असेल तर नेमकं तुम्हाला कुठल्या विषयावर चर्चा करायची असते ते सुध्दा नमुद करायला पाहिजे. केलेले आहे का?

नगरसचिव :-

बजेटची नावे नमुद केली आहेत.

नरेंद्र मेहता :-

बजेट मध्ये कुठला.

नगरसचिव :-

बाबी नाही.

नरेंद्र मेहता :-

मग बाबी देण गरजेच नाही का? मला एक खुलासा करावा आपण म्हणजे मला ठराव मांडताना सोप होईल. जुबेर इनामदाराचा सभागृहात नेहमी चांगला सल्ला राहिला आहे. मी २०१२ पासून बघतोय की बजेटमधील तरतूदीत बदल करता येत नाही म्हणून त्यांच अवमान होऊ नये आणि त्यांनी जे पत्र दिले आहे त्या पत्राच्या अनुषंगाने जिथपर्यंत मला ज्ञान आहे त्यामध्ये विशेष बाबी पण द्यावी लागते की या विषयावर आम्हाला यामध्ये बदल किंवा चर्चा करायची आहे जनरल असे होत नाही की पत्र दिल आणि आख्या बजेटवर चर्चा करा आणि बदल करा अस होत नाही अस माझ मत आहे आपण कायदयाने खुलासा करावा.

जुबेर इनामदार :-

मी बदल करण्यासाठी हा विषय दिलेला आहे आणि तो विषयपत्रिकेवरच्या विषयाला अनुसरून आहे. कारण महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमामध्ये स्पष्ट उल्लेख आहे या विषयाचा प्रकरण दोन सभा कामकाज "ल" तातडीच्या प्रसंगी मागणीवरून बोलवलेल्या कोणत्याही सभेत अर्थसंकल्पीय अंदाजावरील चर्चेच्या वेळी या कामकाजासाठी तातडीची सभा बोलविण्यात आली आहे या कामकाजाची किंवा यथास्थिती अर्थसंकल्पीय अंदाजाची ज्याची प्रत्यक्षपणे संबध नाही असे कोणतेही कामकाज चालवता येणार नाही आणि असा कोणताही मुळ प्रस्ताव मांडता येणार नाही किंवा चर्चा करता येणार नाही स्थायी समितीने जे कर लादलेचे योजिले आहे त्याकरिता किंवा परिवहन समितीने जे भाडे किंवा आकार बसविण्याचे योजिले आहे आहे त्या भाड्यात किंवा आकारात ज्यामुळे कोणताही बदल किंवा अर्थसंकल्पीय अंदाजातील खर्चाच्या कोणत्याही बाबतीच्या ज्यामुळे वाढ किंवा घट होईल असा कोणताही प्रस्ताव ज्या कोणत्याही सभेत असे अर्थसंकल्पीय अंदाजावर विचार चालू असेल अशा सभेत मांडता येणार नाही किंवा त्यावर चर्चा करता येणार नाही. मात्र असा प्रस्ताव खंड आय विषय पत्रिका अन्वये प्रसिध्द करण्यात आलेल्या सभेच्या नोटीसीत किंवा खंड ज जो मी केला त्यामध्ये नमुद केला तुम्ही केलेल्या विषयपत्रिकेवर आय मध्ये जो तुम्ही विषय पत्रिका पाठविली त्याच्यामध्ये फक्त विषय दिले. स्थायी समितीने दि. ४/३/२०१६ नुसार शिफारस केलेल्या प्रकरण क्र. १६५ ठराव क्र. १६० वाढ किंवा घट कराल असा तुम्ही आयमध्ये कुठे उल्लेख केला. विषयपत्रिका आय मी मांडला "ज" मध्ये मी स्पष्ट सांगितल आहे वाढ किंवा घट प्रस्तावित करणार आणि तुम्हाला अधिकार परिपूर्ण या माझ्या ग्रंथाने दिलेली आहे. पालिकेच्या याच्यामध्ये कुठले दुमत नाही.

नरेंद्र मेहता :-

सचिव साहेब, आम्ही प्रश्न फक्त एवढा विचारला त्यासाठी नेमका कशावर तुम्हाला हे करायचं आहे त्यासाठी हे देणे गरजेचे होते त्या अनुषंगाने सभामध्ये जेवढे सदस्य आहेत हे सगळे त्याचा अभ्यास करून, विचार करून आले असते पण तुम्ही ते कुठेही दिलेले नाही मोघम दिलेले आहे. म्हणून त्यावर बदल करता अशी माझी धारणा आहे. तरी आपण खुलासा करावा.

नगरसचिव :-

जे "ल" मधील तरतूद आहे. महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम मधील तरतूद आहे ती क्लियर करून तेवढी वाचून दाखवतो त्याचा अर्थ सभागृहाने कसा काढायचा तो त्यांनी काढायचा असतो.

दिनेश जैन :-

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलतो, स्टॅन्डिंग कमिटीची अस्थायी बजेटच्या सभेमध्ये काँग्रेस पक्षाचे नगरसेवकांनी ठराव मांडलेला की आयुक्तांनी दिलेला जे बजेट आहे ते आम्हाला मान्य आहे. म्हणजे जुबेर इनामदार म्हणतात की ते मान्य नाही. ते वेळोवेळी आयुक्तांना प्रश्न करतात. हे कसं हे कसं म्हणजे आयुक्तांनी दिलेले मान्य आहे का नाही.

जुबेर इनामदार :-

स्थायी समितीने केलेला ठराव वाचा त्याच्यामध्ये पण वाढ आणि घट आम्ही सूचविली.

नरेंद्र मेहता :-

ज्या वेळी ज चा प्रस्ताव आला आपण पूर्व सूचना सदस्यांना देत असतो. आणि नक्कीच तो त्याचा अभ्यास करून देत असतो. बजेट आपण दिलं त्याच्यावर सदस्यांनी अभ्यास केला असेल जुबेर इनामदार सदस्यांच्या मनात काही तरी वेगळा विचार असेल तर ते प्रस्तावमध्ये आले असतं तर त्याचा अभ्यास करून आम्ही आलो असतो. पण ते दिल नाही सरसकट मोघम देऊन टाकलं. म्हणून अशी आमची धारणा आहे जे आपण सांगितल सभागृहाची की याच्यामध्ये कुठलंही प्रस्तावित झालं नाही म्हणून ते बदल करता येत नाही. म्हणून ठराव मांडत आहे.

जुबेर इनामदार :-

ठराव माझाही आहे. तुम्ही ठराव वाचल्यानंतर आमचा ठराव आहे असं न व्हायला यांनी ठराव वाचला ठराव मंजूर. मा. आयुक्त मिरा भाईदर महानगरपालिका सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ "अ" + "क" + "अग्निशमन" + "अंध व अपंग" + "महिला व बालकल्याण" + "JNNURM" + "P" अर्थसंकल्पीय अंदाजपत्रकास सुचविलेल्या अपेक्षित जमा व खर्चाच्या बाजुत वाढ व घट करून रुपये शिल्लकीच्या अंदाजपत्रकास मंजूरी देण्यात येत आहे. सदरच्या अंदाजपत्रकात योग्य बदल करून खालील परिशिष्टाप्रमाणे पान क्र. १ व २ प्रमाणे वाचण्यात येवून सन २०१५-१६ च्या सुधारित व सन २०१६-१७ च्या मुळ अर्थसंकल्पीय आंजपत्रकास आजची ही मा. विशेष महासभा मंजूरी देत आहे, असा मी ठराव मांडत आहे.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

नरेंद्र मेहता :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मा. आयुक्त सा. यांनी सादर केलेल्या मुळ अंदाजपत्रकात काही दुरुस्त्या करून मा. स्थायी समितीने मंजूर केलेल्या अंदाजपत्रकामध्ये दुरुस्त्या व सुधारणांसह सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास आजची मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

सन २०१५-१६ चे सुधारित अंदाज व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रक

(आकडे लाखात)

| तपशिल | 2015-16 (सुधारित अंदाज) | 2016-17 (मुळ अंदाज) |
|---|----------------------------|------------------------|
| अंदाजपत्रक "अ" + "क" + "अग्निशमन" + "महिला व बालकल्याण" + "अंध व अपंग" + "JNNURM" + "P" = एकूण जमा | 137150.49 | 172457.70 |
| अंदाजपत्रक "अ" + "क" + "अग्निशमन" + "महिला व बालकल्याण" + "अंध व अपंग" + "JNNURM" + "P" = एकूण खर्च | 136626.99 | 172432.70 |
| अखेरची शिल्लक | 523.50 | 25.00 |

प्रशांत दळवी :-

माझे अनुमोदन आहे.

प्रतिभा तांगडे-पाटील :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या सन २०१६-१७ या वर्षाच्या अर्थसंकल्पातील तरतुदीनुसार सालाबादप्रमाणे मागविण्यात येणाऱ्या विविध विभागांच्या वार्षिक दराच्या निविदा, देखभाल व दुरुस्ती, स्टेशनरी साहित्य, औषध खरेदी कामाच्या निविदा, नाले खोदाई / सफाई (५० लक्ष रक्कम) या कामांच्या निविदा अर्थसंकल्पीय तरतुदीच्या मर्यादेत मागविण्यास व सदर खर्चास ही सभा मान्यता देत आहे. तसेच महानगरपालिकेची आर्थिक परिस्थिती पाहता खर्चास काटकसर करावी लागणार आहे. तरी आरोग्य विभागाकडील अंदाजे ३०० मजूर व उद्यान व वृक्षप्राधिकरण विभागाकडील अंदाजे ५० मजूर पुरवठा दि. १ एप्रिल २०१६ पासून कमी करण्यात यावे. तसेच सन २०१६-१७ च्या मुळ अंदाजपत्रकात खालील दुरुस्त्या सुचविण्यात येत आहेत. मुलभुत सेवासुविधा अनुदान - रु. १० कोटी व मनपा हिस्सा - रु. १० कोटी. तसेच आदर्श वॉर्ड योजना रु. १० कोटी व स्मारके उभारणे रु. ३ कोटी, आरोग्य स्थायी अस्थापना रु. २६.१२ कोटी, सौरउर्जा रु. ५० लक्ष. सदर दुरुस्त्या मुळ अंदाजपत्रकात करणेबाबत मी सूचना मांडत आहे.

प्रभात पाटील :-

मा. महापौर मॅडम, आपल्या परवानगीने बोलते, सूचना आहे कुठेही करा चांगली गोष्ट आहे तुम्ही स्विकारली तरी मला हरकत नाही. मागच्या वेळी पण आपण आणि आयुक्त एकत्र असताना मी बोलले होते

की, महाराष्ट्रामध्ये किंवा आपल्या आजूबाजूला अशा बऱ्याच महानगरपालिका आहेत की जिथे कला आणि क्रिडासाठी एक वेगळी अमाऊंट त्यांनी टाकलेली असते. आपल्या बजेटमध्ये पण मला वाटते या वेळेला २ हेड वाढलेले आहेत. एक महापौर चषक आहे त्याच्यानंतर क्रिडा संकुलन आणि खेळाडू प्रशिक्षण आहे. आपण वाढवलेल्या त्याबद्दल आपले आभार पण मला असं वाटतं की आपण एक गोष्ट अशी करूया की जस वसई-विरार, नवी मुंबई अस आहे की त्यांनी केलेला प्रशिक्षण आणि होतकरू कलावंत आणि क्रिडापटू यांच्यासाठी एक स्लॅब असा ठरवून दिला आहे की तालुका पातळीवर कोण खेळेल तर त्याला १०००० दिले, जिल्हा पातळीवर खेळेल तर ५००० दिले, स्टेट लेवलेला खेळेल तर त्याला आणखीन मदत करा. काही खेळाडू किंवा कलावंत असे असतील की गुण सगळे आहेत पण आर्थिक पाठबळ नसल्यामुळे मागे पडतात तर अस होऊ नये म्हणून माझी एक सूचना आहे की होतकरू खेळाडू आणि कलेच्या क्षेत्रात वैशिष्ट्यपूर्ण करणार कामगिरी कलाकार आणि क्रिडापटू यांच्यासाठी प्रत्येक टप्प्यावर त्यांना आर्थिक मदत केली जावी. त्यामुळे नामवंत क्रिडापटू आणि कलावंत या शहरामध्ये घडतील. आणि आर्थिक वंचनेतून त्यांची सुटका होईल. त्यासाठी त्यांना सन्मानित करावे, पुरस्कार देऊन देखील सन्मानित करावे. त्यामुळे त्यांचेही मनोधैर्य वाढेल आणि इतरांनाही त्यांच्यापासून प्रोत्साहन मिळेल. कलाकार व क्रिडापटू यांचे सत्कार व सन्मान महासभेत बोलवून करू नये ते उघड्यावर करावे. त्यामुळे सगळ्यांच्या नजरेत ते येईल आणि तेही व्यवस्थितरित्या सन्मानित होतील आणि बाकीच्यांना सुध्दा प्रोत्साहन मिळेल, प्रेरणा मिळेल या कामामध्ये सुसुत्रीपणा आणि निरपेक्षता आणण्यासाठी तज्ञांची एक समिती गठित करावी आणि या सर्व बाबींचा विचार करून अंदाजपत्रकात आपण वरच्या ज्या ३ बाबी ठरविल्यात त्यासाठी १ कोटीचं आपण बजेट दिले याव्यतिरिक्त फक्त २५ लाख तरतूद करावी जास्त म्हणत नाही पण हा उपक्रम जरूर राबवावा मग ती सूचना तुमच्याकडे घ्या. माझ्याकडे घ्या मला आनंद आहे.

मा. महापौर :-

प्रभात ताई तुम्हाला सांगावे लागेल तुम्हाला सूचना इथे घ्यायची का तिथे.

प्रभात पाटील :-

हा तुम्ही घ्या.

दिनेश जैन :-

महापौर मॅडम पान क्र. ०२ वरती मी स्टॅन्डिंग मध्ये सूचना दिली होती ती टाईप झालेली नाही.

नरेंद्र मेहता :-

जी प्रभात ताईनी सूचना मांडली आहे खूप मोठी अपेक्षा त्यांनी आमच्याकडून व्यक्त केली आहे आणि नक्कीच जे झालं नाही त्या अपेक्षा आम्ही पूर्ण करू. त्यांची सूचना मी जो ठराव मांडला आहे ते आणि दुसरं त्यामध्ये प्रोसिडींगमध्ये जे वारंवार त्यांनी जुबेरजीने भाषण केले आमचं, आमचं, आमचं ते शब्द वगळून प्रस्तावित म्हणा.

जुबेर इनामदार :-

आपली प्रस्तावना ही आहे त्याच्यामध्ये एक चूक झाली आहे टाईपिंग मिस्टेक असावी. मिरा भाईदर शहरामध्ये एकूण १० ठिकाणी आरोग्य केंद्र सुरू असून मिरारोड येथे स्व. राजीव गांधी हॉस्पिटल केले आहे ते इंदिरा गांधी रुग्णालय, राजीव गांधी ब्लड बँक.

मा. महापौर :-

सचिव साहेब ठराव मतदानाला घ्या.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १८१ करिता दोन ठराव आले आहेत. पहिला ठराव सूचक श्री. जुबेर इनामदार, दुसरा ठराव सूचक श्री. नरेंद्र मेहता. अनुक्रमे मी दुसरा ठराव २ सूचनेसह मतदानास टाकतो. श्री. नरेंद्र मेहता यांच्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ कोणी आहेत. श्री. जुबेर इनामदार यांच्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ कोणी आहेत.

मा. महापौर :-

श्री. नरेंद्र मेहता यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने ४४, विरोधात ३१ इतकी मते पडली आहेत. सूचक श्री. नरेंद्र मेहता यांनी मांडलेला ठराव बहुमताने मंजूर करण्यांत येत आहे.

प्रकरण क्र. १८१ :-

सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ "अ" + "क" + "अग्निशमन" + "अंध व अपंग" + "महिला व बालकल्याण" + "JNNURM" + "P" अंदाजपत्रकास मान्यता मिळणेबाबत. (मा. स्थायी समिती सभा दि. ०४/०३/२०१६ नुसार शिफारस केलेले प्रकरण क्र. १६५, ठराव क्र. १६०)

ठराव क्र. १४३ :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मा. आयुक्त सा. यांनी सादर केलेल्या मुळ अंदाजपत्रकात काही दुरुस्त्या करून मा. स्थायी समितीने मंजूर केलेल्या अंदाजपत्रकामध्ये दुरुस्त्या व सुधारणांसह सन २०१५-१६ चे सुधारित व सन २०१६-१७ चे मुळ अंदाजपत्रकास आजची मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

| तपशिल | 2015-16 (सुधारित अंदाज) | 2016-17 (मुळ अंदाज) |
|--|----------------------------|------------------------|
| अंदाजपत्रक "अ"+ "क"+ "अग्निशमन"+ "महिला व बालकल्याण"+ "अंध व अपंग"+ "JNNURM" + "P" = एकूण जमा | 137150.49 | 172457.70 |
| अंदाजपत्रक "अ"+ "क"+ "अग्निशमन"+ "महिला व बालकल्याण"+ "अंध व अपंग"+ "JNNURM" + "P" = एकूण खर्च | 136626.99 | 172432.70 |
| अखेरची शिल्लक | 523.50 | 25.00 |

सुचक :- श्री. नरेंद्र मेहता

अनुमोदक :- श्री. प्रशांत दळवी

सदर ठरावामध्ये सुचक श्रीम. प्रतिभा तांगडे-पाटील व अनुमोदक श्रीम. सुजाता शिंदे ह्यांनी खालीलप्रमाणे सुचना मांडली.

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या सन २०१६-१७ या वर्षाच्या अर्थसंकल्पातील तरतुदीनुसार सालाबादप्रमाणे मागविण्यात येणाऱ्या विविध विभागांच्या वार्षिक दराच्या निविदा, देखभाल व दुरुस्ती, स्टेशनरी साहित्य, औषध खरेदी कामाच्या निविदा, नाले खोदाई / सफाई (५० लक्ष रक्कम) या कामांच्या निविदा अर्थसंकल्पीय तरतुदीच्या मर्यादेत मागविण्यास व सदर खर्चास ही सभा मान्यता देत आहे. तसेच महानगरपालिकेची आर्थिक परिस्थिती पाहता खर्चास काटकसर करावी लागणार आहे. तरी आरोग्य विभागाकडील अंदाजे ३०० मजूर व उद्यान व वृक्षप्राधिकरण विभागाकडील अंदाजे ५० मजूर पुरवठा दि. १ एप्रिल २०१६ पासून कमी करण्यात यावे. तसेच सन २०१६-१७ च्या मुळ अंदाजपत्रकात खालील दुरुस्त्या सुचविण्यात येत आहेत. मुलभूत सेवासुविधा अनुदान - रु. १० कोटी व मनपा हिस्सा - रु. १० कोटी. तसेच आदर्श वॉर्ड योजना रु. १० कोटी व स्मारके उभारणे रु. ३ कोटी, आरोग्य स्थायी अस्थापना रु. २६.१२ कोटी, सौरउर्जा रु. ५० लक्ष. सदर दुरुस्त्या मुळ अंदाजपत्रकात करणेबाबत ही सुचना मांडत आहे.

| अ.क्र. | ठरावाच्या बाजूने | अ.क्र. | ठरावाच्या विरोधात | तटस्थ |
|--------|-----------------------------|--------|---------------------------|-------|
| १ | मेहता नरेंद्र लालचंद | १ | कॅटलीन ऍन्थोनी परेरा | निरंक |
| २ | शरद केशव पाटील | २ | सय्यद नुरजहाँ नझर हुसेन | |
| ३ | पाटील रोहिदास शंकर | ३ | ध्रुवकिशोर पाटील | |
| ४ | म्हात्रे कल्पना महेश | ४ | डिमेलो बर्नड अल्बर्ट | |
| ५ | भानुशाली वर्षा गिरधर | ५ | शिल्पा भावसार | |
| ६ | मिरादेवी रामलाल यादव | ६ | सॅन्ड्रा जेफ्री रॉड्रीक्स | |
| ७ | कोठारी सुमन रमेश | ७ | शबनम लियाकत शेख | |
| ८ | डॉ. नयना मनोज वसाणी | ८ | प्रभात प्रकाश पाटील | |
| ९ | सिमां कमलेश शहा | ९ | पाटील सुनिता कैलास | |
| १० | जैन गिता भरत | १० | झिनत रऊफ कुरेशी | |
| ११ | अरोरा दिपीका पंकज | ११ | विराणी रेखा अनिल | |
| १२ | रावल भगवती जयशंकर | १२ | पुजारी कांचना शेखर | |
| १३ | मेहता डिपल विनोद | १३ | पिसाळ मनिषा नामदेव | |
| १४ | मेघना दिपक रावल | १४ | डिसा मर्लिन मर्विन | |
| १५ | शर्मा सुनिता सत्येंद्र | १५ | वंदना रामदास चक्रे | |
| १६ | प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील | १६ | अनिता जयवंत पाटील | |
| १७ | सुजाता रविकांत शिंदे | १७ | गोविंद हेलन जॉर्जी | |
| १८ | पाटील प्रेमनाथ गजानन | १८ | इनामदार जुबेर | |
| १९ | सिंग मदन उदितनारायण | १९ | वेतोसकर राजेश शंकर | |
| २० | कांगणे यशवंत ठकाजी | २० | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम | |
| २१ | अनिल बाबुराव भोसले | २१ | सामंत प्रमोद जयराम | |
| २२ | कासोदरीया अश्विन श्यामजी | २२ | खण्डेलवाल सुरेश | |
| २३ | जैन दिनेश तेजराज | २३ | मेन्डोसा स्टिवन जॉन | |
| २४ | जैन रमेश धरमचंद | २४ | डॉ. आसिफ गुलाब शेख | |
| २५ | डॉ. राजेंद्र जैन | २५ | लियाकत ग. शेख | |
| २६ | निलम हरिश्चंद्र ढवण | २६ | नरेश तुकाराम पाटील | |

| | | | |
|----|-----------------------------|----|--------------------------|
| २७ | तारा विनायक घरत | २७ | भोईर कमलेश यशवंत |
| २८ | शुभांगी महिन कोटीयन | २८ | रविंद्र भिमदेव माळी |
| २९ | परमार अनिता भरत | २९ | वंदना मंगेश पाटील |
| ३० | गावंड मंदाकिणी आत्माराम | ३० | अशोक तिवारी |
| ३१ | म्हात्रे प्रभाकर पद्माकर | ३१ | म्हात्रे परशुराम पद्माकर |
| ३२ | संदिप मोहन पाटील | | |
| ३३ | दळवी प्रशांत ज्ञानदेव | | |
| ३४ | हरिश्चंद्र रामचंद्र आमगावकर | | |
| ३५ | प्रविण मोरेश्वर पाटील | | |
| ३६ | शाह राकेश रतिशचंद्र | | |
| ३७ | जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील | | |
| ३८ | केळुसकर प्रशांत नारायण | | |
| ३९ | जाधव मोहन महादेव | | |
| ४० | मुन्ना सिंग | | |
| ४१ | अॅड. रवि व्यास | | |
| ४२ | दिप्ती शेखर भट | | |
| ४३ | मयेकर सरस्वती रजनीकांत | | |

ठराव सुचनेसह बहुमताने मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

ध्रुवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम चर्चा करु द्या घाबरता कशाला.

शरद पाटील :-

आपल्या सभागृहातील मा. रोहिदासजी पाटील यांचे बंधू यांचे निधन झाले आहे त्यांचा शोक प्रस्ताव मांडत आहे.

रवि व्यास :-

हितेश पाटील, निर्मल नगर, शिवसेना गल्ली इनका भी शोक प्रस्ताव मॅ रखता हूँ।

मा. उपमहापौर :-

शिवसेनेच्या माजी नगरसेविका सुलभा पाटील यांचे पती मनोहर पाटील यांचेही निधन झाले. त्यांच्यासाठी ही शोकप्रस्ताव मांडत आहे.

नगरसचिव :-

सर्वानी जागेवर उभे राहून मृतात्म्यास श्रध्दांजली वाहायची आहे.

दुःखवटा ठराव क्र. १४४ :-

आपल्या सभागृहातील मा. रोहिदासजी पाटील यांचे बंधू यांचे निधन झाले आहे त्यांचा शोक प्रस्ताव मांडत आहे. तसेच हतेश पाटील, निर्मल नगर, शिवसेना गल्ली यांचाही शोकप्रस्ताव मांडत आहे तसेच शिवसेनेच्या माजी नगरसेविका सुलभा पाटील यांचे पती मनोहर पाटील यांचेही निधन झाले. त्यांच्यासाठी ही शोकप्रस्ताव मांडत आहे.

सुचक :- श्री. शरद पाटील

अनुमोदक :- श्री. रवि व्यास

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

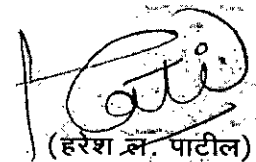
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

(सभा संपण्याची वेळ सायं. ४.१६ वाजता)

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका



(हरेश. म. पाटील)

नगरसचिव

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

पान क्र. ४२

डॉ. राजेन्द्र जैन

नेत्र - शल्य चिकित्सक
नगरसेवक

सदस्य स्थायी समिती

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

विशेष कार्यकारी अधिकारी - महाराष्ट्र शासन



सचिव / पु. ए/ 25/9 - 2019 - 90

दि. 20/9/2019

मिरा भाईदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय, स्व. इंदिरा गांधी भवन,

छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग,

भाईदर (प.), ता.जि. ठाणे - ४०१ १०१.

निवास : बि-विंग ग्राऊंड फ्लोर, तारा अपार्टमेंट, वेनु नगर के सामने, नवघर फाटक रोड, भाईदर (प.), ता.जि.ठाणे - ४०१ १०५.

कार्यालय : कमला आय क्लिनिक, इंदिरा कॉम्प्लेक्स, ६० फूट रोड, भाईदर (प.), ता. जि. ठाणे - ४०१ १०१. मोबाईल : 9920678238

जावक क्र. _____

दिनांक : 20/9/19

दि. २९/०९/२०१६ रोजीच्या महासभेत "ज" खाली प्रस्ताव घेणेबाबत.

प्रकरण क्र...८३.

प्रति,

मा. नगरसचिव,

सचिव विभाग,

मिरा भाईदर महानगरपालिका

विषय :- महासभा मे "ज" मे प्रस्ताव लेने हेतू

विषय - १५० करोड के सी.सी. नाले की महासभा मे स्विकृती हेतू

महोदया,

राज्य सरकार के पास मिरा भाईदर महानगरपालिका के लिए सी.सी. नाले का १५० करोड का प्रस्ताव विचारधीन है। मेरा ये सुझाव है की, इन सी.सी. नालोंको महासभा मे १५० करोड रुपयोंके स्विकृत होने के पहले ही मा. महासभामे आवश्यक मंजूरी ली जाए एवं उपरोक्त अनुदान राशी स्विकृत होते ही प्रस्ताव स्थायी समिती मे लिया जाए एवं तुरंत काम शुरु किया जाए।

ऐसा करने से, मा. महासभा मे मंजूरी लेने हेतू लगनेवाला ६० से ७५ दिन का समय बचाया जा सकेगा एवं लोकहित कार्य शिघ्रताशिघ्र पुर्ण किया जा सकेगा।

धन्यवाद।

(डॉ. राजेंद्र जैन)

नगरसेवक,

मिरा भाईदर महानगरपालिका

प्रत :-

१) मा. महापौर मॅडम, मिरा भाईदर महानगरपालिका

२) मा. श्री. नरेंद्र एल. मेहता, आमदार, मिरा भाईदर - १४५



सौ. निलम हरिश्चंद्र ढवण

सभापती

प्रभाग समिती क्र. ३

गटनेता - शिवसेना

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

विशेष कार्यकारी अधिकारी - महाराष्ट्र शासन

प्रतिपत्र/पुणे/३६/०६-१०

दि. २०/१२/२०१६

कार्यालय : शां. नं. ३, साईगिरी सोसायटी, साईबाबा मंदिराजवळ, साईबाबा नगर, नवघर रोड, भाईदर (पूर्व) ता. जि. ठाणे - ४०१ १०५.

मोबाईल : ९८६९२६५६२२

जावक क्र.

मनपा / प्र.सं. ३/भा.प्र. / ८६/२०१६/२०१६

दिनांक : २०/१२/२०१६

प्रति,

मा. नगरसचिव, सो.,

सचिव विभाग,

मिरा भाईदर महानगरपालिका

प्रक. २०/१२/२०१६

“येणाऱ्या महासभेत “ज” खाली प्रस्ताव घेणेबाबत”

विषय :- भारतरत्न इंदिरा गांधी रुग्णालयातील कार्यरत अधिकारी व कर्मचारी यांना मनपा सेवेत सामावून घेणेबाबत.

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या भारतरत्न इंदिरा गांधी रुग्णालयात मागील ५ वर्षांपासून करार तत्वावर ठोक मानधनावर वैद्यकीय अधिकारी, परिचारीका व शस्त्रक्रियागृह सहाय्यक या पदांवर कर्मचारी कार्यरत आहेत. अपुरे मानधन असूनही आज ना उद्या आपण कायम सेवेत सामावून घेतले जाऊ या आशेवर सदर कर्मचारी त्या ठिकाणी कार्यरत आहेत. नुकतीच शासनाने सदर तात्पुरत्या स्वरूपातील पदे स्थायी स्वरूपात करण्यासाठी मंजूरी दिलेली आहे. त्यामुळे त्या ठिकाणी कार्यरत कर्मचाऱ्यांनाच त्या पदांवर स्थायी नेमणुक दिल्यास त्यांनी इतकी वर्षे केलेल्या कामाचे चीज होईल. तसेच त्यांच्यावर अन्याय होणार नाही.

यापुर्वीही प्रशासनाने कार्यक्रमा अंतर्गत कार्यरत अस्थाई कर्मचाऱ्यांना स्थायी पदे मंजूर झाल्यानंतर सदर पदांवर सामावून घेतले होते. त्याच धर्तीवर याही कर्मचाऱ्यांना मंजूर झालेल्या पदांवर सामावून घेणे आवश्यक आहे.

शासन निर्णय क्र.: मिभाम-१११२८१७१४/प्र.क्र.२१४/१२/नवि-२८, दि. ३१/०८/२०१६ नुसार खालील पदांना मंजूरी मिळालेली आहे.

| अ.क्र. | पदनाम | पद संख्या |
|--------|--------------------------------|-----------|
| १ | वैद्यकीय अधिकारी | ०४ पदे |
| २ | स्त्रीरोग व प्रसुती तज्ञ | ०१ पद |
| ३ | अधिपरिचारीका | १९ पदे |
| ४ | डायलिसिस तंत्रज्ञ | ०३ पदे |
| ५ | शस्त्रक्रियागृह सहाय्यक/ परिचर | ०२ पदे |



सौ. निलम हरिश्चंद्र ढवण

सभापती

प्रभाग समिती क्र. ३

गटनेता - शिवसेना

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

विशेष कार्यकारी अधिकारी - महाराष्ट्र शासन

कार्यालय : शॉप नं. ३, साईगिरी सोसायटी, साईबाबा मंदिराजवळ, साईबाबा नगर, नवघर रोड, भाईदर (पूर्व) ता. जि. ठाणे - ४०१ १०५.

मोबाईल : ९८६९२६५६२२

सध्या कार्यरत असलेले कर्मचारी वर्ग यांची माहिती खलीलप्रमाणे आहे.

जावक क्र.

दिनांक :

| अ.क्र. | कर्मचाऱ्यांचे नाव | पद |
|--------|----------------------|-----------------------|
| १ | सौ. नेहा वनमाळी | स्टाफ नर्स |
| २ | सौ. अंजली यादव | स्टाफ नर्स |
| ३ | कु. उज्वला सोनावणे | स्टाफ नर्स |
| ४ | सौ. लिडीया करास | स्टाफ नर्स |
| ५ | सौ. लविना डाबरे | स्टाफ नर्स |
| ६ | सौ. स्विडल फर्नानडीस | स्टाफ नर्स |
| ७ | सौ. रेखा कुडू | स्टाफ नर्स |
| ८ | सौ. स्नेहा राणे | स्टाफ नर्स |
| ९ | सौ. जया पेडणेकर | स्टाफ नर्स |
| १० | श्री. गजानन राठोड | स्टाफ नर्स |
| ११ | सौ. गिता गोटे | स्टाफ नर्स |
| १२ | सौ. सकीना सैय्यद | शस्त्रक्रियागृह सहायक |
| १३ | श्री. शिवाजी वाकोर | शस्त्रक्रियागृह सहायक |

वरील कर्मचाऱ्यांनी हि पदे मंजूर करण्यासाठी गेली ३ वर्षे शासनाकडे पाठपुरावा केलेला आहे. तसेच वरील कर्मचाऱ्यांना मा. आयुक्त श्री. विक्रमकुमार यांनी सदर कर्मचाऱ्यांना नेमणूक देताना वृत्तपत्रांमध्ये जाहिरात देऊन आरक्षण, वय, अर्हता, अनुभव इत्यादी बाबी तपासून घेतल्या आहेत.

तरी भारतरत्न इंदिरा गांधी रुग्णालय कार्यरत असणाऱ्या कर्मचाऱ्यांना प्रथम प्राधान्य देऊन त्यांना सामावून घेण्यात यावे व उर्वरित पदे बाहेरून भरण्यात यावी. कार्यरत वरील परिचारीका व शस्त्रक्रियागृह सहायक कर्मचाऱ्यांना स्थायी पदांवर सामावून घ्यावे. येणाऱ्या महासभेत हा "ज" खाली प्रस्ताव घेण्यात यावा हि विनंती.

Shawan

(निलम हरिश्चंद्र ढवण)

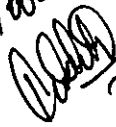
सभापती

प्रभाग समिती क्र.०३

मिरा भाईदर महानगरपालिका

प्राप्त दि. 20/1/98

क्र. 8-94 का.


20/1/98

डॉ. आसिफ शेख

M.Com. B.Ed., Ph.D.

सभापती

माजी विरोधी पक्ष नेते

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

माजी अध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा

किमान वेतन सल्लागार महामंडळ - महाराष्ट्र शासन

महाराष्ट्र प्रदेश निरीक्षक - जळगांव शहर (एन.सी.पी.)



स्वच्छ/पुणे/३७/१६-१५, २१/११/१६

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

प्रशासकीय कार्यालय, प्रभाग समिती क्र. १

पोलिस स्टेशन जवळ, भाईंदर (प.)

ता.जि. ठाणे - ४०११०१. दूरध्वनी : ०२२-२८१९८४९३

जावक क्र. मन्पा/सभापती/प्र.म.क्र. १/१३२/२०१६-१७

दिनांक : २०/०९/२०१६

प्रकरण क्र. ६५ कश्चित्

दि. २९/०९/२०१६ रोजीच्या मा.महासभेमध्ये "ज" अन्वये प्रस्ताव

विषय :- मिरा-भाईंदर शहरामध्ये डेग्यु, मलेरीया, वायरल फिवरची लागण, सुरु असून शेकडो रुग्ण हॉस्पिटलमध्ये दाखल असून ५ जणांचा मृत्यू झाल्याने स्वच्छ भारत अभियानात बाधा होण्याची शक्यता असून तातडीने आवश्यक त्या उपाययोजना करून नागरिकांना दिलासा देणेबाबत.

उपरोक्त विषयानुसार आपल्या निदर्शनास आणू देऊ इच्छितो की, मिरा-भाईंदर शहरामध्ये डासांचा प्रारुभाव वाढला आहे. त्यामुळे डेग्यु व मलेरीयाच्या रुग्णांची संख्या वाढत चालल्याचे दिसून येत आहे. मिरा- भाईंदर शहरामध्ये गटारावर डासांकरीता होणारी औषध फवारणी व्यवस्थितरित्या होत नसून ते औषध प्रभावी व चांगल्या प्रतीचे / दर्जाचे नसल्याचे दिसून येत आहे.

मिरा-भाईंदर शहरामध्ये मोठ्या प्रमाणावर डेग्यु व मलेरीया, अतिसार, वायरल फिवर आदी आजारपणाची लागण झाल्याचे दिसत असून भाईंदर (प.) श्रद्धा हॉस्पिटल, नाकोडा हॉस्पिटल मिरारोड येथील तनवर, तुंगा, वोकार्ड आदी विविध मनपा हद्दीतील रुग्णालयात पेशंट अॅडमिट आहेत. डेग्यु/मलेरीया ग्रस्त रुग्ण व त्यांचे नातेवाईकामध्ये पालिका प्रशासनाविरुद्ध तीव्र असंतोष पसरलेला असल्याचे दिसून येत आहे. एकीकडे आपण 'स्वच्छ भारत अभियान' राबवित आहोत परंतु दुसरीकडे मात्र आपल्या मिरा भाईंदर महापालिका हद्दीत डेग्यु व मलेरीया, अतिसार, वायरल फिवर आदी आजारपणाचे मोठ्या प्रमाणावर रुग्ण हॉस्पिटलमध्ये दाखल झाल्याने सदरचे अभियान यशस्वी करण्यांत आपण कुठेतरी कमी पडत असल्याचे चित्र दिसून येते. प्रभाग निहाय साफ-सफाई स्वच्छताकरीता ७५ कोटी तर एकात्मिक डांस निर्मुलन करीता २ कोटीचा खर्च करून देखील कामकाज समाधानकारक होत नसल्याने नागरिक संतप्त आहेत.

मिरा भाईंदर मनपा हॉस्पिटलसह शहरातील विविध खाजगी हॉस्पिटल मध्ये तीन महिन्यात सुमारे ६५० हून अधिक पेशंट मलेरीया व डेग्युची लागण झाल्याचे दिसत असून ते एडमिट आहेत व त्यापैकी ५ रुग्ण मरण पावले आहेत, ही अतिशय गंभीर स्वरूपाची बाब आहे.

सुमारे ४ ते ५ वर्षांपूर्वी पालिका प्रशासनाने औषध फवारणीकरीता निविदा न काढता डायरेक्ट 'बायर' या नामांकित कंपनीकडून विशेष बाब म्हणून शासनाच्या मान्यताप्राप्त दराने रेटकॉन्ट्रॅक्ट पध्दतीवर

डॉ. आसिफ शेख

M.Com. B.Ed., Ph.D.

सभापती

माजी विरोधी पक्ष नेते

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

माजी अध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा

किमान वेतन सल्लागार महामंडळ - महाराष्ट्र शासन
महाराष्ट्र प्रदेश निरीक्षक - जळगांव शहर (एन.सी.पी.)



मिरा भाईंदर महानगरपालिका

प्रशासकीय कार्यालय, प्रभाग समिती क्र. १

पोलिस स्टेशन जवळ, भाईंदर (प.)

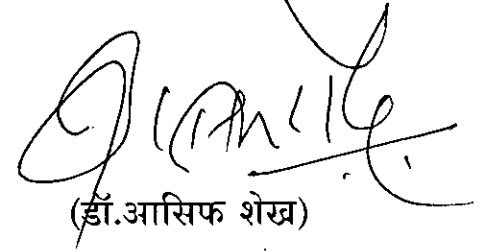
ता.जि. ठाणे - ४०११०१. दूरध्वनी : ०२२-२८१९८४९३

जावक क्र. _____

दिनांक : _____

औषधे मागविण्यांत आले होते. नामांकित कंपन्यांकडील औषध अत्यंत प्रभावी व परिणामकारक असल्याने डेग्यु व मलेरियांचे मच्छर त्यामुळे तात्काळ मरतात अशी एकदरीत नामांकित औषधांचे वैशिष्ट्य आहे. सध्याचे औषध फवारणीत वापरण्यांत येणारे केमिकलने मच्छर मरण्याऐवजी ते अधिकच पैलवान होत असल्याची चर्चा लोकांमध्ये केली जात आहे. तसेच मच्छरांना मारण्यासाठी फॉर्गिंग मशीनद्वारे धुर फवारणी करण्यासाठी बंद केलेली पध्दत पुन्हा सुरु करणे आवश्यक आहे.

तरी आपण कृपया वरीलप्रमाणे परिस्थितीचे गांभिर्य लक्षात घेऊन सद्यःस्थितीत फवारणी करण्यांत येणाऱ्या औषधे व त्यांचे ठेकेदार यांची तपासणी/चौकशी करावी. शासनाच्या नियमांप्रमाणे रेटकॉन्ट्रक्ट पध्दतीने डायरेक्ट बायर किंवा अन्य नामांकित कंपनीकडूनच औषधे मागविण्याबाबत तातडीने आवश्यक ती कार्यवाही करून मिरा भाईंदर शहरातील जनतेला दिलासा द्यावा. तसेच मिरा भाईंदर शहराच्या सर्व छोट्या मोठ्या रुग्णालयांमध्ये वेगवेगळे डॉक्टरांसह अधिकाऱ्यांचे पथक पाठवून रोजच्या रोज रुग्णांबाबत अहवाल घेण्यांत यावा व याबाबत आवश्यक ती उपाययोजना व कार्यवाही तातडीने करावी, असा प्रस्ताव मा.महासभेत सादर करित आहे.


(डॉ. आसिफ शेख)

प्रति,

नगरसचिव,

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

प्राप्त दि. 27/11/76

क्र. 3.94

[Signature]
27/11/76

प्रशांत ज्ञानदेव दळवी

नगरसेवक

सदस्य : वृक्ष प्राधिकरण समिती

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

विशेष कार्यकारी अधिकारी (S.E.O.) - महाराष्ट्र शासन



मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय,

स्व. इंदिरा गांधी भवन, भाईंदर (प.),

ता. जि. ठाणे - ४०१ १०१.

कार्यालय : सी / १४-१०१, आदर्श को. ऑप. हौ. सो. लि., शांतीनगर, सेक्टर नं. ४, मिरारोड (पूर्व), ता. जि. ठाणे - ४०१ १०७.

दूरध्वनी : २८१२८७७७ भ्रमणध्वनी : ९८६७७०८७७७ Email : prashantdalvi@gmail.com

जाबक क्र. मेना २३९६/१६

दिनांक : २४/०९/२०१६

दि. २९-०९-२०१६ रोजीच्या मा. महासभेत "ज" खाली प्रस्ताव घेणेबाबत.

प्रकरण क्र. ५६

प्रति,

मा. नगरसचिव साो.,

सचिव विभाग,

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका.

विषय : मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील अनधिकृत बांधकामांबाबत.

मिरा-भाईंदर शहरातील प्रामुख्याने संपूर्ण मिरारोड परिसराती अनधिकृत बांधकामचे पेव फुटले असून महानगरपालिकेला हस्तांतरीत करण्यात आलेल्या आर.जी. जागेवर देखील अतिक्रमण करून अनधिकृत बांधकाम करण्यात आलेले आहे. मे. शांतीस्टार बिल्डर कडून ताब्यात घेतलेल्या आर.जी. जागेमध्ये मे. राहूल बिल्डर नामक फलक लावून पालिकेने लावलेला आर.जी. फलक काढून टाकण्यात आले व तेथे अनधिकृत बांधकाम उभारले जात असून त्याकडे पालिकेचे दुर्लक्ष होत आहे. मिरारोड स्टेशन लगत डी.पी. रोडवर देखील अनधिकृतपणे पक्के गाळे बांधण्यात आलेले आहेत. त्याच परिसरातील प्रभाग क्र. ३८ मधील शांतीशॉपींग सेंटर मध्ये अंतर्गत बदल करून अनधिकृतपणे हॉटेल व गेस्ट हाउस मध्ये त्यांचे रूपांतर करण्यात आलेले आहे. तसेच शांतीनगर परिसरातील रहिवाशी प्राप्त इमारतींमध्ये सोसायटीची किंवा महापालिकेची कोणतीही परवानगी न घेतां परस्पर अंतर्गत बदल करून सदरहू रहिवाशी प्राप्त इमारतीचे वाणिज्य मध्ये रूपांतर केले जात आहे. त्यामुळे सदर इमारतीस भविष्यात धोका निर्माण होवू शकतो. प्रशासनामार्फत या परिसरातील अनधिकृत बांधकामांविरुधात कारवाईचा देखावा केला जातो. तसेच या अनधिकृत बांधकामधारकांना नोटीसा देताना अनधिकृत बांधकाम करणाऱ्यांना स्थगिती आदेश मिळविण्याकरीता संधी दिली जात आहे. त्यामुळे या नोटीसा म्हणजे केवळ कागदी घोडे नाचविण्याचा देखावा आहे. या अनधिकृत बांधकामधारकांवर MRTD कायदयान्वये कारवाईसुध्दा होत नाही. सदर बाब गंभीर असल्यामुळे उपरोक्त बाबींचा विचार करून या अनधिकृत बांधकामांवर कडक कार्यवाही होणे अपेक्षित असल्याने मा. महासभेत चर्चा होवून प्रस्ताव मंजूर होणेकरीता "ज" अन्वये प्रस्ताव मांडत आहे.

आपला विश्वासु,

प्रशांत ज्ञानदेव दळवी

नगरसेवक

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

231e134
200.3.90091
231e134

महाराष्ट्र शासन
अर्थ विभाग
मुंबई

आ. सं. १००१/२००१-०२ दि. २३/०३/२००१

२३/०३/२००१

२३/०३/२००१

मिरा भाईदर महानगरपालिका

९

मुख्य कार्यालय, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, भाईदर (प.)
ता. जि. ठाणे, ४०१ १०१.

मा. महिला व बालकल्याण समिती
सभा दि :-३०/०८/२०१६

प्रकरण क्र. ०१ - ~~निराधार~~/विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या विवाहाकरीता व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक सहाय्य करणेबाबत विचार विनिमय करणे.
ठराव क्र. ०१ -

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील ~~निराधार~~/विधवा/घटस्फोटीत महिलांना कोणताही कौटुंबिक आधार नसलेल्या महिलांना महिला व बालकल्याण विभागा मार्फत मुलींच्या विवाहाकरीता व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक सहाय्य करण्यात येते. परंतु सद्यस्थितीत करण्यात येत असलेली आर्थिक मदत महागाईचे काळात फार कमी आहे. त्यामुळे काही प्रमाणात वाढ करणे आवश्यक असल्याने सभेत एक मत होवुन यापुढे सदर योजने अंतर्गत मुलींच्या विवाहाकरीता रु.१७,०००/- (अक्षरी सतरा हजार मात्र) व शिक्षणाकरीता खालीलप्रमाणे अर्थसहाय्य करण्यात येते.

| शैक्षणिक वर्ष | वार्षिक मदत रुपये |
|---------------|-------------------|
| १ ते ५ | ५०००/- |
| ६ ते ८ | ६०००/- |
| ९ ते १२ | ८०००/- |
| १२ ते पदवी | १०,०००/- |

अ) निराधार/विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या विवाहाकरीता अर्थसहाय्य देण्याबाबत अटीशर्ती खालीलप्रमाणे :-

- अर्जदार मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये रहिवासी असावी.
- मुलीचे विवाहाचे वेळेचे वय १८ वर्षापेक्षा कमी असु नये यासाठी मुलीच्या जन्माचा दाखला किंवा शाळा सोडल्याचा दाखला जोडावा
- या योजनेखालील अनुदान फक्त मुलींच्या विवाहाकरिता राहिल.
- कुटुंबाचे मागील वर्षाचे वार्षिक उत्पन्न रु.१,००,०००/- पर्यंत असलेबाबत तहसिलदार यांचेकडील उत्पन्नाचा दाखला सादर करणे आवश्यक राहिल.
- अर्जदाराच्या मुलीचा विवाह निश्चित झाल्यानंतर अथवा विवाहानंतर ३० दिवसापर्यंत करण्यात आलेले अर्ज बाह्य समजण्यात येतील.
- अर्जदार महिलेने पतीच्या निधनाबाबत दाखला अर्जासोबत जोडण्यात यावा.



७. मुलीच विवाह नोंदणी झाल्याबाबतचा विवाह नोंदणी दाखला किंवा लग्नपत्रिका अर्जासोबत

जोडावी.

९८

सदरचे अनुदान पुर्नविवाहाकरीता देण्यात येणार नाही.

ब) निराधार/विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलामुलींना शिष्यवृत्ती देण्याबाबत अटीशर्ती

खालीलप्रमाणे :-

१. महानगरपालिका क्षेत्रामधील रहिवासी असावा.
२. बोनोफाईड सर्टिफिकेट
३. शिधापत्रकाची सत्यप्रत
४. निराधार/विधवा/घटस्फोटीत महिलेचे वय १८ ते ५० पर्यंत असावे
५. अर्जासोबत वहीलांचा मुत्युदाखला व घटस्फोटीत असल्यास त्याचे प्रमाणपत्र जोडणे आवश्यक आहे.
६. कुटुंबाचे मागील वर्षाचे वार्षिक उत्पन्न रु.१,००,०००/- पर्यंत असलेबाबत तहसिदार, ठाणे यांचेकडील उत्पन्नाचा दाखला सादर करणे आवश्यक राहिल.
७. कुटुंबातील दोन मुलांना व सर्व मुलींना या योजनेचा लाभ घेता येईल.
८. या वर्षाची शैक्षणिक फी संबधी शैक्षणिक शुल्क मागणी पत्र/शुल्क भरणा केलेला असल्यास पावती जोडणे आवश्यक आहे.
९. अर्जासोबत जोडण्यात आलेले सर्व छायांकित कागदपत्रे सक्षम अधिकाऱ्याने प्रमाणित केलेली असावीत
१०. दाखल केलेल्या अर्जाच्या अनुषंगाने आर्थिक मदत मंजूर करणे अथवा नाकारण्याचा अंतिम अधिकार महानगरपालिकेने राखून ठेवला आहे.

सन २०१६-१७ या आर्थिक वर्षात अंदाजपत्रकामध्ये “निराधार /विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या लग्नाकरीता आर्थिक मदत व मुलांच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक मदत” या लेखाशिर्षाखाली एकुण रु.५ लाख तरतुद करण्यात आलेली आहे. सदर तरतुदीमधून वरील प्रमाणे वाढीव दराने निराधार/विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या विवाहाकरीता व मुले/मुलींच्या शिक्षणाकरीता आर्थिक सहाय्य मंजूर करण्यास ही सभा मा. महासभेस शिफारस करित आहे.

सूचक-मुनी लाल शिर्षी

ठराव सर्वानुमते मंजूर

अध्यापिका

श्री. वि. बा. ल. कल्याण समिती
मि. भाईपर महानगरपालिका

दिपिका उरीडा
अनुमोदन

गोधवारा प्राप्त दि 03/06/2019 के 09:20
म. स्थायी समिती / महासभा गोधवारा
नोंट रजिस्टर अ. क्र. ४९
4/6/19
31/06/2019
गोधवारा विध. विभाग.

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, भाईंदर (प.)

ता. जि. ठाणे, ४०१ १०१.

प्रकरण क्र. ६६ कडित

मा. महिला व बालकल्याण समिती

सभा दि :- ३०/०८ /२०१६

प्रकरण क्र.०४ - महिला व बालकल्याण समितीच्या योजना राबविण्यासाठी महिला व बालकल्याणसमितीच्या कामकाजाबाबत अधिकार व कर्तव्य समितीला देणेबाबत

(महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २ नियम ३० (२) अन्वये)

ठराव क्र. ०४ -

मिरा भाईंदर महानगरपालिका मा. महिला बालकल्याण समिती गठीत करण्यात आलेली आहे. मा. महिला व बालकल्याण समिती द्वारे शहरातील महिला व बालकांसाठी शासनाकडून जाहिर झालेल्या अतिमहत्वाच्या योजना राबविल्या जात आहेत. महिला व बालकल्याण समिती द्वारे राबविल्या जाणाऱ्या विविध योजना तसेच उपक्रमासाठी सद्यस्थितीत मा. महासभेपुढे विषय घेऊन प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता घेण्यात येते. यामुळे एखाद्या प्रस्तावावर तात्काळ निर्णय घ्यावयाचा असल्यास महिला व बालकल्याण समिती पुढे निर्णय घेता येत नाही. तसेच काही योजना, उपक्रमासाठी शासनाकडून वेळ मर्यादा घालून दिलेली असते, अशा योजना उपक्रमावर त्वरीत निर्णय घेणे आवश्यक असते. मा. महासभेपुढे मान्यता घेणेच्या प्रक्रियेमुळे महत्वाच्या योजना, उपक्रम राबविणेसाठी तात्काळ निर्णय न होता विलंब होतो, करीता मा. महिला व बालकल्याण समितीस प्रशासकीय व आर्थिक मान्यतेचे संपूर्ण अधिकार दिल्यास समितीच्या निगडीत प्रस्तावांवर तात्काळ निर्णय होऊन योजना, उपक्रम विनाविलंब राबविले जातील.

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९, चे प्रकरण २ नियम ३० (२) नुसार महानगरपालिकेस, ठरावाद्वारे आपले अधिकार व कर्तव्ये यापैकी कोणतेही अधिकार व कर्तव्ये विनिर्दिष्ट केलेल्या विशेष समित्यांकडे प्रत्यायोजित करता येतील अशी तरतुद आहे.

त्यानुसार हयापुढे महिला व बालकल्याण समितीचे सर्व प्रस्तावास आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरीचे अधिकार मा. महिला व बालकल्याण समितीस देणेसाठी मा. महासभेकडे शिफारस करित आहे.

सुचक

V/S/ll

वर्षा भागुशाजी

ठराव सर्वानुमते मंजूर

Dhruva

अनुमोदन

Dhruva

दिवाणी भोसले

C:\Users\acer\Desktop\stine madam\Mahila Balkalyan Vibhag\ghoshwara\mahila balkalyan samiti adhikar krtavya.doc

महाराष्ट्र महानगरपालिका
महिला व बालकल्याण समिती

गोधवारा प्राप्त दि० 3/08/2019 एवेक 09.2.04
म. स. सी. विभाग / ग. स. सी. गोधवारा
नोंद रजिस्टर अ. क्र. 82
Y. S. S. S.
03/08/2019
ग. स. सी. विभाग.

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मा. महासभा दि. २९/०९/२०१६

॥ गोषवारा ॥

प्रकरण क्र. ६८ :- बारवी धरणाची उंची वाढविल्यामुळे बाधित होणाऱ्या क्षेत्रातील विस्थापीत लोकांना महानगरपालिकेत नोकरी उपलब्ध करून देणेबाबत...

राज्य शासनाच्या अर्थसंकल्पीय अधिवेशनात विधान परिषदेत दिलेल्या आश्वासनाची पूर्तता करण्याच्या अनुषंगाने बारवी धरणातून पिण्याचे पाणी घेणाऱ्या महानगरपालिकांनी प्रकल्पग्रस्तांना नोकऱ्यांमध्ये सामावून घेण्याच्या अनुषंगाने शासनाने महानगरपालिकेने विस्थापीत लोकांना नोकरी उपलब्ध करणेबाबत कार्यवाही करावी, असे सुचित केले होते.

जिल्हा नियोजन समितीच्या दि. १०/०९/२०१५ रोजी संपन्न झालेल्या बैठकीच्या इतिवृत्तांतातील मुद्दा क्र. १० मध्ये बारवी धरणाची उंची वाढविल्यामुळे अतिरिक्त पाणी साठी क्षेत्रामुळे बाधित होणाऱ्या विस्थापीत कुटुंबातील किमान एका सदस्यास ठाणे जिल्ह्यातील सर्व महानगरपालिकांनी तात्काळ नोकरी उपलब्ध करून द्यावी असा ठराव पारित केला आहे.

शासन निर्णय क्र. एसआरव्ही १०१७/प्र.क्र.३१/९८/१६ अ, दि. १६ मार्च, १९९९ नुसार शासन सरळ सेवेत भरतीसाठी समांतर आरक्षण (Horizontal Reservation) कार्यान्वीत करण्यासाठी अनुसरावयाची कार्यपद्धती विहित केलेली आहे. सेवेत नियुक्तीसाठी सामाजिक आरक्षण (उभे आरक्षण) व्यतिरिक्त असलेले विशेष आरक्षण (समांतर आरक्षण) लागू करण्यांत आले आहे. त्यामध्ये प्रकल्पग्रस्त/भुकंपग्रस्त ५ टक्के फक्त गट 'क' आणि 'ड' साठी लागू करण्यात आले आहे.

उपरोक्त शासन निर्णयातील तरतुदीनुसार 'क' आणि 'ड' संवर्गातील सरळसेवेची पदे भरताना समांतर आरक्षणान्वये प्रकल्पग्रस्त/भुकंपग्रस्त ५ टक्के प्रमाणे पदे भरण्याची कार्यवाही पूर्ण केली जाते.

प्रस्तुत प्रकरणी महाराष्ट्र प्रकल्पग्रस्त व्यक्ती पूनर्वसन कायदा १९९९ चे कलम ५ (क) नुसार मंजूर आस्थापना सुचिवरील रिक्त पदे भरतांना प्रकल्पग्रस्त व्यक्तींना शासन मान्यतेअंती ठाणे जिल्ह्यातील महानगरपालिकांना ज्या प्रमाणात बारवी धरणाच्या अतिरिक्त/वाढीव पाणीसाठी

(2)

उपलब्ध होईल, त्या प्रमाणात प्रकल्पग्रस्तांना विहित निकषांची पूर्तता करण्याच्या अटीवर त्या-त्या महापालिकेने सेवेत सामावून घ्यावयाचे आहे.

सद्यःस्थितीत मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवर शासन निर्णयानुसार गट 'क' आणि 'ड' अंतर्गत नियुक्त करणेत आलेल्या कार्यरत प्रकल्पग्रस्त कर्मचाऱ्यांची व रिक्त जागांची माहिती खालील प्रमाणे आहे.

| अ. क्र. | सर्वग | नामनिर्देशनासाठी मंजूर पदे | शासन निर्णयानुसार आरक्षण (५ %) | कार्यरत कर्मचारी | शेरां |
|---------|--------|----------------------------|--------------------------------|------------------|--|
| १. | गट - क | ९९ | ०५ | १२ | गट - क साठी प्रकल्पग्रस्तांसाठी पदे उपलब्ध नाहीत. |
| २. | गट - ड | २५९ | १३ | ०३ | गट - ड मध्ये १० पदे प्रकल्पग्रस्तांसाठी उपलब्ध आहेत. |

प्रस्तुत प्रकरणी बारवी धरणाची उंची वाढविल्यानंतर मिरा भाईंदर महानगरपालिकेस उपलब्ध होणाऱ्या पाणी पुरवठ्याच्या प्रमाणात बाधित प्रकल्प ग्रस्तांना मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या सेवेत सामावून घेणेस मा. महासभेची आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी मिळणेस शिफारस आहे.

(अच्युत हांगे)


आयुक्त

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

गोपवारा प्राप्त दि १८/०६/२०१६ वेळ ०५:१० वा.

सा. स्थायी समिती / महासभा गोपवारा

नोंद रजिस्टर अ. क्र.....३८.....


नगरसचिव विभाग.

मिरा भाईदर महानगरपालिका

मा. महासभा दि. २९/०९/२०१६

क्रिडा विभाग

॥ गोषवारा ॥

प्रकरण क्र. :- ^{६९} मिरा-भाईदर महानगरपालिकेमार्फत बांधण्यात आलेल्या क्रिडा संकुल इमारतीचा वापर सुरु करण्यासाठी धोरण निश्चित करणेबाबत.

ठराव क्र. :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेमार्फत बांधण्यात आलेल्या क्रिडा संकुल इमारतीचा वापर सुरु करण्यासाठी धोरण निश्चित करणेबाबत दि. १५/१/२०१५ रोजीच्या मा. महासभेपुढे ठेवण्यात आला होता. तथापि मा.महासभेने सदर कामी सविस्तर माहिती सादर करणेबाबत ठराव क्र. ६१ अन्वये निर्णय घेतला आहे.

यापुर्वी सादर केलेले धोरण स्वयंस्पष्ट असल्याने खालीलप्रमाणे क्रिडा धोरण पुनश्चः सादर करण्यात येत आहे.

- १) मिरा भाईदर महानगरपालिकेने भाईदर (पूर्व) मौजे गोडदेव येथे मंजूर विकास योजनेतील आरक्षण क्र. ११९ मैदाने या आरक्षणाच्या १५% जागेत सदर क्रिडा संकुल बांधलेले आहे. त्याकरीता एकूण १५.५० कोटी खर्च होणार आहे.
- २) सदर क्रिडा संकुलाचे एकूण क्षेत्र १७६७.९८ चौ.मीटर एवढे असून तळ + एक मजल्याची इमारत बांधलेली असून त्यामध्ये खालील सुविधा निर्माण करण्यात आल्या आहेत.

| | | |
|----------------------------|---|-------------------|
| १. जिम्नॅशियम | - | १ |
| २. स्क्वॉश कोर्ट | - | १ |
| ३. बॅडमिंटन कोर्ट | - | २ |
| ४. कॅरम, चेस, बिलीयर्ड रूम | - | १ |
| ५. कॅटीन | - | १ |
| ६. तरण तलाव | - | १ (काम सुरु आहे.) |

त्याच बरोबर इमारतीच्या पाठीमागे तरण तलावा शेंजारी मोकळा भुखंड उपलब्ध होणार आहे. त्यामध्ये खाजगी, सार्वजनिक समारंभ, लग्नकार्य इ. साठी वापर करता येईल.

- ३) सदर क्रिडा संकुलाचे संचलन करण्यासाठी इमारतीची सुरक्षा व्यवस्था, साफसफाई साठी कर्मचारी, सर्व खेळा ठिकाणी प्रशिक्षक, रिसेप्शन कर्मचारी, हिशोबनास कॅटींग चालविण्यासाठी कर्मचारी उपलब्ध करून द्यावे लागतील. महानगरपालिकेकडे एवढ्या मोठ्या स्वरूपात कर्मचारी वर्ग व प्रशिक्षक उपलब्ध नाहीत.
- ४) सदर क्रिडा संकुलनाच्या ठिकाणी व्यायामाचे साहित्य, सर्व खेळासाठी साहित्य देखिल उपलब्ध करून द्यावे लागणार असून विद्युत देयक, पाणी देयक यासाठी खर्च येणार आहे.
- ५) शहरातील सर्वसामान्य नागरीक व खेळाडूंना उपलब्ध खेळाच्या सुविधा उपलब्ध होण्याच्या दृष्टीने सदर क्रिडा संकुलाचा वापर सुरु करावयाचा आहे. त्यासाठी खालीलप्रमाणे धोरण निश्चित करावे लागेल.

उपरोक्त अनुषंगाने खालीलप्रमाणे क्रिडा धोरण तयार करण्यात आलेले आहे.

प्रस्तावित धोरण :-

संपूर्ण क्रिडा संकुल संचलन व चालविण्यासाठी निविदा प्रक्रिया करून अनुभवी कंत्राटदाराची नियुक्ती करणे, त्यास क्रिडा प्रकारासाठी व कॅटीन मधील आकारावयाचे दर निश्चित करून देणे, सदर कंत्राटदाराने स्वतःचे सुरक्षा रक्षक, साफसफाई कर्मचारी व सर्व खेळाचे प्रकार सुरू ठेवण्यासाठी आवश्यक साहित्य स्वतः पुरविणे, प्रशिक्षक व कर्मचारी नेमणे, कॅटीन मध्ये कर्मचारी नेमून कॅटीन चालविणे, विद्युत बिल, पाणी बिल भरणे याचा समावेश राहिल. त्याबदल्यात सदर कंत्राटदाराने महानगरपालिकेने ठरविलेले दर वापर करणाऱ्याकडून आकारणे, मोकळी जागा फक्त क्रिडा प्रयोजनासाठी भाड्याने देणे, मनपा.ने ठरविलेली मॅबरशिप फी घेणे इत्यादीचा समावेश असेल. सदर क्रिडा संकुल चालविण्यासाठी निविदेद्वारे नियुक्ती करावयाच्या कंत्राटदाराकडून रॉयलटी घेवून किंवा त्यांना प्रिमीयम देवून करण्यात येईल

क्रिडा धोरण

१) मोकळी जागा केवळ क्रिडा प्रयोजनासाठी - दरपत्रक

| अ. क्र. | आरक्षणाचा तपशिल | दरपत्रक (रु.) |
|---------|---|---------------|
| १ | मनपा. शाळा मधील विद्यार्थी | विनामुल्य |
| २ | खाजगी शाळा इ. १२ वी पर्यंतचे विद्यार्थी | १०००/- |
| ३ | वरिष्ठ महाविद्यालय | १०००/- |
| ४ | क्रिडा संघटना संस्था क्लब कंपनी इतर | २०००/- |
| ५ | वरिष्ठ गटातील राज्य राष्ट्रीय खेळाडू | १०००/- |

२) जलतरण तलाव - दरपत्रक

● मिरा भाईंदर महानगरपालिका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चे दर

| अ. क्र. | तपशिल | तिमाही दर रु. | सहामाही दर रु. | वार्षिक रु. |
|---------|---|---------------|----------------|-------------------------------|
| १ | १२ वर्षाखालील मुले/ मुली (प्रत्येकी) | १००/- | १८००/- | ३०००/- |
| २ | १२ वर्षावरील व्यक्ती (प्रत्येकी) | १२००/- | २४००/- | ४०००/- |
| ३ | अपंग, मनपा. कर्मचारी, राष्ट्रीय/ आंतरराष्ट्रीय खेळाडू, ज्येष्ठ नागरीक | ३००/- | ५००/- | १०००/- |
| ४ | लॉकर फी | | १०/- | |
| ५ | प्रती गेस्ट | | | प्रतिदिन गेस्ट टिकिट रु. ५०/- |

● गोरेगाव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चे दर

| अ. क्र. | तपशिल | | मॅबर | नॉन-मॅबर |
|---------|------------------|--------|--------|----------|
| १ | स्पर्धात्मक | तिमाही | २०००/- | ४५००/- |
| २ | जलतरण (Basic) | मासिक | १०००/- | २५००/- |
| ३ | जलतरण (Advance) | तिमाही | २०००/- | ४५००/- |
| ४ | जलतरण (Aqua fit) | मासिक | १६५०/- | ३३००/- |

● नवी मुंबई स्पोर्ट्स असोशिएशन चे दर

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | मासिक | | सहामाही |
|---------|---------------------------|----------------|-----------------------------|-----------------|-------|---------|----------------|---------|---------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि., व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | | | |
| १ | जलतरण | १५०/- | २००/- | ६०/- | ८००/- | ५०००/- | 1) Beginners | ९००/- | २०००/- |
| | | | | | | | 2) Pre-Advance | ११०००/- | १४०००/- |
| | | | | | | | 3) Advance | १५०००/- | १७०००/- |
| २ | वरिष्ठ नागरीकांसाठी जलतरण | | | ३५/- | ३२०/- | २०००/- | - | - | - |

३) बॅडमिंटन हॉल - दरपत्रक

● मिरा भाईंदर महानगरपालिका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चे दर.

| अ. क्र. | बॅडमिंटन हॉल आरक्षणाचा तपशिल | प्रतिदिन एक तास सराव शुल्क दर रु. |
|---------|--|-----------------------------------|
| १ | मनपा. शाळा विद्यार्थी | विनामुल्य |
| २ | २, ४ एकत्रित ग्रुप नागरीकांसाठी | प्रति व्यक्ति २५/- |
| ३ | मनपा. हद्दीतील खाजगी शाळांची मुले २, ४ | |

● गोरेगाव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चे दर

| अ. क्र. | तपशिल | | मेंबर | नॉन-मेंबर |
|---------|---------|--------|--------|-----------|
| १ | Advance | तिमाही | ३०००/- | ६०००/- |
| २ | Basic | मासिक | १०००/- | २०००/- |
| ३ | Basic | तिमाही | २०००/- | ४०००/- |
| ४ | Advance | मासिक | १५००/- | ३०००/- |

● नवी मुंबई स्पोर्ट्स असोशिएशन चे दर

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | | मेंबर मासिक सदस्य फी | नॉन-मेंबर मासिक सदस्य फी |
|---------|----------|----------------|-----------------------------|-----------------|-------|---------|--------|----------------------|--------------------------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि., व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | | | |
| १ | बॅडमिंटन | २००/- | ३००/- | ५०/- | ३००/- | ३०००/- | Bigger | २५००/- | ४५००/- |

| | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|-----------|---------------------|--------|--------|
| | | | | | | (lockers) | quarterly | | |
| | | | | | | | Pre-advance monthly | १२५०/- | १८५०/- |

४) स्क्वॅश कोर्ट दरपत्रक

- मिरा भाईदर महानगरपालिका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चे दर

| अ. क्र. | क्रिडा सुविधा तपशिल | दर रु. |
|---------|---|--------|
| १ | स्क्वॅश कोर्ट, सरावासाठी प्रती तास दर (प्रत्येकी) | १००/- |

- गोरेगाव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चे दर

| अ. क्र. | तपशिल | | मेंबर | नॉन-मेंबर |
|---------|---------------|--------|--------|-----------|
| १ | Squash -Basic | मासिक | १२५०/- | २५००/- |
| २ | Squash -Basic | तिमाही | २५००/- | ५०००/- |

- नवी मुंबई स्पोर्ट्स असोशिएशन चे दर

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक |
|---------|---------|----------------|-----------------------------|----------------|-------|---------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि., व सुट्टीचे दिवस | सदस्यांसाठी दर | | |
| १ | स्क्वॅश | २००/- | २५०/- | ६०/- | ६००/- | ६०००/- |

४) बास्केट बॉल – दरपत्रक

- मिरा भाईदर महानगरपालिका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चे दर

| अ. क्र. | क्रिडा सुविधा तपशिल | दर रु. |
|---------|--|--------|
| १ | बास्केट बॉल सरावासाठी प्रती तास दर (प्रत्येकी) | ५०/- |

- गोरेगाव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चे दर

| अ. क्र. | तपशिल | | मेंबर | नॉन-मेंबर |
|---------|-------------|--------|--------|-----------|
| १ | Basket ball | मासिक | ५००/- | १०००/- |
| २ | Basket ball | तिमाही | १०००/- | २०००/- |

- नवी मुंबई स्पोर्ट्स असोशिएशन चे दर

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रती तास | | | |
|---------|-------------|--------------|------------|-----------------|-------|
| | | सदस्य | संस्थासाठी | शैक्षणिक संस्था | इतर |
| १ | बास्केट बॉल | २००/- | २००/- | २००/- | ५००/- |

५) व्यायाम शाळा - दरपत्रक

| अ. क्र. | तपशिल | तिमाही दर रु. | सहामाही दर रु. | वार्षिक रु. |
|---------|--------------|---------------|----------------|-------------|
| १ | व्यायाम शाळा | १०००/- | १८००/- | ३५००/- |

६) सभासद फी

- मिरा भाईदर महानगरपालिका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स वार्षिक सभासद फी रु ५०००/-
- गोरेगाव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चे दर

| अ. क्र. | तपशिल | |
|---------|---|---|
| १ | सभासद (मुलगा/मुलगी/नातु (१८ वर्षाखालील) | वैयक्तिक - रु.६०,०००/- पती-पत्नी - रु.१,००,०००/- |
| २ | सभासदाचे पालक | वैयक्तिक - रु.४०,०००/- पती-पत्नी - रु.६०,०००/- |
| ३ | वरिष्ठ नागरीक (६० वर्षावरील) | वैयक्तिक - रु.४०,०००/- पती-पत्नी - रु.६०,०००/- |

- नवी मुंबई स्पोर्ट्स असोसिएशनची सभासद फी ही प्रत्येक खेळानुसार देण्यात आलेली आहे.

७) विविध क्रिडा सुविधा - दरपत्रक

| अ. क्र. | क्रिडा सुविधा तपशिल | दर रु. |
|---------|--|--------|
| १ | लॉन टेनिस सरावासाठी प्रती तास दर (प्रत्येकी) | १००/- |
| २ | वॉली बॉल सरावासाठी प्रती तास दर (प्रत्येकी) | ५०/- |
| ३ | बिलियर्ड/स्नुकर सरावासाठी प्रती तास दर (प्रत्येकी) (फ्रेम) | ५०/- |
| ४ | कॅरम/बुध्दीबळ | मोफत |

दि.२४/११/२०१५ रोजी निविदा, तदनंतर फेर-निविदा व सदर फेर-निविदेस पाच वेळा मुदतवाढ संकेतस्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली होती परंतु निविदा प्रुि तसाद मिळाला नसल्यामुळे गोरेगाव स्पोर्ट्स क्लब व नवी मुंबई स्पोर्ट्स असोसिएशनची दरांशी तुलना केली असता मिरा भाईदर महानगरपालिका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्सचे दर खुप कमी आहेत. तरी मिरा भाईदर महानगरपालिका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्सचे सुधारित दर खालीलप्रमाणे,

मिरा भाईदर महानगरपालिका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्सचे सुधारीत दर

१) मोकळी जागा केवळ क्रिडा प्रयोजनासाठी - दरपत्रक

| अ. क्र. | आरक्षणाचा तपशिल | दरपत्रक (रु.) |
|---------|----------------------------|---------------|
| १ | मनपा. शाळा मधील विद्यार्थी | विनामुल्य |

| | | |
|---|--|-------|
| २ | खाजगी शाळा इ. १२ वी पर्यंतचे विद्यार्थी (प्रति खेळ प्रति दिन) | ८००० |
| ३ | वरिष्ठ महाविद्यालय (प्रति खेळ प्रति दिन) | १२००० |
| ४ | क्रिडा संघटना संस्था क्लब कंपनी इतर (प्रति खेळ प्रति दिन) | १५००० |
| ५ | वरिष्ठ गटातील राज्य राष्ट्रीय खेळाडू (प्रति खेळ प्रति दिन) | १०००० |

२) जलतरण तलाव - दरपत्रक

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | मासिक | सहामाही | जलतरण साठी वार्षिक मॅबरशिप फी | |
|---------|---------------------------|----------------|----------------------------|-----------------|-------|---------|-------------|---------|-------------------------------|--------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि. व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | | | | |
| १ | जलतरण | १२५/- | १७५/- | १००/- | ८००/- | ५०००/- | Pre-Advance | ७०००/- | १००००/- | ५०००/- |
| | | | | | | | Advance | १००००/- | १५०००/- | |
| २ | वरिष्ठ नागरीकांसाठी जलतरण | | | २५/- | ३००/- | २०००/- | - | - | - | |

४) बॅडमिंटन हॉल - दरपत्रक

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | मॅबर मासिक सदस्य फी | नॉन-मॅबर मासिक सदस्य फी | वार्षिक मॅबरशिप फी | |
|---------|----------|----------------|----------------------------|-----------------|-------|---------------------|---------------------|-------------------------|--------------------|--------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि. व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | | | | |
| १ | बॅडमिंटन | १५०/- | २२५/- | ५०/- | ८००/- | ४०००/- (lockers) | Bigger quarterly | २०००/- | ४०००/- | ५०००/- |
| | | | | | | | Pre-advance monthly | १२००/- | १५००/- | - |

5) स्क्वॅश - दरपत्रक

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | वार्षिक मेंबरशिप फी |
|---------|---------|----------------------|--------------------------------|-----------------------|-------|---------|---------------------------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि., व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | |
| १ | स्क्वॅश | १५०/- | २००/- | ५०/- | ५००/- | ५०००/- | ५०००/- |

6) टेबलटेनिस - दरपत्रक

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | वार्षिक मेंबरशिप फी |
|---------|-----------|----------------------|--------------------------------|-----------------------|-------|---------|---------------------------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि., व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | |
| १ | टेबलटेनिस | १५०/- | २००/- | ५०/- | ५००/- | ५०००/- | ५०००/- |

7) व्हॉलीबॉल - दरपत्रक

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | वार्षिक मेंबरशिप फी |
|---------|-----------|----------------------|--------------------------------|-----------------------|-------|---------|---------------------------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि., व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | |
| १ | व्हॉलीबॉल | १५०/- | २००/- | ५०/- | ५००/- | ५०००/- | ५०००/- |

8) लॉनटेनिस - दरपत्रक

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | वार्षिक मेंबरशिप फी |
|---------|----------|----------------------|--------------------------------|-----------------------|-------|---------|---------------------------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि., व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | |
| १ | लॉनटेनिस | १५०/- | २००/- | ५०/- | ५००/- | ५०००/- | ५०००/- |

9) बास्केट बॉल - दरपत्रक

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | वार्षिक मेंबरशिप फी |
|---------|------------|----------------------|--------------------------------|-----------------------|-------|---------|---------------------------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि., व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | |
| १ | बास्केटबॉल | १५०/- | २००/- | ५०/- | ५००/- | ५०००/- | ५०००/- |

10) बिलियर्ड / स्नुकर – दरपत्रक

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | वार्षिक मेंबरशिप फी |
|---------|----------------------|----------------------|--------------------------------|-----------------------|-------|---------|---------------------------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि., व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | |
| १ | बिलियर्ड / स्नुकर | १५०/- | २००/- | ५०/- | ५००/- | ५०००/- | ५०००/- |

11) कॅरम / बुध्दीबळ – दरपत्रक

| अ. क्र. | तपशिल | दर प्रति दिन | | | मासिक | वार्षिक | वार्षिक मेंबरशिप फी |
|---------|--------------------|----------------------|--------------------------------|-----------------------|-------|---------|---------------------------|
| | | सोम. ते शुक्र. | शनि., रवि., व सुट्टीचे दिवस | सदस्यां साठी दर | | | |
| १ | कॅरम / बुध्दीबळ | १००/- | १२५/- | ५०/- | ५००/- | ५०००/- | ५०००/- |

12) व्यायाम शाळा - दरपत्रक

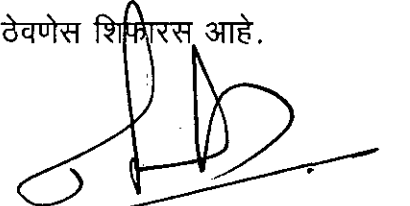
| अ. क्र. | तपशिल | तिमाही दर रु. | सहामाही दर रु. | वार्षिक रु. | वार्षिक मेंबरशिप फी |
|---------|--------------|---------------|----------------|-------------|------------------------|
| १ | व्यायाम शाळा | ३०००/- | ५०००/- | १००००/- | ५०००/- |

अटीशर्ती :-

१. महापालिकेच्या कार्यक्रमाकरिता सदरहू मैदान विनामुल्य उपलब्ध करून देण्यात येईल.
२. सदरहू मैदान कोणत्याही कार्यक्रमासाठी कोणालाही उपलब्ध करून दिले जाणार नाही.
३. मैदान आरक्षण काळात विजेचा वापर करावयाचा असल्यास संबंधित विद्युत विभाग यांची पुर्व परवानगी घेऊन विद्युत मिटर रिडींग पाहून नोंद घेण्यात यावी. व आरक्षण काळात एकुण वापरलेल्या युनिट प्रमाणे विद्युत विभाग ठरवून देईल त्यानुसार विद्युत बिल भरावे लागेल. त्याकरिता अनामत रक्कम भरणे अनिवार्य राहिल.
४. मिरा भाईंदर महानगरपालिका आयोजित वा पुरस्कृत कार्यक्रमांना मैदानाची आवश्यकता असल्यास दिलेले आरक्षण रद्द करण्याचा अधिकार मा. आयुक्त यांनी राखून ठेवला आहे.
५. मैदान परिसरात दारू, मादक द्रव्य घेण्यास सक्त मनाई आहे. असे आढळून आल्यास योग्य ती पोलीस कारवाई संबंधितावर केली जाईल. अशा संस्था/ क्लब/ कंपनी/ खेळाडुंना भविष्यात पुन्हा मैदान सरावासाठी दिले जाणार नाही.

६. विद्युत प्रकाश झोतातं स्पर्धा आयोजीत करावयाच्या असल्यास विद्युत बिलाचा खर्च संबंधित आयोजकास करावा लागेल. याकरीता विद्युत अनामत रक्कम म्हणून रु.१५,०००/- जमा करावे लागतील. स्पर्धा संपल्यानंतर प्रत्यक्ष विद्युत खर्च वजा जाता उर्वरित अनामत रक्कम परत केली जाईल.
७. मैदानात स्पर्धा आयोजन झाल्यानंतर मैदान स्वच्छ करून देण्याची जबाबदारी संबंधित आयोजकांवर बंधनकारक राहिल. अन्यथा त्यांच्याकडून दंडात्मक रक्कम म्हणून रु.२०००/- वसूल करण्यात येईल.
८. मैदाना संबंधित अधिकारी, कर्मचारी यांचे सोबत खेळाडू/ संस्था/ मंडळ/कंपनी/ क्रिडा संघटना यांची वर्तणुक सहकार्याची असणे अपेक्षित आहे.
९. स्थानिक शाळा/विद्यालयातील विद्यार्थ्यांकडे मैदानात येताना ओळखपत्र असणे बंधनकारक राहिल. संबंधित प्राधिकृत ओळखत्रा शिवाय मैदानात प्रवेश देण्यात येणार नाही.
१०. शासकिय, निमशासकीय स्पर्धाकरीता मैदान आरक्षणास प्रथम प्राधान्य देण्यात येईल.
११. पोलीस परेड, ध्वजसंचलन, अग्निशमन दल संचलन वा त्यांचा सराव यांचेसाठी मैदानाचा वापर प्रत्यक्षात कार्यक्रमाचा दिवस धरून ०३ दिवसापेक्षा जास्त कालावधीसाठी देण्यांत येणार नाही.
१२. क्रिडा संकुलात आयोजकांस कोणत्याही प्रकारचे खाद्यपदार्थ, शितपेये क्रिडा संकुल कार्यालयाची पुर्व परवानगी घेतल्याशिवाय विकता येणार नाही. क्रिडा संकुलातील कॅन्टीग शाकाहारी व मांसाहारी राहिल.
१३. अर्जदारांकडून वरील अटीचे उल्लंघन झाल्यास निदर्शनास आल्यास तातडीने कार्यक्रम थांबविण्यात येईल.

वरीलप्रमाणे भाईदर (पु) मौजे गोडदेव येथील मंजुर विकास योजनेतील आरक्षण क्र.११९ या जागेत बांधलेले क्रीडासंकुल चालविणेसाठी वरीलप्रमाणे क्रीडा धोरण निश्चित करणेकामी मा. महासभेपुढे ठेवणेस शिफारस आहे.



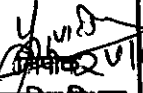
(डॉ. नरेश गिते)

आयुक्त

मिरा भाईदर महानगरपालिका



110

| |
|---|
| गोपवारा प्राप्त दि. 27/09/2023 वेळ ... 9.25.00 वा. |
| ना. स्थायी समिती / महसुला गोपवारा |
| नोंद रजिस्टर अ. क्र. 42 |
|  दि. 27/09/2023 |
| नगरसचिव विभाग. |

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

मा. महासभा दि. २९/०९/२०१६

बांधकाम विभाग

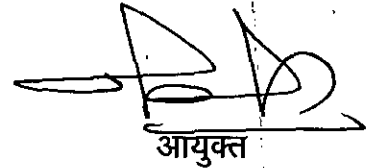
// गोषवारा //

प्रकरण क्र. (७०) :- मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात उत्तन भागात मत्स्य व्यवसायास चालना देण्यासाठी आधुनिक मासे बाजार (Fishery Hub) तयार करणेबाबत विचार विनिमय करून निर्णय घेणे ...

महाराष्ट्र शासनाच्या मत्स्य व्यवसाय विभागामार्फत विविध उपक्रम व योजना राबविण्यात येतात. सदर योजनेअंतर्गत मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विशेषतः उत्तन विभागातील मत्स्य व्यवसायास चालना देण्यासाठी सदर भागात आधुनिक मासे बाजार तयार करता येऊ शकेल. सदर योजनेअंतर्गत घाऊक व किरकोळ बाजाराची उभारणी, मासे विक्रीचे स्वतंत्र कक्ष, Effluent Treatment Plant, मासे प्रक्रिया केंद्र, शितगृह तयार करणे, वाहतूक नियंत्रण, गोडावून उभारणे, जेटी इत्यादी कामे व त्या अनुषंगिक येणारी इतर व्यवस्था करता येतील. मत्स्य विभागाच्या अंतर्गत येणाऱ्या महाराष्ट्र मासे विकास महामंडळ (MFDC) मार्फत त्यांना महानगरपालिकेचा ठराव व जागा उपलब्ध करून दिल्यास सदर उपक्रमाचा सविस्तर प्रकल्प अहवाल तयार करून दिला जातो.

या उपक्रमासाठी केंद्रीय मत्स्य विकास महामंडळामार्फत ४०% अनुदान उपलब्ध होते. तसेच जिल्हा नियोजन समिती व नगरविकास विभागाकडून विशेष योजनेअंतर्गत अनुदान प्राप्त होऊ शकेल. उत्तन भागात मोठ्या प्रमाणावर मासेमारीचा व्यवसाय होत असल्याने सदर उपक्रम मिरा. भाईदर महानगरपालिकेमार्फत राबविल्यास स्थानिकांना मासे टिकविण्यासाठी शितगृह, मासे विक्रीसाठी बाजारपेठ उपलब्ध होऊन त्यामधून इतर मासांहारी वस्तुच्या तुलनेमध्ये जास्त प्रथिनयुक्त व कमी किमतीत बारमाही आरोग्यवर्धक मासे उपलब्ध होऊ शकतील. तसेच आरोग्य व बायोवेस्ट निकाली काढण्यासारख्या समस्यांवर मात करता येऊ शकेल.

सदर उपक्रमासाठी सुयोग्य जागेची निवड करून सदर उपक्रम राबविण्याकरीता मान्यता देण्यास शिफारस आहे.



आयुक्त

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

| | |
|--------------------------------|-----------------|
| गोपबारा प्राप्त दि. १९/१२/२०१६ | वेतन १०.१० |
| ना. रघोवी गंगोटी | जलसभा गोपबारा |
| नोंद रजिस्टर नं. क्र. ६७ | |
| | दिनांक १०/१२/१६ |
| | नगरसचिव विभाग. |

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

बांधकाम विभाग

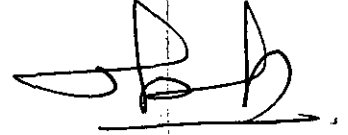
मा. महासभा दि. २९/०६/२०१६

// गोषवारा //

प्रकरण क्र. (७९) :- मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या मालमत्ता सवलतीच्या दरात भाड्याने देण्याबाबत विचार विनिमय करून निर्णय घेणे.

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या विविध मालमत्ता भाड्याने देणेसाठी मा. महासभेने वेळोवेळी दर निश्चित करून दिले आहेत. मा. महासभा दि.२८/०६/२०१६, ठराव क्र. २३ अन्वये महानगरपालिकेच्या जागा फक्त योगासन / व्यायामासाठी सवलती दरात मागणीनुसार उपलब्ध करून देण्याचे अधिकार मा. आयुक्त यांना प्रदान करण्यात आलेले आहेत. महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईदर (प.) येथील डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर भवन (नगर भवन) इमारतीमधील हॉल सामाजिक व लोकोपयोगी कार्यक्रमांसाठी सवलतीच्या दराने व विनामूल्य उपलब्ध करून देण्याबाबत विविध सामाजिक संस्था, पदाधिकाऱ्यांमार्फत विनंती करण्यात येते. तथापी महानगरपालिकेचे धोरण नसल्याने सदर हॉल विनामूल्य अथवा सवलतीच्या दरात देता येत नाही. मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या कर्मचारी पतपेढीसाठी व मिरा भाईदर वार्ताहर संघाच्या कार्यक्रमासाठी दरवर्षी सदर हॉल विनामूल्य देण्यात येत असल्याने मा. महापौर यांच्या विनंतीनुसार सदर हॉल चालू वर्षीदेखील विनामूल्य उपलब्ध करून देण्यात आलेला आहे.

तरी सदर हॉल सवलतीच्या दरात व विनामूल्य उपलब्ध करून देण्यासाठी धोरण निश्चित होणेस शिफारस आहे.



आयुक्त

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

गोपवारा प्राप्त दि. १६/१०/१९७७
मा. स्थायी समिती / नगराध्यक्ष योजनेद्वारा
नोंट रजिस्टर अ. क्र. ४६
१६/१०/७७
नगरसेवेचे विभाग.

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका
बांधकाम विभाग
मा. महासभा दि. २९/०९/२०१६

// गोषवारा //

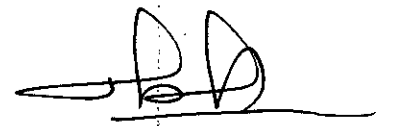
प्रकरण क्रमांक (७२) :- मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील मैदानाच्या (आरक्षण / आर.जी. क्षेत्राच्या) भाड्याबाबत.

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विविध मालमत्ता भाड्याने देण्यासाठी मा. महासभा दि.२३/०३/२०१५ ठराव क्र.८० अन्वये दर निश्चित करण्यात आले आहेत. सदर ठरावात मैदाने (आरक्षणे व आर.जी जागा) शाळेच्या खेळासाठी/ कला व क्रिडासाठी रु.३०००/- प्रति दिन भाडे निश्चित केले आहे.

मा. महासभा दि.१२/०८/२०१६ ठराव क्र.५३ अन्वये सदर भाडे पहील्या दिवसासाठी रु.३०००/- व पुढील प्रत्येक दिवसासाठी रु.१०००/- प्रतिदिन आकारण्यास मान्यता दिली आहे. मा. महासभा दि.१२/०८/२०१६ मध्ये सदर प्रस्ताव हा महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम अनुसुची "ड" मधील प्रकरण दोन (एक) "ज" अन्वये आला होता.

तथापी मुळ ठरावात सदर मैदाने (आरक्षणे व आर.जी जागा) शाळेच्या खेळासाठी/ कला व क्रिडासाठी देण्याचा उल्लेख असून श्रीगणेशोत्सव व नवरात्र उत्सावासाठी देण्याचा उल्लेख नव्हता. मा.महासभा दि.१२/०८/२०१६ ठराव क्र.५३ मध्ये मैदाने, आर.जी. जागा श्रीगणेशोत्सव/ नवरात्रोत्सवासाठी देण्याबाबत उल्लेख आहे.

सदर ठरावाच्या अनुशंगाने मा. महासभा दि.१२/०८/२०१६ ठराव क्र.५३ नुसार ठरविलेले भाडे आकारणेस व मैदानाच्या आरक्षित व आर.जी. च्या महानगरपालिकेच्या जागा श्रीगणेशोत्सव/ नवरात्रोत्सवासाठी भाड्याने देण्यासाठी मान्यता देणेस शिफारस आहे.



आयुक्त
मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

जोपनाम नमूना दि. 9/1/14 लेख 80.80
ना. 1234 / 5678
मोटा संख्या ५५
१२३४
व्यक्तिगत विभाग.

५३५

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

मा. महासभा दि. २९/०९/२०१६

बांधकाम विभाग

// गोषवारा //

प्रकरण क्र. (७३):- मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील भाईदर (पूर्व) जैसलपार्क खाडी किनारी खाद्य विक्रीसाठी किऑस्क (स्टॉल) बसविणेच्या प्रस्तावाबाबत फेरविचार करून निर्णय घेणेबाबत...

मिरा-भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात भाईदर (पूर्व) जैसल पार्क मधील स.क्र. २०९ ही जागा मंजूर विकास योजनेत चौपाटी साठी आरक्षित आहे. सदर चौपाटी आरक्षणाची जागा मा. जिल्हाधिकारी, ठाणे यांनी अतिक्रमणापासून संरक्षणासाठी मिरा भाईदर महानगरपालिकेकडे हस्तांतर केलेली आहे. तथापी सदर जागेवर सन १९९२ पूर्वीपासून श्री. गणेश मुर्तीचे विसर्जन होत असल्याने तसेच सदर खाडी किनारी मोठ्या प्रमाणावर नागरीक, रहीवासी फिरावयास येत असल्याने तत्कालिन नगरपरिषदेच्या काळापासून म्हणजेच १९९२ पासून सदर ठिकाणी महानगरपालिकेने जागेच्या संरक्षणासाठी व नागरीकांच्या सुरक्षिततेसाठी व सोयीसाठी विविध सोयी उपलब्ध केलेल्या आहेत ही वस्तुस्थिती आहे.

सदर चौपाटीच्या जागेवर विशेषतः सध्या काळच्या वेळेस मोठ्या प्रमाणावर हातगाड्या व खाद्य विक्रेते हे अनधिकृत रीत्या येऊन व्यवसाय करतात. सदर ठिकाणी महानगरपालिकेमार्फत ६'०" x ६'०" या मोजमापाचे किऑस्क (सोबत जोडलेल्या नकाशाप्रमाणे) उभारण्यास परवानगी दिल्यास किऑस्क (स्टॉल) मध्ये चांगले खाद्य ठेऊन नागरीकांना उपलब्ध करून देता येईल. तसेच सदर किऑस्क (स्टॉल) चे महानगरपालिकेस भाडे देखिल मिळू शकेल व अनधिकृत विक्रेत्यांना सदर ठिकाणाहून मज्जाव करता येईल या उद्देशाने मा. तत्कालिन आयुक्त यांनी दिलेल्या मान्यतेनुसार सर्व प्रथम मा. स्थायी समितीची मान्यता घेऊन (मा. स्थायी समिती सभा दि.२१/०९/२०१३ ठराव क्र. १८) स्वखर्चाने किऑस्क (स्टॉल) उभारतात त्यांचे भाडे साठी बोली पध्दतीने देकार / दर मागविण्यात आले. सदर दर अंतिम मान्यतेसाठी मा. महासभेपुढे सादर करण्यात आले. मा. महासभा दि.२१/०९/२०१३ ठराव क्र. ३४ अन्वये सदर चौपाटी आरक्षणाच्या जागेत १० किऑस्क (स्टॉल) ठेवणेसाठी वार्षिक रु.६०,२००/- या दराची मे. एकता कंस्ट्रक्शन यांची निविदा मंजूर करण्यात आली.

दरम्यानच्या काळात सदर किऑस्क (स्टॉल) उभारणेसाठी मा. जिल्हाधिकारी ठाणे यांच्याकडे प्रस्ताव पाठवून परवानगी मागण्यात आली. तथापी सदर परवानगी प्राप्त झालेली नाही. तथापी सदर चौपाटीच्या जागेवर मोठ्या प्रमाणावर नागरीक व रहीवासी फिरावयास येत

②

असल्याने व अनधिकृत फेरीवाले, हातगाडीवाले मोठ्या स्वरूपात उभे राहून विक्री करण्याची बाब निदर्शनास आल्याने सदर ठिकाणी १० किऑस्क (स्टॉल) उभारणेस मा. महासभेने ठरविलेले भाडे जमा करून व करारनामा करून प्रस्तावास मान्यता दिली. त्याअनुशंगाने संबंधित कंत्राटदार यांना करारनामा करून कार्यादेश देण्यात आलेले आहेत. सदर कंत्राटदाराने पहील्या वर्षाचे रु.६०,२००/- एवढे भाडे देखिल जमा केलेले आहे.

सदर किऑस्क (स्टॉल) उभारण्यास स्थानिक लोकप्रतिनिधी, विविध संस्थांनी विरोध दर्शविलेला आहे. जिल्हाधिकारी, ठाणे यांचीही मान्यता प्राप्त नाही. तरी सदर किऑस्क बसविण्याच्या प्रस्तावाबाबत फेरविचार करून निर्णय घेण्यास शिफारस आहे.



आयुक्त
मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

| |
|--|
| गोपवारा प्राप्त दि. ८/०९/२०१६ देव. ११.२.१० |
| मा. स्थायी समिती / महासभेस गोपवारा |
| नोंद रजिस्टर अ. क्र. ४४ |
| नगर सचिव विभाग. |

१०/०९/२०१६

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

मा. महासभा दि. २१/०१/२०१६

बांधकाम विभाग

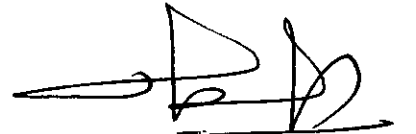
// गोषवारा //

प्रकरण क्र. (७४) :- ठाणे किनारे व लगतच्या शहरामध्ये अंतर्गत जलवाहतूक सुविधा सुरु करणे कामाच्या प्रस्तावास मान्यता देणेबाबत...

केंद्र शासनाने जलवाहतूकीस प्राधान्य दिले असून मुंबई महानगर क्षेत्रातील वाढती प्रवासी व वाहन संख्या आणि त्यातून निर्माण होणारी वाहतूक कोंडी यावर उपाय म्हणून या क्षेत्रातून वाहणाऱ्या ठाणे खाडीत जलवाहतूक सुरु करण्याचे महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्डकडून प्रस्तावित आहे. त्यासाठी मेरीटाईम बोर्ड यांनी पुढाकार घेऊन इतर महानगरपालिकांच्या संयुक्त विद्यमाने हा प्रकल्प राबविण्याचे नियोजन आहे. या प्रकल्पापुढे उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली, ठाणे, मिरा-भाईदर, वसई-विरार, भिवंडी, नवी मुंबई या महानगरपालिकांना जलवाहतूकीचा उपयोग होणार आहे.

या प्रकल्पासाठी तांत्रिक सुसाध्यता व सविस्तर प्रकल्प अहवाल तयार करण्यासाठी महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड व ठाणे महानगरपालिकेमार्फत सल्लागाराची नियुक्ती करण्यात आली असून त्यांनी सुमारे २४० कोटी इतक्या किंमतीच्या ढोबळ मानाने प्रकल्प अहवाल तयार केला आहे. त्याचा सविस्तर प्रकल्प अहवाल करण्याची कार्यवाही सुरु असून या प्रकल्पास केंद्र शासनाचे अनुदान मिळावे यासाठी महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड केंद्राकडे हा प्रकल्प पाठविणार असून त्यापैकी ५० % वाटा केंद्राचा व उर्वरित ५० % वाटा राज्याचा राहणार आहे. राज्याच्या ५० % वाट्यापैकी २५ % वाटा महानगरपालिकांचा राहणार आहे.

सदर जलवाहतूक प्रकल्पांतर्गत भाईदर (पूर्व) जेसल पार्क ते घोडबंदर पर्यंतच्या खाडी किनाऱ्यावर टर्मिनल उभा राहणार आहे. सदर प्रस्तावाच्या अनुषंगाने महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड यांनी सदर प्रस्ताव मंजूरीसाठी महानगरपालिकेच्या सर्वसाधारण सभेत ठेऊन त्यासंदर्भात ठराव करून महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्डस पाठविण्यास कळविले आहे. जेणेकरून हा प्रकल्प केंद्र शासनास सादर करता येईल. सदर प्रस्तावाच्या अनुषंगाने मिरा-भाईदर महानगरपालिकेस प्रत्यक्षात करावयाच्या खर्चाची रक्कम सविस्तर प्रकल्प अहवाल तयार झाल्यावर महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड मार्फत कळविण्यात येणार आहे. तदनंतर सदर खर्चासाठी मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या अर्थसंकल्पात तरतूद करता येईल. सद्यस्थितीत प्रस्तावानुसार मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात सदर प्रकल्प राबविणेसाठी महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्डस कळविणेसाठी मान्यता देणेस शिफारस आहे.



आयुक्त

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

गोपवारा प्राप्त दि 01/08/2009 चेक 222.00
जा. स्वकीय ~~गोपवारा~~
नोंट रजिस्टर नं. 83
जयराज चव विभाग.

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

मा. महासभा दि. २९/०९/२०१६

बांधकाम विभाग

// गोषवारा //

प्रकरण क्रमांक (७७) :- पावसाळी पाण्याचा निचरा होण्याच्या दृष्टीने जाफरी खाडीच्या लगत मिरारोड व दहिसर स्टेशन दरम्यान नविन कल्वर्ट बांधणे कामाबाबत विचार विनिमय करून निर्णय घेणे.

मिरा-भाईदर महानगरपालिका हद्दीत मिरारोड जाफरी खाडी लगत पावसाळी पाण्याचा निचरा होण्याच्या दृष्टीने दहिसर चेकनाका पासून पेणकरपाडा कडून येणारी खाडी रेल्वे लगत असल्याने त्या ठिकाणी वाढीव कल्वर्ट बांधणे कामाबाबत निर्णय घेण्याचा प्रस्ताव मा. महासभा दि. ११/१२/२०१३ मध्ये ठेवण्यात आला. त्या अनुषंगाने सदरील प्रस्तावावर चर्चा होऊन मा. महासभा दि. ११/१२/२०१३ ठराव क्र. ६५ अन्वये सविस्तर प्रकल्प अहवाल तयार करून पुन्हा सदरील प्रस्ताव मा. महासभेपुढे सादर करणेबाबतचा ठराव पारित करण्यात आला.

मिरा-भाईदर महानगरपालिका हद्दीतील काशि, महाजनवाडी डोंगर, तसेच संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यानातून पावसाळ्यात मोठ्या प्रमाणात पाणी मिरारोड पूर्वेकडे सृष्टी, शांतीनगर इ. भागात येत असते. सदरील भागातील पाणी मिरारोड पूर्वेकडून जाफरी खाडीच्या रेल्वे पूलाखालून पश्चिमेस खाडीकडे जाते. तसेच मिरारोड (पूर्व) शांतीनगर येथील नयानगर, शांतीपार्क, पूनमसागर, सृष्टी, जांगीड, आर.एन.ए. इ. भागातील पाण्यास जाण्याचा मार्ग हा जाफरी खाडी आहे. त्यामुळे सदरील भागात पावसाळ्यात मोठ्या प्रमाणावर पाणी जमा झाल्यास व जाफरी खाडीतून सदरील पाण्याचा निचरा न झाल्यास मिरारोड (पूर्व) भागात पाण्याची पातळी वाढून पूरजन्य परीस्थिती निर्माण होत असते. सदरील जाफरी खाडीकडे जाणारा पाण्याचा निचरा नियंत्रीत करणेस, दहिसर चेकनाका पासून पेणकरपाड्याकडून येणारी खाडी रेल्वे लगत असल्याने Km 38/9 या ठिकाणी नविन कल्वर्ट बांधल्यास पाण्याचा निचरा जलद गतिने होण्यास मदत होईल, सदर बाब तदनंतर रेल्वे प्रशासनास कल्वर्ट बांधण्यास कळविण्यात आली होती. त्यावर रेल्वे प्रशासनाने त्या ठिकाणी Feasibility तपासून व आवश्यक आकारमानाचे अतिरीक्त कल्वर्ट बांधण्यास हरकत नसल्याचे व सदरील काम Deposit Work करण्याबाबत कळविले. तसेच सदरील कामी येणारा खर्च महानगरपालिकेस करावा लागेल असे कळविण्यात आले. सदरील कल्वर्ट बांधणे कामामध्ये १८०० मी.मी. आकारमानाचे, ७० मीटर लांबीचे ९ Row पाईप Micro Tunneling पध्दतीने Pushing करणे, कामाच्या जागेच्या ठिकाणी जाणेकरीता दोन्ही बाजूस Approach रस्ता तयार करणे व जाफरी खाडीवर तात्पुरता पुल (Temporary Bridge) बांधणे कामाचा समावेश असणे आवश्यक आहे.

मिरारोड व दहिसर स्टेशन दरम्यान प्रस्तावित ठिकाणी (Km 38/9) कल्वर्ट बांधणे करीता feasibility study व Detail Survey करणे कामी मे. राईट्स लि. या रेल्वेच्या अंगीकृत यंत्रणेची तांत्रिक सल्लागार म्हणून नेमणूक करण्यास मा. महासभा दि. ११/१२/२०१३ ठराव क्र. ६५ अन्वये मंजूरी दिलेली आहे. त्यानुसार मे. राईट्स लि. यांच्या समवेत करारनामा करून दि. ०४/०३/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये नेमणूक करण्यात आली. प्रस्तावित जागेवर करारनामातील अटी व शर्तीनुसार मे. राईट्स लि. यांनी सर्व्हेक्षण कामास सुरुवात केली असता सदरील जागा ही अतिशय अडचणीची व काम करण्यास अतिशय

त्रासदायक असल्याचे आढळले. सदरील ठिकाणी मे. राईट्स लि. यांनी सविस्तर सर्व्हेक्षण करून खालीलप्रमाणे अहवाल सादर केलेला आहे.

- १) Geotech investigation :- मे. राईट्स लि. यांनी सदरील जागेवर Geotech investigation करून नकाशासह अहवाल सादर केलेला आहे. **सदरील Geotech investigation नुसार मिरारोड व दहिसर स्टेशन दरम्यान प्रस्तावित ठिकाणी प्रत्यक्षात कल्वर्ट बांधण्याची जागा Feasible आहे, असे कळविले आहे.**
- २) Site is surrounded with dense mangroves and will require environmentally ministry clearance for implementation of this project. :- प्रस्तावित ठिकाणी कल्वर्ट बांधण्याची जागा व परिसर हा तिवारांच्या झाडांनी (Dense Mangroves) अतिशय व्यापलेला आहे. सदरील ठिकाणी विहित नमुन्यात स्वतंत्र सविस्तर प्रस्ताव तयार करून पर्यावरण विभागाची (CRZ Authority) परवानगी प्राप्त करावी लागणार आहे.
- ३) Approach to site is isolated and difficult to reach at site, cost of approach road & temporary bridge to be constructed, is another hurdle and cost involving issue. :- प्रस्तावित ठिकाणी कल्वर्ट बांधणेच्या जागेवर जाण्याकरीता रस्ता नसल्याने मिरारोड पूर्वेस जाफरी खाडीवर तात्पुरत्या स्वरूपात ब्रिज बांधावा लागणार आहे. तसेच पुढे प्रस्तावित ठिकाणी जाण्याकरीता रेल्वे लाईनलगत ६०० मी. लांब व १०.०० मी. रुंदीचा Approach रोड तयार करावा लागणार आहे. सदरील Approach रोड व ब्रिज बांधण्याची जागा ही सी.आर.झेड. ने बाधीत होत असल्याने सी.आर.झेड प्राधिकरणाची परवानगी घ्यावी लागणार आहे. त्याचप्रमाणे सदरील कामी जागेवर जाण्याकरीता रस्ता तयार करणे व प्रस्तावित ठिकाणी काम करणे हे अतिशय अडचणीचे व त्रासदायक असल्याचे मे. राईट्स लि. यांनी अहवालात नमुद केले आहे व याकामी निश्चित खर्चाबाबतचा तपशिल सांगता येत नाही असे सुध्दा कळविलेले आहे.
- ४) Approval for constructing approach road and construction of temporary bridge to reach at site of work is also difficult and time taking process to obtain railway administration approval, if we construct bridge over Jafari Khadi (Nalla) parallel to Railway Bridge :- मिरारोड पूर्वेस जाफरी खाडीवर तात्पुरत्या स्वरूपात ब्रिज बांधणे व प्रस्तावित ठिकाणी जाण्याकरीता Approach रस्ता तयार करण्याचे काम अतिशय अडचणीचे असल्याने त्यासाठी रेल्वे प्रशासनाकडून परवानगी प्राप्त करून घेण्यास बराच अवधी अथवा निश्चित किती वेळ लागेल हे सांगता येत नाही असे मे. राईट्स लि. यांनी कळविलेले आहे.
- ५) प्रस्तावित कामाच्या ठिकाणी Pipe Micro-tunneling करीता पूर्वेबाजूस Jacking Pit बांधावे लागणार असून पश्चिम बाजूस Receiving Pit बांधावे लागणार आहे. प्रत्यक्ष प्रस्तावित कामाच्या ठिकाणी मटेरियल व मशीनरी जाण्याकरीता मिरारोड (पूर्व) बाजूस Approach रस्ता तयार करावा लागणार असून मिरारोड (प.) बाजूस सुध्दा मटेरियल व मशीनरी जाण्याकरीता Approach रस्ता तयार करणे आवश्यक आहे. परंतु मिरारोड (प.) बाजूस अतिशय दाटीवाटीच्या तिवरी (Dense Mangroves) असल्याने पोहोच रस्ता Feasible वाटत नाही. त्यामुळे सदरील प्रस्तावित ठिकाणी रेल्वे रुळावरून मटेरियल व मशीनरी वाहतुक करावी लागेल. मटेरियल व मशीनरी वाहतुकीकरीता रेल्वे प्रशासनाची

परवानगी प्राप्त झाल्यास रेल्वे रूळावरून अतिशय तांत्रिक पध्दतीचा वापर करून वाहतुक करावी लागणार आहे.

सदरील प्रस्तावित कामी मे. राईट्स लि. यांनी खालीलप्रमाणे अंदाजित खर्चाबाबतचा तपशिल दिलेला आहे.

- | | |
|---|--------------------|
| a) Cost of Micro-tunneling work including enabling work | Rs. 37,27,39,292/- |
| b) Total codal charge of railways | Rs.13,65,31,390/- |

Total Cost Rs. 50,92,70,682/-

मे.राईट्स लि. यांनी प्रस्तावित कामाचा उपरोक्त खर्च व अडचणी पाहता सदर ठिकाणी कल्वर्ट बांधण्याची योजना ही आर्थिकदृष्ट्या किफायतशीर व Feasible वाटत नाही, असा अभिप्राय दिलेला आहे. त्यामुळे वरील सर्व बाबी लक्षात घेता व प्रस्तावित कामाचे ठिकाणची एकूण परिस्थिती पाहता सदरील काम हाती घेण्यात येऊ नये (On the pretext of above said circumstances and situation of site condition we proposed to drop this scheme) असा अभिप्राय मे.राईट्स लि. यांनी दिलेला आहे.

तथापी प्रस्तावित ठिकाणी कल्वर्ट बांधण्याचे काम हे महानगरपालिकेस अतिशय अत्यावश्यक असल्यास व सदरील काम हाती घेतल्यावर सर्व संविदात्मक त्रुटी टाळण्याकरीता कामाची निविदा ही **Contractors own design and own Scheme** या तत्वावर मागविण्यात यावी, असा सुध्दा मे. राईट्स लि. यांनी अभिप्राय दिलेला आहे.

वरीलप्रमाणे मिरारोड व दहिसर स्टेशन दरम्यान नवीन कल्वर्ट बांधणे कामाबाबतचा सविस्तर अहवाल सादर करण्यात येत असून प्रस्तावित काम करणे शक्य नसल्याने सदर काम होऊ शकत नाही. प्रस्ताव माहितीसाठी सविनय सादर करण्यात येत आहे.

आयुक्त
मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

गोपवारा प्राप्त दि० १०/१०/१९६६ वेक ०५.२५ वी

ना. स्थानीय समिती / महासभा गोपवारा

नोंद रजिस्टर अ. क्र. ३७

५/११/६६
जि.प.क.
नगरसाचिव विभाग.

मिरा भाईंदर महानगरपालिका
मा. महासभा दि. २९/०९/२०१६
गोषवारा

प्रकरण क्र. ७८ तत्कालीन बडतर्फ करण्यात आलेले जनसंपर्क अधिकारी श्री. सचिन चवाथे, यांचे प्रकरणाबाबत...

श्री. सचिन चवाथे, यांची महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवर "जनसंपर्क अधिकारी" या पदावर स्थायी स्वरूपात सरळसेवेने विहित निवडप्रक्रियेद्वारे दि. २४/०१/२०११ रोजी नियुक्ती केलेली होती. सदरचे अधिकारी यांचे पटना विश्वविद्यालय, पटना यांचेकडील "जर्नलिझम अँड मास कम्युनिकेशन" या अभ्यासक्रमाची पदवी प्रमाणपत्र पडताळणीअंती खोटी असल्याचे आढळून आल्याने तत्कालीन आयुक्तांनी श्री. सचिन चवाथे, यांना दि.०२/०८/२०११ रोजीच्या आदेशान्वये सेवेतून बडतर्फ करण्यात आलेले आहे.

सदरच्या बडतर्फीच्या आदेशाच्या विरुद्ध श्री. सचिन चवाथे, यांनी मा. उच्च न्यायालय, मुंबई येथे याचिका (याचिका क्र.७२८०/२०११) दाखल करून प्रकरण न्यायप्रविष्ट केले होते. सदर प्रकरणी मा. उच्च न्यायालयाने याचिकादार यांस महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५६ (४) अन्वये अपील करण्याची तरतूद उपलब्ध असल्याने, सदरची याचिका हाताळण्यास नकार देऊन दि.०९/१०/२०१३ रोजी निकाली काढलेली आहे.

या अनुषंगे याचिकादार श्री. सचिन चवाथे, यांनी मा. सभापती, स्थायी समिती यांचेपुढे कामावर हजर करून घेणेबाबत विनंती अर्ज केलेला आहे. यावर मा.सभापती, स्थायी समिती यांनी प्रशासनास याप्रकरणी दि. २७/०५/२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये अभिप्राय अपेक्षिलेले होते.

सदर प्रकरणात प्रशासनाने दि. २०/०८/२०१४ रोजी सचिव विभागास स्थायी समिती समोर प्रशासनाचे म्हणणे दाखल केलेले होते. स्थायी समितीने महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम अनुसूची "ड" मधील प्रकरण दोन (के) अन्वये प्रस्ताव दि. १४/१०/२०१५ रोजी सभेसमोर घेतलेला आहे.

प्रकरणात प्रशासनाचे म्हणणे दि.२१/०८/२०१४ मध्ये सभापती, स्थायी समिती यांना शेवटच्या दोन परिच्छेदात खालीलप्रमाणे सादर केलेले आहेत.

महानगरपालिकेचा एखादा अधिकारी किंवा कर्मचारी यांनी नियमांचा किंवा शास्तीचा भंग केल्याबद्दल किंवा निष्काळजीपणा केल्याबद्दल अथवा गैरवर्तणक व दोषी आहे अशी खात्री झाल्यास महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५६ अन्वये संबंधित अधिकारी/कर्मचाऱ्यास मा.आयुक्त यांना शास्ती लावण्याचे अधिकार प्राप्त आहेत. सदर कलमामध्ये बडतर्फ करण्याची शास्तीची तरतूद आहे. त्याअनुषंगाने श्री. सचिन चवाथे, यांनी "जनसंपर्क अधिकारी" या पदाच्या नेमणुकीकरीता दिलेल्या शैक्षणिक व इतर अर्हता, पात्रता कागदपत्रांपैकी पटना विश्वविद्यालय, पटना

यांचेकडील पत्रकारीता व जनसंज्ञापन या अभ्यासक्रमाचे प्रमाणपत्र खोटे आढळल्याने, त्यांचेवर उक्त अधिनियमातील तरतुदी मधील प्राप्त अधिकार अन्वये बडतर्फ करण्याची कारवाई करण्यात आलेली असून, ती योग्य आहे. सबब अर्जदार श्री. सचिन चवाथे, यांचा सेवेत पुन्हा रुजू करून घेण्याचा अपील अर्ज/विनंती अर्ज फेटाळण्यात यावा.

वरील वस्तुस्थिती पाहता स्थायी समितीने सदर प्रकरणात उचित निर्णय घेणे आवश्यक होते. तथापी स्थायी समितीने ठराव क्र. ९९, दि. १४/१०/२०१५ रोजी खालीलप्रमाणे निर्णय घेतलेला आहे.

“प्रशासनाच्या गोषवाच्यानुसार सदर अपिल प्रकरणी निर्णय घेण्यासाठी मा.महासभेपुढे सदर प्रकरण सादर करण्यात यावे, असा ठराव मांडत आहे.”

वरील वस्तुस्थितीदर्शक अहवाल पाहता, प्रकरणात विधी विभागाकडून अभिप्राय खालीलप्रमाणे मागविण्यात आले होते.

“महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे कलम ५६(४) अन्वये ज्या कोणत्याही नगरपालिका अधिकाऱ्यास किंवा कर्मचाऱ्यास महानगरपालिके व्यतिरिक्त अन्य कोणत्याही प्राधिकाऱ्याकडून (सदर प्रकरणी आयुक्त हे प्राधिकरण असे.) बडतर्फ करण्याचा आदेश देण्यात येईल. त्या अधिकाऱ्यास/कर्मचाऱ्यास त्याच्या निकट वरिष्ठ प्राधिकरणाकडे (सदर प्रकरणी आयुक्तांचे निकट प्राधिकरण स्थायी समिती असे.) अपील करण्याची तरतुद आहे. आणि सदर प्राधिकरणास आयुक्तांनी दिलेला आदेश कायम करता येईल, किंवा अशा आदेशाऐवजी त्यास न्याय वाटेल असा आदेश देता येईल.

परंतु विषयांकित प्रकरणी मा. स्थायी समितीने वरील तरतुदीनुसार आयुक्तांनी दिलेले आदेश कायम केले नाहीत, किंवा सदर, आदेशाऐवजी इतर आदेश पारित केले नाहीत, किंबहुना सदर प्रकरणी निर्णय घेण्यासाठी मा. महासभेपुढे प्रकरण सादर केले आहेत. वरील तरतुदीनुसार वरील अपिलावर निर्णय घेणे मा. स्थायी समितीस अनिवार्य आहे.

तरी वरील अपीलात उक्त तरतुदीनुसार निर्णय घेण्यासाठी मा. स्थायी समितीपुढे पुनःश्चः गोषवारा सादर करणेस योग्य होईल. असे इकडील विभागात मत आहे.”

वरील विधी विभागाकडील अभिप्राय पाहता, प्रशासनाने दि. ०३/१२/२०१५ रोजी गोषवारा सचिव, नगरसचिव विभाग यांचेकडे मा. स्थायी समितीपुढे मंजूरीस्तव सादर करण्यात आला होता.

प्रशासनाने मा. स्थायी समितीपुढे प्रकरण सादर केले असता, मा. स्थायी समितीने ठराव क्र. ९९, दि. १४/१०/२०१५ रोजी निर्णय घेतलेला आहे.

तद्नंतर प्रशासनाने पुनःश्च दि. ०३/१२/२०१५ रोजी गोषवारा नगरसचिव विभागाकडे देण्यात आला होता. मा. सभापती, स्थायी समिती यांनी दि. १६/०१/२०१६ रोजी प्रकरणी माहिती अपेक्षिलेली होती. त्याअनुषंगाने प्रशासनाने दि. १५/०२/२०१६ रोजी मा. सभापती, स्थायी समिती यांचेकडे प्रकरणी गोषवारा माहिती दिलेली आहे. मा. सभापती, स्थायी समिती यांनी दि. १७/०२/२०१६ रोजी प्रकरणी अधिक माहिती मिळणेबाबत पत्र देण्यात आले होते. त्याअनुषंगाने प्रशासनाने दि. ०७/०७/२०१६ रोजी पुनःश्च मा. सभापती, स्थायी समिती यांचेकडे माहिती देण्यात आलेली आहे.



महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम, स्थायी समितीचे कामकाज, ३. स्थायी समितीच्या कामकाजाचे नियमन करण्यासंबंधी तरतुदी, (के) मध्ये पुढीलप्रमाणे नमुद आहे : “जेथे आयुक्तांच्या कोणत्याही प्रस्तावास, या अधिनियमाच्या तरतुदीन्वये घटीत करण्यात आलेल्या कोणत्याही समितीच्या मंजूरीची किंवा मान्यतेची आवश्यकता असेल त्याबाबतीत, समिती, नगरपालिका सचिवांकडे तो प्रस्ताव प्राप्त झाल्यानंतर, समितीच्या लगतच घेण्यात आलेल्या सभेच्या दिनांकापासून पंचेचाळीस दिवसांच्या आत, असा कोणताही प्रस्ताव विचारात घेईल आणि तो प्रस्ताव निकालात काढील- मग अशा प्रस्तावाशी निगडित बाब अशा सभेच्या कार्यसूचीवर घेतलेली असो किंवा नसो-तसे न केल्यास, अशा प्रस्तावाला समितीने मंजूरी किंवा मान्यता दिलेली असल्याचे मानण्यात येईल, आणि तशा आशयाचा अहवाल आयुक्ताकडून महानगरपालिकेला पाठविण्यात येईल.

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम, स्थायी समितीचे कामकाज, ३. स्थायी समितीच्या कामकाजाचे नियमन करण्यासंबंधी तरतुदी, (के) नुसार सदर प्रस्तावावर कार्यवाही करणेस पंचेचाळीस दिवसापेक्षा अधिक कालावधी झाल्याचे दिसून येत आहे. त्यामुळे स्थायी समितीच्या कामकाजाचे नियमन करण्यासंबंधी तरतुदी, (के) नुसार श्री. सचिन चवाथे, यांच्या बडतर्फीच्या प्रस्तावाला समितीने मंजूरी किंवा मान्यता दिलेली असल्याचे मानण्यात येऊन, श्री. सचिन चवाथे, यांना बडतर्फी करण्यात येत असून, त्याप्रमाणे अहवाल मा. महासभेपुढे ठेवणेत येत आहे.


(अच्युत हांग)
आयुक्ता

मिरा भाईदर महानगरपालिका

गोपवारा प्राप्त दि. १०/८/२०१६ वेज २:१५

मा. सभादेी सभित्ता / महासभा गोपवारा

नोंद रजिस्टर न. क्र. ३८


लिपीक २०/८/१६

नगरसचिव विभाग.

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

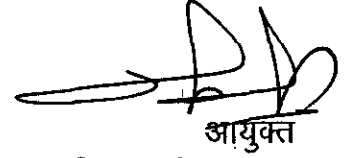
मा. महासभा दि. २९/०९/२०१६

बांधकाम विभाग

// गोषवारा //

प्रकरण क्रमांक (७९) :- भाईदर (प.) येथील मॅक्सस मॉल जवळील पोलिस स्टेशन समोरील चौकाचे वंदन चौक म्हणुन नामकरण करणेबाबत.

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात भाईदर (प.) भागात मॅक्सस मॉल जवळील पोलिस चौकी समोरील ४५ मीटर रुंद रस्त्यावर चौक आहे. सदर चौकाचे वंदन चौक असे नामकरण करण्याचा प्रस्ताव महानगरपालिकेस प्राप्त झाला आहे. सदर चौकाचे यापुर्वी नामकरण करण्यात आलेले नसुन महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम अनुसुची "ड" प्रकरण अकरा (दोन) अन्वये नामकरणाचे अधिकार मा. महासभेचे आहेत. उचित निर्णयासाठी प्रस्ताव सादर करण्यात येत आहे.



आयुक्त

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

गोपवारा प्राप्त दि. 24/1/2019 के वेब 9.0.74
मा. स्थायी समिती / महासभा गोपवारा
नोंट रजिस्टर अ. क्र. 49
नगरसचिव विभाग

1/1/74

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

बांधकाम विभाग

मा. महासभा दि. २०/०९/२०१६

// गोषवारा //

प्रकरण क्र. (D) :- Suburban Railway User's Consultative Committee वर मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील प्रतिनिधी पाठविणेबाबत निर्णय घेणे.

पश्चित रेल्वेच्या Suburban Railway User's Consultative Committee वर मिरा भाईदर महानगरपालिकेमार्फत प्रतिनिधी पाठविण्याबाबत रेल्वेकडून या कार्यालयास दि.१५/०६/२०१६ व दि.०१/०९/२०१६ रोजीच्या पत्रान्वये कळविण्यात आले आहे. सदर कमिटी दि.३१/१२/२०१७ पर्यंत राहणार आहे. पश्चिम रेल्वेच्या पत्रानुसार यापुर्वी मा. महासभेत प्रस्ताव ठेवून मा. महासभेने निश्चित केलेला प्रतिनिधी पाठविण्यात आलेले आहेत. यापुर्वी मा. महासभा दि.२०/०९/२००६, ठराव क्र. ५५ व तदनंतर मा. महासभा दि.१५/०९/२०१३, ठराव क्र.३२ अन्वये निर्णय घेण्यात आलेले आहेत. तरी पश्चिम रेल्वेच्या विनंतीनुसार प्रतिनिधीचे नाव निश्चित होण्यास शिफारस आहे.



आयुक्त

मिरा-भाईदर महानगरपालिका

गोपवारा प्राप्त दि. १२/१०/१९६६ चेक १०.३०
ना. रक्षणी समिती / महासभा गोपवारा
नोंद रजिस्टर अ. क्र. ४६
१२/१०/१९६६
नगरसोचन विभाग.

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मा. महासभा दि.२९/०९/२०१६

// गोषवारा //

प्रकरण क्र.८१

विषय : महानगरपालिका क्षेत्रातील शैक्षणिक संस्थांच्या मालमत्ता करामध्ये सवलत देणे बाबत फेर विचार करणे.

संदर्भ : १) मा. महासभा २०/०२/२००८ ठराव क्र. २६.

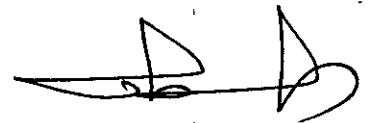
२) असिस्टंट जनरल ऑडिट असिस्टंट अकाउंट जनरल मुंबई यांनी व शैक्षणिक संस्थांना करामध्ये दिलेल्या सवलती बाबत नोंदविलेला आक्षेप.

वरिल विषयाप्रमाणे कळविण्यात येते की, महानगरपालिकेच्या स्थापने पूर्वी ग्रामपंचायत व नगरपालिकांचे प्रशासन होते. महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये काही शैक्षणिक संस्था ह्या ग्रामपंचायत व नगरपालिकेच्या कालावधीतील आहेत महानगरपालिकेतील तळागाळातील विद्यार्थ्यांना शिक्षणाचा लाभ मिळावा व शासनाचे सर्व शिक्षा अभियानाचे ध्येय व उद्देश लक्षात घेऊन सदर तत्कालिन नगरपालिकेच्या काळामध्ये महाराष्ट्र नगरपरिषद, नगर पंचायती व औद्योगिक नगर अधिनियम १९६५, महाराष्ट्र नगरपालिका एकत्रित मालमत्ता कर नियम १९६९, १०(२) या तरतुदीच्या अधिन राहून या मालमत्ता करामध्ये ५० टक्के याप्रमाणे सवलत देण्यात आलेली होती.

महानगरपालिकेच्या दि.२८/०२/२००२ चा स्थापनेनंतर शैक्षणिक संस्थांना तत्कालिन नगरपालिकेच्या काळातील सुट चालू ठेवणे करीता मा. महासभा दि. २०/०२/२००८ रोजीच्या ठराव क्र. २६ च्या माध्यमातून सदरची सुट चालू ठेवावी व मालमत्ता कराची आकारणी निवासी दराने करावी असा निर्णय घेतला आहे. या ठरावाच्या अनुषंगाने शैक्षणिक संस्थांच्या मालमत्तांना, मालमत्ता करामध्ये ५० टक्के सवलत चालू ठेवलेली आहे व मालमत्ता कराची आकारणी निर्धारित करताना कर योग्य मुल्याचा वाजवी भाड्याचा दर हा निवासी ठेवण्यात आलेला आहे.

महानगरपालिकांचे अकाउंट जनरल मुंबई यांनी सन २०१२-१३ चे लेखा परिक्षण केले असता त्यांनी खाजगी शैक्षणिक संस्थांच्या मालमत्तांना कराची आकारणी ही निवासी दराने निर्धारित केलेली आहे. यामुळे महानगरपालिकेस आर्थिक तोटा होत असल्याचा आक्षेप घेतलेला आहे व त्या आक्षेपाच्या अनुषंगाने खाजगी शैक्षणिक संस्थांस यापुढे मालमत्ता करामध्ये सवलत देणे अडचणीचे ठरणार आहे. महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ मधील कलम १३२ (ब) प्रमाणे केवळ सार्वजनिक पुजा अर्चा किंवा सार्वजनिक धर्मादाय प्रयोजना साठीच भोगवट्यात असलेल्या व वापरात येत असलेल्या इमारती व जमिनी किंवा त्यांचे भाग यांना सामान्य करा मध्ये सुट देण्याची तरतुद आहे. शैक्षणिक संस्थास कोणत्याही प्रकारची सवलत देण्याची तरतुद नाही.

मा. महासभा दि.२०/०२/२००८ ठराव क्र.२६ अन्वये यापूर्वी शैक्षणिक इमारतींच्या मालमत्तांना सदर ठरावाप्रमाणे निवासी दराने सवलतीसह कर आकारणी केलेली आहे. मा. अकाउंट जनरल मुंबई यांच्या दि.२२/१२/२०१५ रोजीच्या आक्षेपाचा विचार करता तसेच महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ तरतुदीप्रमाणे शैक्षणिक संस्थांना मालमत्ता करामध्ये सवलत देण्याची तरतुद नाही. या अनुषंगाने यापुढे सर्व शैक्षणिक संस्थांच्या मालमत्तांवर बिगर निवासी दराने कर आकारणी करण्याकरीता मा.महासभेने मान्यता द्यावी.


आयुक्त

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

गोपवारा प्राप्त दि. 22/12/2019 देवळ ...
मा. स्थायी संपत्ती / महासभा गोपवारा
नोंद रजिस्टर अ. क्र. 40
विपाक
नगरसचिव विभाग.

22/12/19

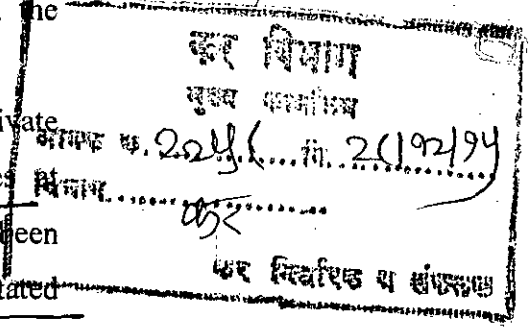
(To be returned in original with reply immediately)
No. SS-I/LAP-VII/Property Tax/HM No. 69

Dated : 22/12/15

Sub: Incorrect Levy of Taxes to school buildings.

As per Section 127 of the BPMC Act 1949, the corporation shall levy and assess the municipal taxes on all properties situated in the corporation area.

During the scrutiny of records of taxation it is noticed that the private schools situated in the corporation area have been levied taxes residential rates. The authority under which the said schools have been assessed at residential rates instead of non-residential rates may be stated to audit.



Due to the above the corporation has lost substantial revenue as the below mentioned properties if assessed as non-residential would have fetched double the amount of tax being levied. A few cases have been shown below.

| Sr. No | Description of property | Owner of property | Area of property | Tax levied |
|--------|-------------------------|-------------------------|------------------|------------|
| 1. | Residential | N.H. English academy | 7750 | 32142 |
| 2. | Residential | J.H. Poddar High School | 00 | 17820 |
| 3. | Residential | Banegar English School | 450 | 1866 |

Thus it could be seen that the above schools are being levied at residential rates instead of non residential rates. It is further noticed that there are 28 permanent unaided schools and 210 unaided schools in corporation area. It may be stated how the above schools are being assessed.

मं० कर ति-क 5
बोने के कारा
2015
28/12/15

दी मारेन
file it in
28/12/15
Bore

Further it is also seen that in respect of some buildings that though assessment has been made during 2012-13 no bills have been issued to the flat owners till date as shown below.

| Sr. No | Building Name and Address | Total No. of flats | Tax assessed per flat(approx) | Total Tax (approx) |
|--------|--|--------------------|-------------------------------|--------------------|
| 1. | Dream land, P.K Road, Medatiya Nagar Phase I Mira Road (E) | 36 | Rs.4687/Flat | Rs.168732 |
| 2. | Shreeji Avenue A wing, Ramdev Park Mira Road (E) | 28 | Rs.5076 | Rs.142128 |
| | | | | Rs.310860 |

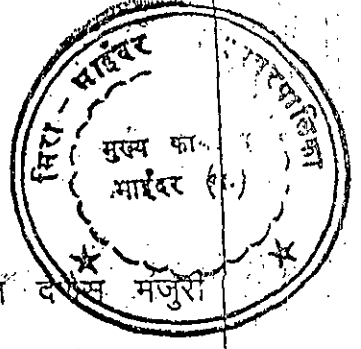
Thus it could be seen that the corporation is losing revenue to the tune of Rs.310860 yearly since 2012-13. It may be stated in how many cases property taxes are not being levied may be furnished to audit, alongwith, reasons for not generating of bills in respect of such properties is brought to notice for comments.



Assistant Audit Officer / LAP - VII

To,
The Assessor & Collector,
Property Tax Department,
MBMC.

मिरा भाईंदर महानगरपालिका
मा. महासभा दि. २०/०२/२००८



प्रकरण क्र. २७ :- शैक्षणिक संस्थांना मालमत्ता करात सवलत देणेस मंजूरी देणेबाबत.

ठराव क्र. २६ :-

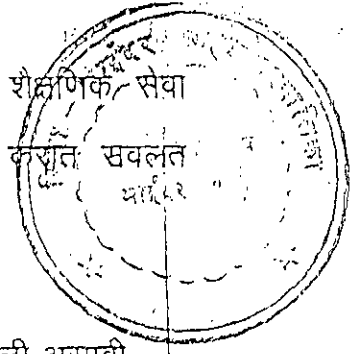
मिरा भाईंदर महानगरपालिका हद्दीत सध्या शाळा, कॉलेज या शैक्षणिक संस्थेच्या इमारती आहेत. त्यापैकी काही शैक्षणिक संस्थेच्या इमारती ग्रामपंचायत, नगरपालिका काळापासून कार्यरत आहेत. नगरपालिका कालावधीमध्ये शैक्षणिक संस्थेच्या इमारती पुर्णत शैक्षणिक उद्देशासाठी वापरण्यांत येत होत्या. अशा शैक्षणिक संस्थेच्या इमारतीवर "महाराष्ट्र नगरपालिका एकत्रित मालमत्ता कर अधिनियम १९६९ नियम १० (२)" तरतुदीनुसार मालमत्ता करामध्ये ५०% सूट देण्यांत येत असे. तात्कालिन नगरपालिका काळामध्ये असलेल्या शैक्षणिक संस्थेच्या मालमत्तांना "महाराष्ट्र नगरपालिका (एकत्रित मालमत्ता कर) नियम १९६९ मधील नियम १० (२)" तरतुदीनुसार तात्कालिन नगरपालिकेने ५०% सवलत देण्यांत आली होती. तशीच आजपर्यंत चालू ठेवण्यांत आली आहे.

मिरा भाईंदर महानगरपालिका दि. २८/०२/२००२ पासून अस्तित्वात आली आहे. त्यामुळे महानगरपालिकेस करासाठी "मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९" लागू करणेत आला आहे. सदरहू अधिनियमात शैक्षणिक संस्थेला सूट/ सवलत देण्याची तरतुद नाही. त्यामुळे महानगरपालिका स्थापना झाल्यानंतर अस्तित्वात आलेल्या शैक्षणिक संस्थेच्या मालमत्तांना बिगर निवासी दराने सर्वसाधारणपणे कर आकारणी करण्यांत आली असून कोणतीही सवलत देण्यांत येत नाही.

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील ज्या शैक्षणिक संस्था आहेत. त्या शहराची शैक्षणिक सेवा करीत असून अशा शैक्षणिक संस्थेस सक्तीय सहकार्य करणे महानगरपालिकेचे देखील कर्तव्य आहे. नगरपालिका कालावधीत "महाराष्ट्र नगरपालिका (एकत्रित मालमत्ता कर) नियम १९६९ मधील नियम १० (२)" प्रमाणे शैक्षणिक संस्थेच्या मालमत्तेस मालमत्ता करामध्ये ५०% इतकी सवलत देण्यांत येत होती. त्याप्रमाणे महानगरपालिका क्षेत्रातील शैक्षणिक संस्थेच्या मालमत्तेस (सध्या लागू असलेल्या दराच्या) ५०% इतका मालमत्ता कर आकारण्यास मंजूरी देण्यांत येत आहे. तसेच शैक्षणिक संस्थांच्या मालमत्तेचा वापर शैक्षणिक कामासाठी होत असल्याने इमारतीच्या कर आकारणीसाठी वार्षिक भाडेमूल्य निवासी दराने काढण्यांत यावे.

मुख्य मंत्री
नगर सचिव
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मिरा-भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील शैक्षणिक संस्था या शैक्षणिक सेवा करीत आहेत. खालील बाबीची पूर्तता करणाऱ्या शैक्षणिक संस्था मालमत्ता करात सवलत मिळण्यास पात्र राहतील.



- १) शैक्षणिक संस्थेची इमारत स्वतंत्र असावी.
- २) शैक्षणिक संस्थेची नोंदणी सोसायटी रजिस्ट्रेशन ॲक्ट १८६० खाली केलेली असावी.
- ३) शैक्षणिक संस्थेची नोंदणी मुंबई सार्वजनिक विश्वस्त ॲक्ट १९४९ खाली केलेली असावी.
- ४) शाळा, महाविद्यालय, उच्च महाविद्यालय इत्यादी कामी आवश्यक ती शिक्षण विषयक परवानगी देण्यास सक्षम असणाऱ्या प्राधिकरणाची मंजूरी असणे आवश्यक आहे.
- ५) मालमत्तेचा वापर पूर्णत फक्त शैक्षणिक वापरासाठी असावा.
- ६) सवलत दिलेल्या शैक्षणिक संस्थेमध्ये विद्यार्थी प्रवेशासाठी महानगरपालिकेचा २० टक्के कोटा असावा.
- ७) ज्या शैक्षणिक संस्था विद्यार्थ्यांकडून मोठ्या प्रमाणात डोनेशन घेवून फायद्यात चालतात त्यांना अशा प्रकारची सवलत देण्यांत येवू नये.
- ८) वरीलप्रमाणे सवलत दिलेल्या शाळांनी गरीब / गरजू विद्यार्थ्यांना फी मध्ये सवलत द्यावी.

वरील ठरावाची अंमलबजावणी सन २००८-२००९ या आर्थिक वर्षापासून करण्यांत यावी.

सुचक :- श्री. भगवती शर्मा.

अनुमोदन :- श्री. प्रमनाथ पाटील.

ठराव सर्वानुमते मंजूर

(Signature)

महापौर

मिरा भाईदर महानगरपालिका

(Signature)
मिरा भाईदर महानगरपालिका

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मा. महासभा दि.२९/०९/२०१६

// गोषवारा //

प्रकरण क्र.८२

विषय : संत शिरोमणी सावता माळी शेतकरी आठवडे बाजार अभियान राबविणेसाठी जागा उपलब्ध करून देणेबाबत

संदर्भ : १) शासन निर्णय क्र. कृपमं ०८१६/प्र.क्र.११९/२१-स सहकार, पणन व वस्त्रोद्योग विभाग, मंत्रालय, मुंबई-३२ दि.१२/०८/२०१६.

२) महाराष्ट्र शासन नगर विकास विभाग, शासन परीपत्रक क्र. संकिर्ण-२०१६/प्र.क्र.३५३/नवि-२० मंत्रालय, मुंबई.३२ दि.२४/०८/२०१६.

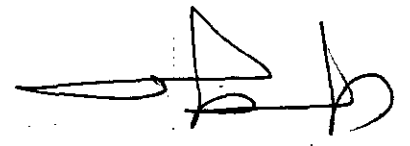
संत शिरोमणी श्री सावता माळी शेतकरी आठवडे बाजार हे अभियान राज्यात प्रभावीपणे राबविणे बाबत शासनाचे उपरोक्त संदर्भिय शासन निर्णयाप्रमाणे मान्यता आहे. शेतकरी बाजारामध्ये शेतकऱ्याला चांगलाभाव ग्राहकांना ताजी फळे व भाजीपाला वाजवी दरात उपलब्ध व्हावा या संकल्पनेतून सदरचे अभियान राबविण्याचा निर्णय शासन स्तरावर घेण्यात आलेला आहे. या अभियाना अंतर्गत शेतकरी बाजारामध्ये फक्त ताजी फळे व भाजीपाला या शेतमालाची विक्री करणार आहे. या प्रयोजनासाठी राज्यातील महानगरपालिकांकडून आठवडी बाजाराकरीता “महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ पुणे” या संस्थेचे मनपा क्षेत्रात जागा उपलब्ध करून देणे आहे.

शेतकरी आठवडे बाजार चालविण्याची संपूर्ण जबाबदारी “महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ पुणे” यांची राहिल. या करीता “महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ पुणे” एका आयोजनाची नेमणुक करेल, आठवड्यातून ठरवून दिलेल्या दिवशी आणि वेळवर शेतकरी आठवडे बाजार भरेल. या दृष्टीने नियोजन करण्याची जबाबदारी कृषि पणन मंडळ पुणे यांची राहिल.

आठवडे बाजार अभियान राबविण्यास शासन मान्यता असल्याने व महानगरपालिकेस या करीता फक्त जागा उपलब्ध करून देणे आहे. आठवडे बाजार अभियान राबविणे बाबत महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ यांचे बरोबर चर्चा केली असता आठवडे बाजारा करीता अंदाजे पाऊण एकर जागा असावी. तसेच पार्किंगची व्यवस्था असणे आवश्यक आहे. जागेच्या आजुबाजुला फळ भाजी खरेदी करण्याकरीता वसाहती/गृहसंकुलने असणे गरजेचे आहे. जागा उपलब्धते नंतर या जागेचे सर्वेक्षण संबंधीत अधिकारी करणार आहे. जागा योग्य वाटल्यानंतर आठवडी बाजार भरण्याबाबतचा निर्णय कृषि पणन मंडळाकडून घेण्यात येईल.

मिरा भाईंदर शहराच्या मंजूर विकास योजनेतील मार्केट बाजार आरक्षणाची माहिती या सोबत जोडण्यात आलेली आहे. तसेच महानगरपालिका क्षेत्रातील कार्यालय परीसर, मैदानांच्या जागा बाजारासाठी उपलब्ध करून देणे आहे.

तरी नागरीकांच्या सोयीच्या दृष्टीने शेतकऱ्यांचा मात्र थेट ग्राहकांपर्यंत पोहचविण्याच्या दृष्टीने सुलभ व सोयीस्कर जागा शहरातील मध्यवर्ती ठिकाणी उपलब्ध करून देणे करीता सदरचा विषयावर विचार विनिमय होऊन निर्णय घेणेस शिफारस आहे.



आयुक्त

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

गोचरात) धाक डि- 229/2016

सुपासि : 3:40 वगना

संत शिरोमणी श्री सावता माळी शेतकरी
आठवडे बाजार" अभियान राबविणेबाबत.

महाराष्ट्र शासन

शासन निर्णय क्रमांक: कृपम-०८१६/प्र.क्र.११९/२१ सं

सहकार, पणन व वस्त्रोद्योग विभाग

हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा मार्ग,

मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२.

दिनांक - १२ ऑगस्ट, २०१६

प्रस्तावना - शेतकऱ्यांना योग्य भाव मिळावा व प्राहकांना वाजवी दरात शेतमाल मिळावा यासाठी महाराष्ट्र राज्य कृषि उत्पन्न पणन (विकास व विनियमन) अधिनियम, १९६३ मध्ये वेळोवेळी सुधारणा करण्यात आलेली आहे. वर्ष २००६ मध्ये या अधिनियमामध्ये सुधारणा करून खाजगी बाजार, थेट पणन, शेतकरी-प्राहक बाजार व कंत्राटी शेती याची तरतूद करण्यात आलेली आहे. यानंतरही ज्या प्रमाणात स्पर्धा वाढली नाही त्या प्रमाणात ती वाढली नाही. नुकतेच या अधिनियमामध्ये बदल करून फळे व भाजीपाल्याच्या व्यवहारांचे बाजार समितीचे अधिकार बाजार आवारापुरते मर्यादित केले असून आणखी स्पर्धा वाढविण्यासाठी प्रोत्साहन देण्यात येत आहे. स्पर्धा आणखी वाढविण्यासाठी शासनाकडून अनेक प्रकारचे प्रयत्न करण्यात येत आहेत. पूर्ण जगात शेतकरी बाजार लावण्याची प्रथा अस्तित्वात आहे. शेतकरी बाजारामध्ये शेतकऱ्याला योग्य भाव, प्राहकांना ताजी फळे व भाजीपाला वाजवी दरात उपलब्ध होतो, अशी संकल्पना राज्यात सुरु करावी यासाठी "संत शिरोमणी श्री सावता माळी शेतकरी आठवडे बाजार" अभियान राबविण्याचा प्रस्ताव शासनाच्या विचाराधीन होता. त्याअनुषंगाने शासन खालीलप्रमाणे निर्णय निर्गमित करित आहे.

२. शासन निर्णय -

१) राज्यात "संत शिरोमणी श्री सावता माळी शेतकरी आठवडे बाजार" अभियान राबविण्यास शासन मान्यता देण्यात येत आहे.

- २) या अभियानासाठी महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे यांची समन्वय संस्था (Nodal Agency) म्हणून नियुक्ती करण्यात येत आहे.
- ३) या प्रयोजनासाठी राज्यातील शहरी भागातील नगर पालिका / महानगर पालिका यांच्याकडून आवश्यकतेनुसार (मागणी नुसार) व नियमानुसार महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे यांनी शेतकरी आठवडे बाजारासाठी रितसर अर्ज करून जागा उपलब्ध करून घ्यावी. याव्यतिरिक्त महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे यांनी शहरी भागातील इतर विभाग वा संस्थांकडूनही शेतकरी आठवडे बाजारासाठी जागा उपलब्ध करून घ्यावी.
- ४) शेतकरी आठवडे बाजारासाठी नगरपालिका / महानगरपालिका वा इतर विभाग वा संस्था यांचेकडून मागणीनुसार व नियमानुसार शेतकरी आठवडे बाजार भरविण्यासाठी आवश्यक ती परवानगी घ्यावी. शेतकरी आठवडे बाजार चालविण्याची संपूर्ण जबाबदारी "महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे" यांची राहिल.
- ५) या शेतकरी आठवडे बाजारामध्ये फक्त ताजी फळे व भाजीपाला या शेतमालांची विक्री करता येईल.
- ६) प्रत्येक शेतकरी आठवडे बाजार चालविण्यासाठी महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ एका आयोजकाची नेमणूक करील. हे आयोजक फक्त नोंदणीकृत शेतकरी उत्पादक संस्था किंवा ग्राहक सहकारी संस्था किंवा कृषि पणन सहकारी संस्था (खरेदी विक्री संघ) असतील.
- ७) आयोजकांचे नियमित लेखापरिक्षण झालेले असणे आवश्यक राहिल.
- ८) प्रत्येक शेतकरी आठवडे बाजाराच्या ठिकाणी आवश्यक ती तात्पुरती सुविधा उपलब्ध करणे तसेच जागेची व्यवस्था करण्यासाठी स्थानिक संस्थेशी समन्वय साधून कामकाज करण्याची जबाबदारी "महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे" यांची राहिल.
- ९) आयोजक वा स्थानिक संस्था वा विभाग यांच्यात समन्वय साधण्याची जबाबदारी "महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे" यांची राहिल.

१०) आठवडेबाजाराच्या ठरवून दिलेल्या दिवशी आणि वेळेवर शेतकरी आठवडे बाजार भरेल, यादृष्टीने नियोजन करण्याची पूर्ण जबाबदारी "महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे" यांची राहिल.

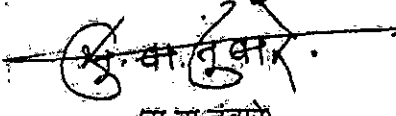
११) शेतकरी आठवडे बाजाराच्या आयोजनासाठी प्रचार व प्रसिध्दी करण्याची जबाबदारी आयोजकांची व महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे यांची राहिल.

१२) प्रत्येक आठवडे बाजाराच्या आयोजनासाठी लागणाऱ्या खर्चासाठी प्रत्येक स्टॉलधारकाकडून आयोजक सेवाशुल्क वसूल करू शकेल वा सेवाशुल्क ठरविण्याची जबाबदारी महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे यांची राहिल.

१३) प्रत्येक शेतकरी आठवडे बाजारामध्ये फक्त शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांच्या सभासदांचा माल थेट ग्राहकांना विक्री करण्याचे बंधन राहिल.

१४) प्रत्येक शेतकरी आठवडे बाजारासाठी सोबत जोडलेल्या "परिशिष्ट अ" मध्ये दर्शविलेली नियमावली लागू राहिल.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,


(सु.बा.तुबारे)
अवर सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रत :

- १) मा. मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव, मंत्रालय, मुंबई
- २) मा. मंत्री (सहकार, पणन व वस्त्रोद्योग) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई
- ३) मा. राज्यमंत्री (कृषि व फलोत्पादन, पणन) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई
- ४) मा. राज्यमंत्री (सहकार) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई
- ५) मा. मुख्य सचिव, महाराष्ट्र शासन, मंत्रालय, मुंबई.
- ६) अपर मुख्य सचिव (पणन), सहकार, पणन व वस्त्रोद्योग विभाग यांचे स्वीय सहायक, मंत्रालय, मुंबई
- ७) अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, सर्व विभाग, मंत्रालय, मुंबई
- ८) व्यवस्थापकीय संचालक, महाराष्ट्र राज्य सहकारी पणन महासंघ मर्या., मुंबई

- १) प्रकल्प संचालक, महाराष्ट्र स्वर्धात्मिक कृषी विकास प्रकल्प (MACP), पुणे.
- १०) विभागीय आयुक्त, सर्व महसूल विभाग, (पणन संचालक, पुणे यांचे मार्फत)
- ११) आयुक्त, सर्व महानगरपालिका (पणन संचालक, पुणे यांचे मार्फत)
- १२) जिल्हाधिकारी, सर्व जिल्हे (पणन संचालक, पुणे यांचे मार्फत)
- १३) उप सचिव (पणन), सहकार, पणन व वस्त्रोद्योग विभाग, मंत्रालय, मुंबई
- १४) पणन संचालक, महाराष्ट्र राज्य, पुणे
- १५) कार्यकारी संचालक, महाराष्ट्र राज्य कृषी पणन मंडळ, पुणे.
- १६) प्रकल्प संचालक, समन्वयित कृषि विकास प्रकल्प (CAIM), अमरावती.
- १७) प्रकल्प संचालक, जापान दारिद्र्य निवारण निधी प्रकल्प (JFPR), पुणे
- १८) जिल्हा उपनिबंधक, सहकारी संस्था, सर्व जिल्हे (पणन संचालक, पुणे यांचे मार्फत)
- १९) मुख्याधिकारी, सर्व नगरपालिका / परिषदा (पणन संचालक, पुणे यांचे मार्फत)
- २०) अवर सचिव (२४-स), सहकार, पणन व वस्त्रोद्योग विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
- २१) निवड नसती (२१-स)

(शासन निर्णय क्रमांक : कृपमं ०८१६/प्र.क्र.११९/२१-सं. दिनांक १२/०८/२०१६)

संत शिरोमणी श्री सावता माळी शेतकरी आठवडे बाजार अभियान

शेतकरी आठवडे बाजार नियमावली

अ) समन्वय यंत्रणेची जबाबदारी

- १) प्रत्येक शेतकरी आठवडे बाजारासाठी फक्त नोंदणीकृत शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था, ग्राहक सहकारी संस्था किंवा कृषि पणन सहकारी संस्था (खरेदी विक्री संघ) यांची आयोजक म्हणून निवड करणे. आयोजकाच्या निवडीसाठी नोंदणीची तारीख विचारात घेणे. सर्वात जुन्या कंपनी अथवा संस्थेस प्राधान्य देण्यात यावे. आयोजक कंपनी किमान दहा टन शेतमाल प्रत्येक बाजाराच्या दिवशी विक्री करण्यास सक्षम असेल.
- २) शेतकरी आठवडे बाजारसाठी नगरपालिका, महानगरपालिका, इतर विभाग वा संस्था यांचेकडून जागा उपलब्ध करून घेणे व या जागेवर आवश्यक त्या परवानग्या घेऊन आयोजकांच्या माध्यमातून शेतकरी आठवडे बाजार चालविणे.
- ३) शेतकरी बाजाराच्या ठिकाणी आवश्यक त्या सुविधा जसे की, तात्पुरते शेड, वजन काटे, स्टॉल इ. उभे करणे तसेच जागेची स्वच्छता व व्यवस्था ठेवण्यासाठी स्थानिक संस्थेशी समन्वय ठेऊन कामकाज करावे.
- ४) आयोजक व स्थानिक संस्था (नगरपालिका/महानगरपालिका)यांच्यात समन्वय ठेवणे.
- ५) आठवड्याच्या ठरवून दिलेल्या दिवशी व वेळेवर शेतकरी आठवडे बाजार भरले जाह्येने नियोजन करावे व शेतकरी आठवडे बाजाराच्या आयोजनासाठी प्रचार व प्रसिध्दी करणे.
- ६) प्रत्येक शेतकरी आठवडे बाजारासाठी समन्वय अधिकारी नियुक्त करण्यात यावा व त्याच्या माध्यमातून शेतकरी आठवडे बाजाराची माहिती संकलित करून वेळोवेळी वेबसाईटवर प्रसिध्द करावी.

आ) आयोजकांसाठी नियम, अटी व शर्ती :-

- १) शेतकरी आठवडे बाजार आयोजक म्हणून फक्त नोंदणीकृत शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था, ग्राहक सहकारी संस्था किंवा कृषि पणन सहकारी संस्था (खरेदी विक्री संघ) कामकाज करू शकतील. इच्छुक आयोजकांनी कार्यकारी

७

६

२) (मालावक, महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे यांचेकडे अर्ज करावा. आयोजक संस्थेने नोंदणी प्रमाणपत्र अर्जासोबत सादर करणे आवश्यक राहिल.

- ३) आयोजकांनी कोणाचा माल किती कालावधीसाठी विक्री करणार याबाबतचा तपशील शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांच्या सभासदांची संमती, अद्ययावत ७/९२ च्या उतान्यासह महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळास शेतकरी आठवडे बाजारामध्ये विक्रीसाठी परवानगी मिळण्यासाठीच्या अर्जासोबत दाखल करावा.
- ४) फक्त शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांच्या सभासदांचाच माल थेट ग्राहकांना विक्री करण्यात येईल असे हमीपत्र अर्जासोबत देणे आवश्यक राहिल. प्रत्येक विक्रेत्याला महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे हे ओळखपत्र देईल व प्रत्येक विक्रेता विक्रीच्या वेळेस ते धारण करेल. विक्रेत्यावर उत्कृष्ट प्रकारचा माल विक्रीचे बंधन असेल. याबाबतचा उल्लेख हमीपत्रात करावा लागेल.
- ५) शेतकरी आठवडे बाजारात समावेश करावयाच्या शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांना महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळाची पूर्वपरवानगी आवश्यक राहिल. आयोजकांना महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळाची परवानगी नसलेल्या शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांना शेतकरी आठवडे बाजारात परस्पर विक्रीसाठी परवानगी देता येणार नाही. काही अपरिहार्य परिस्थितीत आयोजकांना विक्रीसाठी नवीन सभासदांना समाविष्ट करून घ्यायचे असल्यास त्यासाठी महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळाची पूर्वपरवानगी घेणे आवश्यक राहिल.
- ६) प्रत्येक शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांना समान तत्वावर जागा वाटप करण्याची जबाबदारी आयोजकांची राहिल.
- ७) जागेचे न्याय्य वाटप करण्याची जबाबदारी आयोजकांवर राहिल. शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांना दिलेली जागा बदलण्याचे अधिकार आयोजकांस असतील. प्रथम येणाऱ्यास प्रथम प्राधान्य अथवा चिड्डी पद्धतीने अथवा रोटेशन पद्धतीने स्टॉल / जागेचे वाटप करणे आयोजकांवर बंधनकारक राहिल.
- ८) आयोजकांस जागेचे भाडे, टेबल, खुर्च्या, पिण्याचे पाणी, लाईट व्यवस्था, कचरा निर्मूलन, जागेची साफसफाई, अभ्यांगत पार्किंग नियोजन, सुरक्षा, प्रचार, प्रसिद्धी इ.

खर्चासाठी स्टॉल धारकांकडून वाजवी रक्कमेचे सेवाशुल्क आकारण्याचे अधिकार राहतील.

- 2) आयोजकांवर प्रत्येक आठवड्यात आयोजित शेतकरी आठवडे बाजाराच्या जमा खर्चाचा हिशोब ठेवणे बंधनकारक राहिल. सदर हिशोब महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळास आठ दिवसांच्या आत सादर करण्याची जबाबदारी आयोजकांवर राहिल. तसेच सहभागी विक्रेत्यांनी मागणी केल्यास सदर हिशोब देणे बंधनकारक असेल.
- १) कोणत्याही परिस्थितीत खाजगी व्यापारी / किरकोळ विक्रेते शेतकरी आठवडे बाजारात विक्रीसाठी येणार नाहीत याची जबाबदारी आयोजकांची राहिल.
- १०) शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांनी ग्राहकांशी सौहार्दपूर्ण संबंध प्रस्थापित करावेत. ग्राहकांना कोणत्याही प्रकारचा त्रास होणार नाही / ग्राहकांची फसवणूक होणार नाही याची जबाबदारी विक्रेत्यांची राहिल.
- ११) शेतकरी आठवडे बाजार परिसरात धूम्रपान / मद्यपान करू नये तसेच ग्राहकांशी कोणत्याही प्रकारे गैरवर्तन करू नये. याबाबत तक्रारी आल्यास त्यावर कार्यवाही करण्याची जबाबदारी आयोजकांची राहिल. अशा प्रकरणी केलेल्या कार्यवाहीबाबतची माहिती आयोजकांनी वेळोवेळी महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळास देणे आवश्यक राहिल.
- १२) प्रत्येक शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांनी स्टॉलवर आपला/संस्थेचा फलक/फ्लेक्स लावणे बंधनकारक राहिल. फलकावर जबाबदार व्यक्तीचे नाव आणि भ्रमणध्वनी क्रमांक नमूद करावा. शेतमालाच्या बाजार भावाचा फलक स्टॉलमध्ये दर्शनिय ठिकाणी लावणे बंधनकारक राहिल.
- १३) शेतकरी आठवडे बाजारामध्ये सहभागी शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांची यादी त्यांच्या शेतमालाच्या विक्रीसह तसेच अंदाजित किंमतीसह महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळाच्या वेबसाईटवर टाकण्यात येईल. सदर माहिती महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळास ईमेलद्वारे पुरविणे आयोजकांवर बंधनकारक असेल.
- १४) आयोजकांकडून शेतकरी आठवडे बाजाराच्या मुळ संकल्पनेस बाधा पोहोचत असल्याचे लक्षात आल्यास त्यांचेकडून शेतकरी आठवडे बाजाराचे कामकाज काढून घेण्याचा अधिकार महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळास राहिल.
- १५) आयोजकांनी शेतकरी आठवडे बाजारामध्ये महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळाचा फ्लेक्स लावणे बंधनकारक राहिल. फ्लेक्सवर महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळाचा पत्ता, दूरध्वनी क्रमांक इ-मेल, संपर्क अधिका-याचा भ्रमणध्वनी क्रमांक, इ. तपशील

9

8

दर्शविण्यात यावा. शेतकरी आठवडे बाजाराच्या संदर्भातील सूचना, तक्रारी, तसेच ग्राहकांचे म्हणणे यांची नोंद ठेवण्याची जबाबदारी आयोजकांची राहिल.

१६) ग्राहक, शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था तसेच शेतकरी आठवडे बाजाराशी संबंधित इतर घटक यांनी शेतकरी आठवडे बाजारा संदर्भातील त्यांच्या सूचना / तक्रारी आयोजकांकडे द्याव्यात. तसेच याबाबत आवश्यकतेनुसार महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ, पुणे यांच्याशी संपर्क साधावा.

१७) आयोजकांचे नियमित लेखापरिक्षण झालेले असणे आवश्यक राहिल.

इ) शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांची जबाबदारी :-

- १) शेतमालासोबत येणारा काडी/कचरा/घाण व/ अथवा शिल्लक माल शेतकरी बाजारातून परत नेण्याची जबाबदारी संबंधित शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांची राहिल. शेतमाल विक्रीनंतर कचरा शेतकरी आठवडे बाजारात टाकून गेल्याचे आढळल्यास दंड आकारण्याचे अथवा शेतमाल विक्रीसाठी देण्यात आलेली परवानगी रद्द करण्याचे अधिकार आयोजकास राहतील.
- २) शेतकरी आठवडे बाजारात शेतमालाचे वजन करण्यासाठी इलेक्ट्रॉनिक वजन काट्याचा वापर करणे विक्रेत्यांवर बंधनकारक राहिल.
- ३) शेतकरी आठवडे बाजारात उत्कृष्ट दर्जाचा माल विक्री होणे आवश्यक आहे. कच्चा, अती पक्व, किडलेला, रोगग्रस्त, फुटलेला (ग्राहक खरेदी करू शकणार नाही असा माल) असा शेतमाल विक्रेत्यांनी विक्रीसाठी आणू नये. असा शेतमाल विक्रीसाठी आणलेला आढळल्यास सदर मालाची विक्री शून्यविण्यात येईल. तसेच संबंधित विक्रेत्यांची शेतकरी आठवडे बाजाराची परवानगी रद्द करण्यात येईल.
- ४) शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांनी शेतमाल विक्रीचे व्यवहार रोखीने करणे बंधनकारक राहिल. उधारीने व्यवहार केल्यास आणि नंतर रक्कमेची वसूली न झाल्यास त्यास आयोजक अथवा महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ जबाबदार राहणार नाही.
- ५) विक्री अभावी शिल्लक राहिलेल्या शेतमालाची जबाबदारी ही संबंधित शेतकरी, शेतकरी गट, शेतकरी उत्पादक कंपनी, शेतकरी उत्पादक सहकारी संस्था यांची राहिल. आयोजक अथवा महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ शिल्लक मालास जबाबदार नसतील.
- ६) शेतकरी आठवडे बाजारासंदर्भात काही अडचणी/सूचना/तक्रारी असल्यास त्याबाबतचा महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळाचा निर्णय अंतिम राहिल.

शेतकऱ्यांना त्यांचे भाज्या, फळे, अन्नधान्य आणि इतर कृषि उत्पादने थेट विक्रीसाठी शेतकरी बाजार दर शनिवारी किंवा रविवारी भरविण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन
नगर विकास विभाग

शासन परिपत्रक क्रमांक:- संकिर्ण-२०१६/प्र.क्र.३५३/नवि-२०

मंत्रालय, मुंबई- ४०० ०३२

दिनांक:- २४ ऑगस्ट, २०१६.

प्रस्तावना:-

राज्य शासनाने महाराष्ट्र कृषि उत्पन्न पणन (विकास व विनिमय) अधिनियम १९६३ मध्ये सुधारणा केल्या असून त्या अंतर्गत शेतकऱ्यांना आपला कृषि माल थेट ग्राहकांना विक्री करण्याकरीता अनेक पर्याय उपलब्ध झालेले आहेत. शेतकऱ्यांनी आपला शेतमाल थेट ग्राहकांना विक्री केल्याने नाशवंत मालाचा दर्जा टिकून राहतो व मुल्यसाखळीतील मध्यस्थांची संख्या कमी झाल्यामुळे शेतकऱ्यांना परंपरागत बाजार पध्दतीत मिळणाऱ्या उत्पन्नापेक्षा जास्त उत्पन्न प्राप्त होते तर ग्राहकांना किफायतशीर दरात फळे व भाजीपाला उपलब्ध होतो.

२. महाराष्ट्र कृषि उत्पन्न पणन (विकास व विनिमय) अधिनियम १९६३ अंतर्गत महाराष्ट्र कृषि पणन मंडळाची तरतुद आहे. सदर मंडळ हे शेतकऱ्यांच्या शेतमालाच्या पणन विषयक बाबी संदर्भात कामकाजासाठी प्राधिकृत आहे. सदर कृषि पणन मंडळामार्फत सद्यस्थितीत राज्याच्या विविध शहरांमध्ये एकूण ३० शेतकरी बाजार कार्यान्वित केले आहेत. अशाच प्रकारचे शेतकरी बाजार महाराष्ट्रातील महानगरपालिका, नगरपरिषदा तसेच इतर शासकीय जागेवर मोठ्या प्रमाणात कार्यान्वित करण्याचा मानस आहे व सदर बाजार सुरू करणेबाबत विविध शहरांमधून मोठ्या प्रमाणावर मागण्या येत आहेत. त्यानुषंगाने नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांमध्ये शेतकरी बाजार राबविण्याबाबतची वाब शासनाच्या विचाराधीन होती.

शासन परिपत्रक:

शेतकऱ्यांना त्यांचे भाज्या, फळे, अन्नधान्य आणि इतर कृषि उत्पादने थेट विक्रीसाठी महानगरपालिका / नगरपालिका यांनी त्यांच्या कार्यालयाच्या आवारात, त्यांच्या भाजीमंडईत, तसेच नगरपालिका क्षेत्रात किमान एक मैदान व महानगरपालिका क्षेत्रात ३ ते ४ मैदाने, दर शनिवारी किंवा रविवारी उपलब्ध करून द्यावीत. या शेतकरी बाजाराकरीता आच्छादन काढून टाकता येणाऱ्या शेड उभारण्यात याव्यात. तसेच या शेतकरी बाजाराबाबत जनजागृती करावी.

२. सदर शासन परिपत्रक महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आले असून त्याचा रसगणक संकेतांक २०१६०८२४१२३८१४९७२५ असा आहे. हे परिपत्रक डिजीटल स्वाक्षरीने सांक्षीकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने,

Jayasingrao
N Patil

Digitally signed by Jayasingrao N Patil
DN: cn=N. Patil, o=Government Of
Maharashtra, ou=Deputy Secretary,
postalCode=400032, st=Maharashtra,
c=Jayasingrao N Patil
Date: 2016.08.24 12:38:48 +05'30'

(ज. ना. पाटील)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रत,

- १) मा. विरोधी पक्षनेते, दोन्ही सभागृह, महाराष्ट्र विधानमंडळ, मुंबई
- २) सर्व सन्माननीय विधानसभा/ विधानपरिषद व संसद सदस्य
- ३) मा. राज्यपाल महोदय यांचे सचिव
- ४) मा. मुख्यमंत्री महोदय यांचे प्रधान सचिव
- ५) सर्व मा. मंत्री / राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव
- ६) मा. राज्य निवडणूक आयोग यांचे कार्यालय
- ७) मा. मुख्य सचिव यांचे वरिष्ठ स्वीय सहाय्यक
- ८) मा. लोकआयुक्त व उपलोकआयुक्त यांचे कार्यालय
- ९) मुख्यमंत्री महोदय यांचे जनसंपर्क अधिकारी
- १०) राज्यातील सर्व महानगरपालिकांचे आयुक्त
- ११) आयुक्त तथा संचालक, नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय, वरळी, मुंबई
- १२) उप सचिव, सहकार, वस्त्रोद्योग व पणन विभाग, मंत्रालय, मुंबई
- १३) निवडनस्ती (नवि-२०).

मिरा भाईदर महानगरपालिका
नगररचना विभाग

10

12

स्वामी विवेकानंद भवन, आर.बी.के. स्कूलच्या बाजूला, कनाकिया, मिरारोड (पु.)

जा.क्र. - मनपा/नर/२०१४/२०१६-१७

दिनांक - ०९/०९/२०१६

प्रति,

उप-कर निर्धारक व संकलक
मिरा भाईदर महानगरपालिका

विषय - संत शिरोमणी सावता माळी शेतकरी आठवडे बाजार अभियान राबविणेसाठी
आरक्षित जागेची माहिती मिळणेबाबत.

संदर्भ - आपले पत्र क्र. मनपा/कर/बाजार-२३९/२०१६-१७, दि.०९/०९/२०१६.

महोदय,

संतशिरोमणी सावता माळी शेतकरी आठवडे बाजार अभियान राबविणेसाठी मिरा भाईदर शहरासाठीच्या मंजूर विकास योजनेतील (१) आठवडी बाजार, (२) मासळी मार्केट, (३) भाजी मार्केट, (४) सर्वसाधारण बाजार या आरक्षणाची माहिती मिळणेबाबत संदर्भिय पत्रान्वये विनंती केलेली आहे. त्याअनुषंगाने मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या मंजूर विकास योजनेतील (१) आठवडा बाजार, (२) मासळी मार्केट, (३) भाजी मार्केट व (४) मार्केट या आरक्षणाची माहिती या पत्रासोबत देण्यात येत आहे.



नगररचनाकार

मिरा भाईदर महानगरपालिका

6



| अ.क्र. | आरक्षण क्रमांक | प्रयोजन | स.क्र. / हि.क्र. | गाव | अंदाजे क्षेत्र (चौ.मी.) | मनपाच्या ताब्यात घेतलेले एकूण क्षेत्र (चौ.मी.) |
|--------|----------------|-----------------|--|-----------|-------------------------|--|
| १ | २४ | मार्केट | ६ पै., ७ पै., ८ पै., ९ पै., ३१७ पै. | उत्तन | ६००० | |
| २ | २६ | मार्केट (फिश) | ४ पै., ५ पै., ६ पै., ७ पै., | उत्तन | ३३७० | |
| ३ | ४२ | मार्केट | ४, ५, ६ पै., | मांवा | ३८०० | |
| ४ | ५८अ | मार्केट (फिस) | ३३८ पै. | भाईंदर | ४६००० | |
| ५ | ५८ब | मार्केट (आठवडा) | ७५४ पै., | भाईंदर | १५०००० | |
| ६ | ६८ | मार्केट | ३३८ पै., ३४२ पै., ३४३ पै., | भाईंदर | २००० | |
| ७ | ६८अ | मार्केट (भाजी) | ७२२-ए | भाईंदर | ६५०० | |
| ८ | ९७ | मार्केट | २७७ पै., २७८ पै., | भाईंदर | ३००० | |
| ९ | १०८ | मार्केट | ३९ पै., ४२ पै., ६७ पै., | खारी | ४००० | १११४.३६ |
| १० | ११३ | मार्केट | २० पै., २०० पै., | नवघर | १५०० | १६८.५ |
| ११ | १३४ | मार्केट | २१६ पै., २१७ पै., २१८ पै., | भाईंदर | २८०० | |
| १२ | १४३ | होल सेल मार्केट | १४५ब पै., ३७६ पै., १४१अ पै., १४१अ, १४५ब पै., १४५क पै., | भाईंदर | ११५०० | |
| १३ | १६५ | मार्केट | ३७ पै., ३९ पै., | भाईंदर | २४०० | |
| १४ | १९७ | मार्केट | १० पै., | पेणकरपाडा | ७१०० | |
| १५ | २३१ | मार्केट | ४५ पै., १८३ पै., | नवघर | २५०० | १९७५.६८ |
| १६ | २४४ | मार्केट | ६९ पै., ७४ पै., | गोडदेव | २००० | २५०.६३ |
| १७ | २८१ | मार्केट | ९२ पै., १०० पै., १०९ पै., | नवघर | २५०० | |
| १८ | २९३ | मार्केट | १२७ पै., १२८ पै., १३० पै., | नवघर | ५००० | |
| १९ | ३१८ | मार्केट | १०७ पै., १०८ पै., | घोडबंदर | २७०० | |
| २० | ३३३ | मार्केट | ५१ पै., | मिरा | २००० | १९६.४८ |
| २१ | ३४६ | मार्केट | ७४ पै., ७१ पै., ७५ पै., | पेणकरपाडा | १८०० | |

7

११/११/११
११/११/११
११/११/११

